नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 224 | नई दिल्ली, मंगलवार 12 नवंबर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

निजी जिंदगी से रूबरू कराएंगी परिणीति चोपड़ा ➤ पेज-12

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना बने उच्चतम न्यायालय के 51वें मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई।

श्रीमती मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में शीर्ष अदालत के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति खन्ना को 51वें मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। वह 13 मई 2025 को सेवानिव

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, शीर्ष अदालत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के अलावा मौजूदा और पूर्व न्यायाधीश, कई केंद्रीय मंत्री और अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ रविवार 10 नवंबर को शीर्ष अदालत के 50 वें मुख्य न्यायाधीश के पद से सेवानिव

उन्होंने अक्टूबर में केंद्र सरकार को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति खन्ना को शीर्ष अदालत का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की थी। इसके बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद 24 अक्टूबर 2024 को केंद्र सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग ने न्यायमूर्ति खन्ना के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने से संबंधित एक अधिसूचना जारी की।

न्यायमूर्ति खन्ना 2018 की 'चुनावी बॉन्ड योजना' को रद्द करने वाली पांच सदस्यीय पीठ में शामिल थे।

न्यायमूर्ति खन्ना को 18 जनवरी 2019 को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया था, तब वह दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे।

उन्हें 2005 में दिल्ली उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया और एक साल बाद उन्हें यहां स्थायी न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत किया गया था।

विश्वास है कि न्यायमूर्ति खन्ना विशिष्टता के साथ न्यायपालिका की सेवा करेंगे : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के भारत के 51वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने के बाद उन्हें सोमवार को शुभकामनाएं दीं तथा कहा कि व्यापक अपेक्षाओं के कारण यह पद उन पर और जिम्मेदारी डालेगा। खरगे ने विश्वास जताया कि न्यायमूर्ति खन्ना इस जिम्मेदारी का भार उठा पाएंगे और न्यायपालिका की विशिष्टता के साथ सेवा करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यन्यायमूर्ति संजीव खन्ना को भारत के 51वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ लेने के लिए शुभकामनाएं देता हूं। भारत के प्रधान न्यायाधीश का पद व्यापक अपेक्षाओं के कारण निस्संदेह उनके कंधों पर अधिक बोझ डालेगा। उन्होंने कहा, ह्यह्यमुझे विश्वास है कि अपने लंबे और विशिष्ट अनुभव के कारण वह इस जिम्मेदारी का भार उठा पाएंगे और विशिष्टता के साथ न्यायपालिका की सेवा करेंगे। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने सोमवार को भारत के 51वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

सीजेआई खन्ना अपने 6 माह के कार्यकाल में सुनाएंगे कई महत्वपूर्ण मामलों पर फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के नए चीफ जस्टिस (सीजेआई) के रूप में जस्टिस संजीव खन्ना ने सोमवार को शपथ ले ली। जस्टिस खन्ना, जो अब तक अपने स्पष्ट और ऐतिहासिक फैसलों के लिए मशहूर हैं, ने पद संभालने के बाद कई बड़े और संवेदनशील मामलों की सुनवाई की जिम्मेदारी ली है। उनका कार्यकाल 13 मई 2025 तक रहेगा, और इस दौरान उनकी बेंच के पास कई महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय देना होगा। जस्टिस खन्ना का नाम सीजेआई के रूप में निवर्तमान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा सुझाया गया था। जस्टिस खन्ना को जनवरी 2019 में सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया गया था और उन्होंने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण मामलों में ऐतिहासिक फैसले सुना चुके हैं।

इजरायल पर हिजबुल्लाह का बड़ा हमला

165 से अधिक मिसाइलें दागी

- इराकी आतंकियों का इजरायल के तीन ठिकानों पर हमला
- अटैक रोकने में आयरन डोम तक फेल

लेबनान, एजेंसी। इजरायल इस वक्त हमास और हिजबुल्लाह आतंकियों के खिलाफ दो मोर्चों में सीधी लड़ाई लड़ रहा है। इस बीच सोमवार को लेबनान के आतंकियों ने इजरायल के उत्तरी शहरों पर 165 से अधिक मिसाइलें दागी। हमला इतना भीषण था कि इजरायल की वायु रक्षा प्रणाली शिन बेट और आयरन डोम भी कई मिसाइलों को रोकने में नाकाम रहे। हिजबुल्लाह ने हाइफा शहर में 90 से अधिक मिसाइलें दागी गई। वहीं, गैलिली में लगभग 50 रॉकेट दागे गए। आईडीएफ ने एक बयान में कहा है कि हमलों में एक बच्चे समेत कम से कम 7 लोग घायल हो गए हैं। हमले के बाद सड़क पर कई वाहनों में आग लग गई और रिहायशी इलाकों में कई इमारतें ध्वस्त हो गई। इस हमले का वीडियो भी सामने आया है।

टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह का इजरायली शहरों पर यह हमला ऐसे वक्त में आया है, जब इससे पहले इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने एक बयान में कहा कि लेबनान से साथ युद्धविराम की दिशा में कुछ प्रगति हुई है। उत्तरी शहर बिइना में रॉकेट हमले के बाद छर्रे लगने से 27 वर्षीय एक महिला मामूली रूप से घायल हो गई और 35 वर्षीय एक युवक और एक साल लड़की घायल हो गई।

इजरायल रक्षा बलों के अनुसार, हमले में गैलिली पर लगभग 50 रॉकेट दागे गए, जिनमें से कुछ को हवाई सुरक्षा द्वारा रोक दिया गया, जबकि कई रॉकेट कारमील क्षेत्र और निकटवर्ती कस्बों पर गिरे। वहीं, इजरायल के उत्तरी शहर हाइफा में 90 से अधिक मिसाइलें दागी गई। लेबनान से इजरायली शहरों पर कम से कम 165 मिसाइलें और ड्रोन से अटैक किया गया। मिसाइलें शहरों के भीड़-भाड़ वाले इलाकों में भी गिरी। इससे शहरवासियों में हड़कंप मच गया। क्षेत्र में कई इमारतें ध्वस्त हो गई और वाहनों में आग लग गई।

इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ)ने कहा कि हिजबुल्लाह के रॉकेटों की बौछार को इजरायल की रक्षा प्रणाली "आयरन डोम" द्वारा रोक दिया गया था, लेकिन कुछ रॉकेट हाइफा खाड़ी के आबादी वाले क्षेत्रों में भी गिरे।

इस बीच इराकी सशस्त्र समूहों ने भी सोमवार को दक्षिणी और उत्तरी इजरायल में उसके रणनीतिक लक्ष्यों पर तीन हमला करने का दावा किया है। इराक के इस्लामिक प्रतिरोध बलों ने सोशल नेटवर्क साइटों पर अपने पोस्ट में कहा कि इस्लामिक प्रतिरोध के लड़ाकों ने सोमवार को ड्रोन का उपयोग कर कब्जे वाले क्षेत्रों के दक्षिण में एक रणनीतिक लक्ष्य को निशाना बनाया। बयान के अनुसार, इसी तरह के दो और हमले इजरायल के उत्तर में रणनीतिक लक्ष्य पर किए गए।

एक नजर

चुनाव आयोग ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस से जुड़ी दो शिकायतों का निपटारा कर दिया है। आयोग ने एक तरफ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को नोटिस जारी कर राष्ट्रीय प्रतीक के अपमान पर नोटिस जारी किया है वहीं दूसरी तरफ तृणमूल नेता डेरेक ओब्रायन की शिकायत का निपटान करते हुए तृणमूल प्रतिनिधिमंडल को बैठक के लिए आमंत्रित किया है। ष्ट्रीय प्रतीक और पश्चिम बंगाल पुलिस पर कथित टिप्पणी के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को नोटिस जारी कर आज शाम 8 बजे तक जवाब मांगा है। तृणमूल कांग्रेस ने उनके खिलाफ शिकायत की थी। उधर, तृणमूल नेता डेरेक ओ ब्रायन को पत्र लिखकर आयोग ने कहा है कि पश्चिम बंगाल उपचुनावों पर तृणमूल कांग्रेस की शिकायतें मिलने के 20 घंटे के भीतर चुनाव आयोग ने कार्रवाई की है। किसी भी देरी या निष्क्रियता के तृणमूल कांग्रेस के आरोप को आयोग ने खारिज किया है। ईसी का निर्देश है कि राज्य पुलिस कर्मी हमेशा सीएपीएफ के नेतृत्व वाली टीम का हिस्सा रहेंगे।

प्रियांक खड़गे ने भाजपा पर घोटाले का लगाया आरोप

बेंगलुरु। कर्नाटक के आईटी एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे ने सोमवार को पिछली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर गंभीर आरोप लगाये और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री बी श्रीरामुलु पर कोविड -19 से जुड़ी खरीद में तीन हजार करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया। श्री खड़गे के अनुसार महामारी से निपटने में भाजपा के रवैये की जांच करने के लिए गठित न्यायमूर्ति जॉन माइकल डी. कुन्हा समिति की अंतरिम रिपोर्ट से पता चला है कि अधिकारियों ने अधिक किफायती चिकित्सा आपूर्ति को नजरअंदाज कर दिया, इसके बजाय अधिक कीमत वाले अनुबंधों को चुना। मंत्री ने दावा किया कि श्री येदियुरप्पा और श्रीरामुलु ने लाशों से पैसे कमाए और 2,117.5 प्रति किट की कथित बढ़ी हुई कीमत पर 12 लाख पीपीई किट खरीदने का निर्देश दिया था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' अभियान के बावजूद चीनी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए पिछले प्रशासन की आलोचना की, जिसके लिए कथित तौर पर तत्कालीन गृह मंत्री बसवराज बोम्मई ने निर्देश दिया था। उन्होंने कहा, घोटाले की सीमा का खुलासा करना अभी शुरू ही किया है।

मणिपुर में सुरक्षा कर्मियों के साथ मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए

नयी दिल्ली/इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के जिरीबाम जिले में सोमवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के साथ मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए।

सूत्रों ने बताया कि यह मुठभेड़ शाम करीब 3:00 बजे उसे समय हुई जब हथियारबंद उग्रवादियों ने जिरीबाम जिले के जकुराधोर और बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की चौकी पर पोस्ट पर हमला कर दिया।

सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की और भारी गोलीबारी में 10 सशस्त्र आतंकवादी मारे गए। हमले का सीआरपीएफ और सिविल पुलिस ने जोरदार जवाब दिया। करीब 40 से 45 मिनट की भारी गोलीबारी के बाद स्थिति पर काबू पाया जा सका। गोलीबारी बंद होने के बाद, क्षेत्र की तलाशी ली गई और हथियार तथा गोला-बारूद (तीन एकेराइफल, चार एसएलआर, दो इंसास, एक आरपीजी) के साथ दस सशस्त्र आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। हमले के दौरान सीआरपीएफ के एक कांस्टेबल संजीव कुमार को गोली लग गई और उन्हें सिलचर मेडिकल कॉलेज, असम ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के सिलसिले में आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

जिरीबाम जिले के बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत जकुराधोर और उसके आसपास सशस्त्र आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए अभियान जारी है। असम राइफल्स, सीआरपीएफ और सिविल पुलिस की टीमों को वहां भेजा गया है।

वायनाड को वैश्विक पर्यटन केंद्र बनाएंगे: राहुल गांधी

वायनाड (केरल), एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वायनाड लोकसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के प्रचार के अंतिम दिन, सोमवार को अपनी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ लोगों को संबोधित किया और वायनाड को विश्व के प्रमुख पर्यटन स्थलों की श्रेणी में लाने का वादा किया। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी इस उपचुनाव में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की उम्मीदवार हैं।

राहुल ने यहां सुल्तान बाथरी में असम्पशन जंक्शन से चुंगम जंक्शन तक प्रियंका के साथ रोड शो करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एक चुनौती के रूप में, मैं वायनाड को दुनिया का सबसे अच्छा पर्यटन स्थल बनाने में उनकी (प्रियंका गांधी की) मदद करूंगा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि वायनाड के लोगों ने उन्हें सिखाया कि राजनीति में प्रेम शब्द का बड़ा महत्व है।

उन्होंने कहा, मैंने उस शब्द का प्रयोग नहीं किया, लेकिन वायनाड के लोगों ने मुझे सिखाया कि राजनीति में इस शब्द का बड़ा स्थान है।

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि नफरत और क्रोध से लड़ने के लिए प्रेम और स्नेह ही एकमात्र हथियार हैं।

सुल्तान बाथरी में असम्पशन जंक्शन से चुंगम जंक्शन तक सड़क के दोनों ओर लोगों की भारी भीड़ दिखी।

वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव 13 नवंबर को होगा। हाल के लोकसभा चुनाव में रायबरेली में अपनी जीत के बाद राहुल गांधी ने वायनाड सीट से इस्तीफा दे दिया था, जिसके चलते इस सीट पर उपचुनाव आवश्यक हो गया।

पीयूष गोयल मुंशी प्रेमचंद समर्पण समाज गौरव-2024 अवार्ड से सम्मानित

समर्पण संस्था का 9 वाँ राष्ट्र स्तरीय समर्पण समाज गौरव 2024 अवार्ड समारोह सम्पन्न

- देश भर से चयनित 54 विभूतियों को 'समर्पण समाज गौरव 2024' और 20 युवा प्रतिभाओं को समर्पण युवा जाग्रति 2024 अवॉर्ड से नवाजा

डॉ.सत्यवान सौरभ

जयपुर। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था की ओर से आज त्रिवेणी नगर स्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के न्यु ऑडिटोरियम में आयोजित 9 वें राष्ट्र स्तरीय समर्पण समाज गौरव 2024 अवॉर्ड समारोह में देश भर से चयनित 54 विभूतियों को 15 श्रेणियों में 'समर्पण समाज गौरव 2024' और 20 युवा प्रतिभाओं को 'समर्पण युवा जाग्रति 2024' अवॉर्ड से उनके द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि डॉ.हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री के एल बेरवाल ने कहा कि उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान से दूसरों को प्रेरणा मिलती है। समाज हित में समर्पण के भाव से कार्य करने पर ही जीवन सार्थक बनता है।

श्री बेरवाल ने कहा कि समर्पण का भाव भारतीय संस्कृति के मूल में समाहित है इस भाव को और मजबूत करने का प्रयास समर्पण संस्था कर रही है।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन व समर्पण प्रार्थना के साथ की गई जिसे संस्था के कोषाध्यक्ष श्री राम अवतार नागरवाल व सुश्री सुवज्ञा माल्या ने उच्चारित करवाया।

समर्पण संस्था की एक परिचयात्मक फिल्म (डॉक्यूमेंटरी) प्रदर्शित की गई जिसमें संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई ।

संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने सभी का स्वागत अभिनंदन करते हुए संस्था की विचारधारा को विस्तृत रूप में बताया।

समारोह में 15 श्रेणियों में दिए गए अवॉर्ड में मुख्य रूप समाज सेवा में मदर टेरेसा समर्पण समाज गौरव राजेन्द्र कुमार अग्रवाल को , शिक्षा के लिए 'डॉ. राधाकृष्णन समर्पण समाज गौरव' श्री अनिल खण्डेलवाल को , सामाजिक न्याय के लिए 'डॉ. अम्बेडकर समर्पण समाज गौरव' अलवर की सविता गोस्वामी को, चिकित्सा में 'डॉ. विधान चन्द्र राय समर्पण समाज गौरव रेखा चावला को, साहित्य में' मुन्शी प्रेम चन्द समर्पण समाज गौरव कुसुम शर्मा को , शोध व आविष्कार में डॉ. अब्दुल कलाम समर्पण समाज गौरव डॉ. नरेन्द्र बैरवा को , खेलकूद में 'मेजर ध्यानचंद समर्पण समाज गौरव' सुनील कुमार साहू को , आध्यात्म में 'बाबा हरदेव सिंह समर्पण समाज गौरव' सुनील बाली को, पर्यावरण में सुन्दर लाल बहुगुणा अवार्ड हरियाणा के डॉ. दलजीत सिंह को कला एवं संस्कृति में 'भूपेन हजारिका समर्पण समाज गौरव' शालू सोनी, महिला सशक्तिकरण मे रानी लक्ष्मीबाई समर्पण समाज गौरव जोधपुर की सिद्धि जौहरी को ,पत्रकारिता में कुलदीप नैयर समर्पण समाज गौरव अरूण कुमार को , बिजनेस में धीरूभाई अंबानी समर्पण समाज गौरव रिशिता भार्गव को , योग में महर्षि पतंजलि समर्पण समाज गौरव निशा अतुल्य को और दान में भामाशाह समर्पण समाज गौरव ज्योति कुमार माहेश्वरी को दिया गया ।

समारोह में आईएएस डॉ. ओमप्रकाश बैरवा व सेवानिवत्त आई ए एस डॉ. महेन्द्र सुराणा ने भी अपने विचार व्यक्त किये ।

कार्यक्रम अध्यक्ष सेवानिवत्त कुलपति डॉ. लोकेश शेखावत ने कहा कि भारतीयता की रक्षा आज के समय की बहुत बड़ी चुनौती है । दुनिया को बचाने के लिए इसकी रक्षा बहुत जरूरी है।

इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि पद्मश्री जनाब एस. शाकिर अली (मिनियचर पेंटिंग) , विशेष आमंत्रित अतिथि श्री आर. पी. बैरवा (विशेष आयुक्त राज्य वस्तु एवं सेवा कर विभाग व अध्यक्ष राजस्थान राज्य कर सेवा संघ) , श्री ज्योति कुमार माहेश्वरी (वरिष्ठ समाजसेवी व चेयरमैन ,इस्कॉन मंदिर , जयपुर) , विशिष्ट अतिथि श्री सुभाष आर्य (उप महाप्रबंधक ,राजस्थान राज्य सड़क विकास व निर्माण निगम लिमिटेड फ्रफ्ळ), डॉ. नरेन्द्र कुमार बैरवा (Director,Centre for MoleculÔr Biology Central University of Jsmmu Raya Suchini, Samba, Jsmmu & Kashmir), डॉ. अशोक चौधरी (पूर्व प्रिंसिपल, कन्ट्रोलर, वरिष्ठ प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष मानसिक रोग विभाग , ज.ला.ने. चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज, अजमेर), श्री जी. पी. वर्मा (सेवानिवत्त, अतिरिक्त निदेशक, श्रम एवं रोजगार विभाग), श्री आर. के. अग्रवाल (वरिष्ठ समाजसेवी व मुख्य संरक्षक, परमार्थ एवं आध्यात्मिक समिति), श्री प्रमोद चौरडिया जैन (प्रधान मुख्य संरक्षक, समर्पण संस्था व संस्थापक अध्यक्ष, मानव मिलन संस्थान) उपस्थित रहे ।

डायमन्ड स्पोन्सर विशिष्ट अतिथि श्री मदन लाल वर्मा (प्रोपराइटर, कृष्णा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी), श्रीमती पूर्णिमा पाठक शर्मा ((लेखिका , कवयित्री व समाज सेविका), श्री विजेन्द्र कुमार मीना (Director, Futurewise IT Solutions, Dubai , UAE), श्री कमलेश बैरवा (प्रोपराइटर, निरंकारी कन्स्ट्रक्शन्स) ।गोल्ड स्पोन्सर विशिष्ट अतिथि श्री एम. के. गोयल (निदेशक, वित्त अश्श्ठछ, अजमेर), श्री प्रभु लाल बैरवा (फअ्.र., महाप्रबंधक (वित्त), राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम), श्री पूरन चन्द बैरवा (सेवानिवत्त प्रशासनिक अधिकारी, राज्य बीमा एवं भविष्य निधि विभाग), श्री ओम प्रकाश वर्मा , मूर्तिकार (व्यवसायी,शुभलक्ष्मी मूर्ति आर्ट), श्री रिम्मु खण्डेलवाल (संस्थापक, रिम्मु फाउंडेशन व सचिव, अपना घर आश्रम जामडोली) भी उपस्थित रहे ।

शालीमार बाग विधानसभा पहुंची कांग्रेस की न्याय यात्रा, देवेंद्र यादव ने चुनाव में जीत का किया दवा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में कांग्रेस की तरफ से दिल्ली न्याय यात्रा निकाली गई है। जिसकी शुरूआत राजघाट से की गई थी, जो 70 विधानसभाओं में होते हुए करीब 360 किलोमीटर का सफर तय करेगी। आज यात्रा के चौथे दिन दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने हैदरपुर गांव, शालीमार बाग विधानसभा में यात्रा की शुरू करने से पहले राष्ट्रीय ध्वज फहराया। देवेन्द्र यादव ने कहा कि राजधानी में महंगाई और बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है जिस पर नियंत्रण करने में भाजपा और आम आदमी पार्टी पूरी तरह से विफल साबित हुई है। कांग्रेस न्याय यात्रा में दिल्ली वालों की परेशानियों को जनता के साथ मिलकर, चर्चा करके, उनके समर्थन से खत्म करने के लिए रास्ते बनाए जाएंगे। दिल्ली न्याय यात्रा के दौरान कार्यकर्ता दिल्ली की ललकार, चाहिए कांग्रेस की सरकार के नारे लगा रहे है। दिल्ली के लोग बदलाव चाहते है और 2025 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को नकार कर कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए अग्रसर है। ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान दिल्ली कांग्रेस सेवादल की टीम प्रतिदिन पूरी सक्रियता से कांग्रेस की ऐतिहासिक परम्परा अनुसार नियमों के तहत दिल्ली न्याय यात्रा को सफल बनाने में अहम भूमिका निभा रहे है। आज की यात्रा का समापन माडल टाउन विधानसभा में गुजरांवाला टाउन में हुआ। यात्रा के दौरान रास्तें में पड़ने वाले मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च सभी में प्रार्थना करके

प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव परेशान और प्रताड़ित दिल्ली वालां की खुशहाली, समृद्धि और विकास की कामना भी कर रहे है। यात्रा के दौरान जगह-जगह देवेन्द्र यादव सहित यात्री योद्धाओं को भव्य स्वागत किया जा रहा है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि यात्रा में महिलाएं, युवा बढ़चकर हिस्सा ले रहे है, गांव वाले, झुग्गियों वालों की की समस्याओं पर चर्चा हो रही है। औद्योगिक क्षेत्र की एसोसिएशन भी यात्रा में बढ़चढ़ कर यात्रा का स्वागत कर रही है। लोगों के बढ़चढ़कर दिल्ली न्याय यात्रा में जुड़ने से साबित हो गया है कि यात्रा को निश्चित ही अप्रत्याशित समर्थन मिल रहा है, लोग अपनी समस्याए साझा कर रहे है। उन्होंने कहा कि हमें खुशी भी होती है और दर्द भी होता है। जिस उम्मीद के साथ लोगों ने भाजपा और आम आदमी पार्टी को चुना था वो लोगों की वो उम्मीद पूरी तरह खत्म हो चुकी है। यात्रा के दौरान कूड़े के ढ़ेर भी लगे हुए है, जिस पर चिंता जताते हुए श्री यादव ने कहा कि सरकारें पूरी तरह फेल साबित हुई है। श्री यादव ने कहा कि आज बेरोजगारी बड़ी समस्या है और यूपीए सरकार में रहे मंत्री श्री अजय माकन ने जो वेंडिंग पालिसी बनाई थी ताकि दिल्ली के 5 लाख से अधिक रेहड़ी पटरी वालों की अजीविका सुचारु रुप से चल सके और उन्हें निगम, पुलिस और प्रशासन तंग न कर सके। परंतु पिछले 11 वर्षों में वेडिंग पालिसी पर कोई काम न करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री 3 दिन पहले यहां आकर कहा कि सरकार ने वेंडिग पालिसी जारी कर दी है। मैं पूछना चाहता हूँ केजरीवाल कब तक जनता के बीच झूठ बोलेंगे। उन्होंने कहा कि वेंडिग पालिसी लागू होने के बाद लोगों को रोजगार मिलेगा, युवा शराब की ओर नही जाऐंगे। महंगाई पर भी नियंत्रण किया जा सकेगा। दिल्ली में महंगाई सबसे ज्यादा है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी को शासन चलना नही आता है या फिर इन्हें दिल्ली की जनता की चिंता नही है। लगातार बढ़ते भ्रष्टाचार के कारण दिल्ली चौतरफा बदहाल हो गई है। प्रदूषण इतना गंभीर स्तर पर पहुच गया है कि लोगों को सांस लेने तक में परेशानी झेलनी पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि रेहड़ी पटरी, खोमचा, मोची, नाई, सब्जीवाला, रिक्शा वाला सभी परेशान है इनको रोज डंडे पड़ते है, रोजगार चलाने पर प्रताड़ित किया जा रहा है। बुजुर्गो को पेंशन नही मिल रही है, गरीब का राशन कार्ड नही बन रहा है। बिजली महंगी, गंदा पानी से जनता परेशान है। लोगों को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है।

न्याय यात्रा को मिल रहा है जनता का पूरा समर्थन : देवेन्द्र यादव

घरों से निकल लोग बता रहे हैं अपनी समस्याएं

नई दिल्ली, एजेंसी। चौथे दिन दिल्ली न्याय यात्रा शालीमार बाग विधानसभा के हैदरपुर गांव, से शुरू होते हुए शालीमार बाग गांव, संजय नगर, महेन्द्र पार्क चौक आदर्श नगर, मैन रोड़ जहांगीर पुरी, झील वाला पार्क, मैन रोड़ बादली, भलस्वा गांव, जे ब्लाक रोड़, मंगल बाजार चौक, बीसी ब्लाक मार्केट, के ब्लाक लोहे वाला गेट, के ब्लाक गैस एजेंसी भलस्वा चौक, के ब्लाक आईटीआई झुग्गी, सी ब्लाक सब्जी मंडी, कुशल सिनेमा जहांगीर पुरी, सी ब्लाक आदर्श नगर, कुशल सिनेमा, मंगल बाजार चौक, शाह आलम बांध रोड़, जी टी रोड़, राज बाबू रोड़, नेहरु रोड़, मैन बाजार आर्य समाज रोड़, लेबर चौक, केवल पार्क आदर्श नगर, लाल बाग मस्जिद मॉडल टाउन, विजय सिनेमा स्टेडियम रोड़, पेंटामेंट अस्पताल होते हुए गुजरांवाला टाउन पर न्याय यात्रा का समापन हुआ। कांग्रेस योद्धाओं ने दिल्ली न्याय यात्रा की लगभग 25 किलोमीटर की दूरी आज शालीमार बाग विधानसभा, आदर्श नगर विधानसभा, बादली विधानसभा और मॉडल टाउन विधानसभा में तय की। देवेन्द्र यादव ने कहा कि यात्रा में महिलाएं, युवा बढ़चकर हिस्सा ले रहे है, गांव वाले, झुग्गियों वालों की की समस्याओं पर चर्चा हो रही है।

औद्योगिक क्षेत्र की एसोसिएशन भी यात्रा में बढ़चढ़ कर यात्रा का स्वागत कर रही है। लोगों के बढ़चढ़कर दिल्ली न्याय यात्रा में जुड़ने से साबित हो गया है कि यात्रा को निश्चित ही अप्रत्याशित समर्थन मिल रहा है, लोग अपनी समस्याए साझा कर रहे है। उन्होंने कहा कि हमें खुशी भी होती है और दर्द भी होता है। जिस उम्मीद के साथ लोगों ने भाजपा और आम आदमी पार्टी को चुना था वो लोगों की वो उम्मीद पूरी तरह खत्म हो चुकी है। यात्रा के दौरान कूड़े के ढ़ेर भी लगे हुए है, जिस पर चिंता जताते हुए श्री यादव ने कहा कि सरकारें पूरी तरह फेल साबित हुई है।

द्वारका में सब्जी विक्रेता की हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका जिले के द्वारका नॉर्थ इलाके में एक सब्जी विक्रेता की हत्या के मामले में पुलिस ने प्रशांत और अमन सिद्दीकी नामक दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 9 अक्टूबर को की गई। इनके पास से पिस्तौल और जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह ने सोमवार को बताया कि 23 अक्टूबर को द्वारका नॉर्थ इलाके में सब्जी विक्रेता को गोली मारी गई थी। हालांकि अस्पताल में उपचार के दौरान सब्जी विक्रेता की मौत हो गई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद संबंधित धारा में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। एंटी नारकोटिक्स सेल के इंचार्ज इंस्पेक्टर सुभाष की टीम को भी जांच में लगाया गया। सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के बाद पुलिस टीम ने आरोपितों की पहचान की। पुलिस टीम ने एक आरोपित प्रशांत को हथियार के साथ रामा पार्क, मोहन गार्डन से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित से पूछताछ के बाद पुलिस ने अमन सिद्दीकी को गिरफ्तार किया। आरोपित अमन ने पूछताछ के दौरान बताया कि विक्रेताओं से पैसे ऐंठना चाहता था और इलाके में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए उसने आरोपित प्रशांत को सब्जी विक्रेता को गोली मारने के लिए राजी किया।

दिल्ली में फिर फायरिंग की वारदात

भलस्वा डेयरी में दो लोगों पर चलीं गोलियां, एक की हालत गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी उत्तरी दिल्ली के भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र में रविवार रात फायरिंग की घटना सामने आई है। गोलीबारी में दो लोग घायल हुए हैं, जिसमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों के नाम अरविंद और गोलू हैं। अरविंद के दो गोलियां लगी हैं एक छाती पर और एक जांघ पर जबकि गोलू को गोली हाथ से छूकर निकल गई। घटना भलस्वा डेरी थाना इलाके के मुकुंदपुर ऊ ब्लॉक गली नंबर 20 की बताई जा रही है। भलस्वा डेयरी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पांच में से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और एक अन्य आरोपी की आरोपी की तलाश जारी है। रविवार को रात साढ़े 11बजे के करीब फायरिंग : बीती रात करीब 11:30 के बीच अरविंद पास की दुकान से अपने घर के लिए सामान लेने गया था। तभी वहां दुकान के पास खड़े कुछ लड़कों से उसकी किसी बात पर कहासुनी हो गई। दूसरी तरफ मौजूद पांच लड़कों में से एक लड़के ने गोली चलानी शुरू कर दी। अरविंद और उसके साथी को घायल कर बदमाश वहां से से फरार हो गए। कुछ लोगों ने अरविंद की पत्नी को जाकर सूचना दी कि अरविंद घर के बाहर गली में खून से लथपथ पड़े हुए हैं। अरविंद की पत्नी मौके पर पहुंचीं। अरविंद ने घायल हालत में पांच आरोपियों में से तीन के नाम बताए। अरविंद की पत्नी लोगों की मदद से बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले गईं, जहां से भलस्वा डेयरी थाना पुलिस को मामले की सूचना मिली। पीड़ित के परिवार की मानें तो अरविंद अभी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती हैं और उसके छाती पर लगी गोली अभी तक निकाली नहीं जा सकी है, वहीं उसके साथी गोलू को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। फायरिंग की वजह अब तक साफ नहीं : घायल अरविंद का परिवार ने मीडिया को बताया कि वह लंच बॉक्स सप्लाई का काम करते हैं, और अरविंद भी उनके काम में हाथ बंटाता है। अरविंद के डेढ़ साल की बेटी है वह उसी के लिए डायपर्स लेने के लिए रात को घर से बाहर निकाला था। पीड़ित परिवार ने बताया कि गोली मारने वाले शख्स का नाम गेला, मनीष और नवीन बताया जा रहा है, जो कि मुकुंदपुर के ही रहने वाले हैं। वहीं, चौथे आरोपी का राजा है।

फायरिंग के बाद फरार 4 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार : घटना में अभी तक 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनकी अरविंद से क्या रंजिश थी या किस बात को लेकर गोली मारी गई, इस बारे में परिवार को कोई जानकारी नहीं है लेकिन जिस तरह से इस गोली कांड को अंजाम दिया गया और घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

उपचार के दौरान मौत के बाद परिजनों ने हंगामा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरु तेग बहादुर अस्पताल में रविवार को इलाज के दौरान एक शख्स की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मौत का जिम्मेदार ठहराया।

इसके अलावा अस्पताल में परिजनों और पुलिस के बीच विवाद की बात भी सामने आ रही है। हालांकि, पुलिस ने इससे इनकार किया है। पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि गत छह नवंबर को सीमापुरी थाने में ताहिरपुर लाल बत्ती के पास एक शख्स के नशे की हालत में पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस को वहां अजीम नामक शख्स मिला। इसकी कलाई पर इसके नाम का टैटू बना हुआ था। पुलिस ने तत्काल उसे जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। नौ नवंबर को अजीम के परिजनों के बारे में पुलिस ने पता लगा लिया और उन्हें सूचना दी। परिजनों ने पुलिस को बताया कि अजीम उनके साथ सुंदर नगरी में रहता था। उसने गत चार नवंबर को घर छोड़ दिया था। तबसे परिजनों को उसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इस कारण गुमशुदगी रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई। परिजनों ने बताया कि उसे शराब पीने की बुरी आदत है और हाल ही में उसे नशा मुक्ति केंद्र में भी भर्ती कराया गया था। इसी बीच 10 नवंबर को जीटीबी अस्पताल के चिकित्सकों ने अजीम को मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजन जीटीबी अस्पताल में एकत्रित हुए और हंगामा करने लगे।

बस मार्शलों की वापसी से महिलाओं को एक बार फिर मिलेगा सुरक्षित माहौल : आतिशी

-सिविल डिफेंस वालंटियर्स को बतौर बस मार्शल किया गया था तैनात

-डीटीसी बसों में पहले सफर करना कितना था चुनौतीपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बस मार्शलों की नियुक्ति के मुद्दे पर सोमवार को मुख्यमंत्री आतिशी व सौरभ भारद्वाज ने भाजपा पर निशाना साधा। इस दौरान मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि महिलाएं जानती हैं कि डीटीसी बसों में पहले सफर करना कितना चुनौतीपूर्ण था। सुरक्षा की इस आवश्यकता को देखते हुए दिल्ली सरकार ने बसों में सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को बतौर बस मार्शल तैनात किया था। इन बस मार्शल की उपस्थिति से न केवल महिलाएं सुरक्षित महसूस कर रही थी, बल्कि बसों में असामाजिक तत्वों पर भी लगाम लगी थी। उन्होंने कहा कि 2023 से इस योजना में रुकावटें आने लगीं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अधिकारियों के माध्यम से बार-बार इस योजना में अड़चनें डालनी शुरू कीं। अप्रैल 2023 से बस मार्शलों की सैलरी रोक दी गई, जिससे उनके लिए आर्थिक कठिनाइयां पैदा हो गईं। इसके बाद, अक्टूबर 2023 में उन्हें नौकरी से हटा दिया गया। इन हालातों में सिविल डिफेंस वॉलंटियर को काफी संघर्ष करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। आम आदमी पार्टी ने उनके समर्थन में आवाज उठाई और उनका साथ दिया। आएगा सकारात्मक बदलावः मुख्यमंत्री आतिशी ने आगे कहा कि लंबे संघर्ष के बाद, आखिरकार केंद्र सरकार को झुकना पड़ा और बस मार्शल योजना को पुनः शुरू करने का निर्णय लिया गया। दिल्ली सरकार ने अब इन बस मार्शलों को प्रदूषण के खिलाफ चल रहे अभियान में भी जोड़ा है।

छंद विधान विशेष पर लिखी हुई पुस्तक हिंदी छंद मंजूषा का हुआ लोकार्पण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन के द्वारा छंद के विद्वान आचार्य अनमोल की पुस्तक का लोकार्पण हिंदी भवन नई दिल्ली में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार इंदिरा मोहन ने की। कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि के रूप में वैश्विक हिंदी परिवार के अध्यक्ष एवं हिंदी भाषा के मर्मज्ञ अनिल जोशी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के साहित्य विभाग के प्रोफेसर बी नंदा उपस्थित रहे। इसी अवसर पर अमेरिका से पधारे हुए प्रसिद्ध छंद कवि एवं साहित्य मंच के अध्यक्ष इंद्रदेव मिश्र 'देव' उपस्थित रहे। सम्मानित अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय कवि गजेंद्र सोलंकी का सामीप्य मिला तथा कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो० जगदेव कुमार शर्मा उपस्थित रहे। इसी अवसर पर हिंदी भवन के सचिव डॉ गोविंद व्यास भी मंच पर उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है छंद शास्त्र के विद्वान आचार्य अनमोल द्वारा लिखित छंद विधान की पुस्तक हिंदी छंद मंजूषा वर्तमान समय में छंद शास्त्र सीखने के लिए तथा छंद प्रेमियों को मार्गदर्शन देने के लिए बहुत ही प्रासंगिक है।

तिहाड़ में यासीन मलिक की भूख हड़ताल खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। तिहाड़ जेल अधिकारियों ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि अलगाववादी नेता और सजायाफ्ता यासीन मलिक ने आठ नवंबर को अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी है। उन्हें आवश्यक चिकित्सा दी जा रही है। दरअसल, मलिक ने अपने कथित बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण एम्स में भर्ती होने की मांग की है। इसपर केंद्र सरकार ने जवाब दाखिल करने से पहले जेल अधिकारियों द्वारा चिकित्सा स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा करने के लिए अतिरिक्त समय का अनुरोध उच्च न्यायालय से किया। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद इस मामले में अगली सुनवाई 18 नवंबर के लिए निर्धारित की है। इस बीच पीठ ने जेल अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मलिक को जेल नियमावली के अनुसार उचित चिकित्सा मिले। पेश मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने बीते शुक्रवार को यासीन मलिक द्वारा दायर याचिका पर केन्द्र सरकार, तिहाड़ जेल के महानिदेशक और अन्य संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किया था।

एक नजर

मोबाइल चोरी कर भाग रहे युवक को पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। चाणक्यपुरी इलाके में बस से मोबाइल चोरी कर भाग रहे युवक को ट्रैफिक पुलिस के दो सिपाहियों ने पकड़ लिया। सिपाही राजकुमार और मीना ने आरोपी के पास से चोरी का मोबाइल बरामद कर लिया है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह चाणक्यपुरी इलाके में सिपाही राजकुमार और मीना नेहरा यातायात व्यवस्था संभाल रहे थे। इसी दौरान उन्होंने आरोपी को भागते हुए देखा। इसके बाद उसका पीछा कर उसे दबोच लिया।

पूर्व सांसद जे पी अग्रवाल को 81वा जन्मदिन पर बधाई दी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के तमाम कांग्रेस जनों ने पूर्व सांसद और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के भूतपूर्व अध्यक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री जयप्रकाश अग्रवाल का 81वा जन्मदिन उनके निवास स्थान पर बधाई और फूल मिष्ठान वितरण कर बड़ी धूमधाम से बनाया। इस मौके पर विभिन्न जगह से आए कांग्रेस जनों ने श्री जे पी अग्रवाल से उनके जन्मदिन का केक भी कटवाया और वितरित किया। इस मौके पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी लीगल ह्यूमन राइट्स विभाग में महासचिव एडवोकेट हरीश गोला, चांदनी चौक ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज गुप्ता, जिला चांदनी चौक सेवादल अध्यक्ष मोहम्मद हामिद, जिला मीडिया कॉर्डिनेटर राम नरेश मुद्गल, दिल्ली प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ कांग्रेस के अध्यक्ष अजय जैन लालू, व्यापार प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष गौरव जैन, सहित सैंकड़ों कांग्रेसजनों ने कांग्रेस नेता जय प्रकाश अग्रवाल को जन्मदिन की ढ़ेरों शुभकामनाएं दीं।

बदमाशों ने लाखों की नगदी पर हाथ साफ की

नई दिल्ली, एजेंसी। लाजपत नगर इलाके में आठ नवंबर को बदमाशों ने एक घर से लाखों की नगदी और ज्वैलरी चोरी कर ली। वारदात के समय महिला डॉक्टर के पास दवाई लेने के लिए गई थी। घर वापस लौटने पर उन्हें चोरी की जानकारी हुई। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। लाजपत नगर थाना पुलिस ने महिला के पति नवीन के बयान पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले में सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

तस्करी के मामले में 18 लोग गिरफ्तार, हथियार और कार बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हथियार तस्करी के मामले में 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान मुल्ला कॉलोनी निवासी अरशद (22), मोहम्मद सुलेमान, अनुज उर्फमोनी, अर्जुन, आसिफ, सलमान अहमद, अजय, शिवम, रोहित बैसला, गौरव, अभय यादव, अंकित, हरेंद्र, चेतन शर्मा और मदन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के पास से चार सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, आठ देसी कट्टे, एक देसी राइफल, 03 चाकू, 33 जिंदा कारतूस और एक चोरी की कार बरामद की है।

गिरफ्तार किए गए आरोपित पहले से हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, लूट, जबरन वसूली, सेंधमारी, दंगा, चोरी, शस्त्र अधिनियम और गैंगस्टर अधिनियम (यूपी) के 50 से अधिक मामलों में शामिल रहे हैं। पुलिस के मुताबिक सभी आरोपितों को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया है।

सात साल के बच्चे को परिवार से मिलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। चर्च मिशन चौकी पुलिस ने रविवार को सात साल के बच्चे को परिवार से मिलाया। डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि रविवार को डीटीसी स्टाफ ने सात साल के बच्चे को पुलिस को सौंपा। चर्च मिशन चौकी प्रभारी एसआई हरीश यादव की टीम ने बच्चे के परिजनों की तलाश शुरू की। बच्चे ने पुलिस को मधुबनी जिले के स्कूल का नाम बताया जहां वह पढ़ता था। फिर पुलिस ने गूगल से नंबर लेकर स्कूल के प्रिसिंपल से बात की। इसके बाद पुलिस ने झज्जर में रहने वाले बच्चे के माता-पिता से संपर्क साधा। माता-पिता ने बताया कि बच्चे को वह कुछ समय पहले ही गांव से झज्जर लेकर आए थे, लेकिन बच्चे को यहां अच्छा नहीं लगता था और अक्सर घूमता रहता था। इसी क्रम में बच्चा रविवार को घूमने निकला और बस में सवार होकर दिल्ली आ गया।

अस्पताल में भर्ती बेटों को देखने जा रहे शख्स से लूटपाट

नई दिल्ली, एजेंसी। समयपुर बादली इलाके में बदमाशों ने शनिवार रात को एक शख्स का गला दबाकर 15 हजार रुपये और फोन लूट लिए। पीड़ित वारदात के वक्त अस्पताल में भर्ती बच्चों को देखने जा रहा था। फिलहाल पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है। दाताराम के दोनों बच्चे निमोनिया से पीड़ित हैं और उन्हें ग्लोबल अस्पताल में भर्ती कराया है। पीड़ित ने बताया कि अस्पताल में इलाज के लिए रुपये जमा करने थे। उधार लेकर वह अस्पताल जा रहा था। इसी दौरान बदमाशों ने लूट लिया।

गौ रक्षा को लेकर आयोग बने : यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। समाज सेवी आर एन यादव ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में गौ रक्षा की मांग को लेकर केन्द्र सरकार से अपील की है कि अब समय आ गया है कि देश में गौ रक्षा को लेकर आयोग बनाया जाये। उन्होंने कहा कि देश में गौ रक्षा पालन को बढ़ावा मिलना चाहिए। ताकि गौ माता की रक्षा के साथ साथ भारतीय सँस्कृति की रक्षा हो सके। आर.एन यादव ने कहा कि जागरुकता के अभाव में देश में लोग पालन तो करते हैं। लेकिन चारा-भूसा न खिलाने पड़े इसलिये आवारा छोड़ देते हैं। जिससे वे सडक की पॉलिथीन खाकर बीमार हो रही है। उन्होंने देशवासियों से अपील की है कि वे ज्यादा से ज्यादा गौ पालन करे। आर एन यादव ने देश के सभी जन प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे गौ रक्षा को लेकर आगे आये और गौ पालन को बढ़ावा देने के लिये अभियान चलाए। जिससे देश के गांव गांव और शहर शहर में गौ पालन को बढ़ावा मिल सके।

तीस हजारी कोर्ट में सहायता फाउंडेशन ने आयोजित की विचार संगोष्ठी

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी मध्य दिल्ली स्थित ज़िला कोर्ट तीसहजारी परिसर स्थित लाल चंद्र वत्स हॉल प्रांगण में गैर राजनीतिक संगठन विधिक संगठन, सहायता फाउंडेशन द्वारा विधिक सम्मेलन 2024 आयोजित किया गया जिसमें दिल्ली बार एसोसिएशन सहित कई गणमान्य अधिवक्ताओं ने शामिल होकर अपनी उचित भूमिका निभाई। सहायता फाउंडेशन अध्यक्षा अधिवक्ता प्रिया ठाकुर ने बताया कि यह संस्था जिसका नाम ही सहायता है, हम हर क्षेत्र में कानूनी सहायता कोर्ट संबंधी कार्य करवाने में एक पुल का कार्य करेंगे जिससे जनता को, लोगो को सहायता, सहूलियत मिल सके, कोर्ट के चक्कर ना लगाने पड़े, साथ ही अन्य अधिवक्ताओं ने अपने अपने विचार प्रस्तुत किए। अधिवक्ता सम्मान समारोह एवं विधिक सहायता फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गणमान्य अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया आदि के नाम दिल्ली बार एसोसिएशन पूर्व अध्यक्ष आर. एन वत्स, अधिवक्ता डी. डी शर्मा, अधिवक्ता आर.पी. शर्मा, अधिवक्ता आर. के शर्मा, अधिवक्ता महेश कतियाल, बी.एस तिवारी, सुनील पांडेय, एम.एल. वशिष्ठ सहित सहायता फाउंडेशन अध्यक्षा अधिवक्ता प्रिया ठाकुर एवं अन्य टीम मेम्बर साथ ही अधिवक्ता एवं संगीत कार राजीव रंजन, अधिवक्ता एवं सिंगर सुशील शर्मा आदि शामिल हुए जिन्होंने अपनी अहम भूमिका निभाई साथ ही साथ अधिवक्ता गीतकारों द्वारा सांस्कृतिक गीतों को भी प्रस्तुत किया गया साथ ही ट्रॉफी, बुके पुष्प व मोमेंटो देकर, भेंटकर अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया।

भारत शिक्षा एक्सपो 2024: भारत के शैक्षिक पुनर्जागरण की दिशा में बड़ा कदम

द न्यूज 15 ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। "भारत शिक्षा एक्सपो शिक्षा क्षेत्र का एक भव्य संगम है और छात्रों, विद्वानों और शिक्षा पेशेवरों के लिए एक तीर्थस्थल से कम नहीं है," ऐसा उत्तर प्रदेश के माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय ने भारत शिक्षा एक्सपो 2024 के पहले संस्करण का उद्घाटन करते हुए कहा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार श्री धीरेंद्र पाल सिंह, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अतिरिक्त सीईओ श्रीमती प्रेरणा सिंह, उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव श्री सिपु गिरी, नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के परियोजना निदेशक श्री रोहित गुप्ता, भारत शिक्षा एक्सपो के अध्यक्ष, श्री हरिवंश चतुर्वेदी और इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के चेयरमैन, डॉ राकेश कुमार भी उपस्थित थे। इस आयोजन ने भारत को "विश्वगुरु" के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रखा है। उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग और ग्रेटर नोएडा

औद्योगिक विकास प्राधिकरण (ॠछक्ळअ) द्वारा समर्थित, यह तीन दिवसीय आयोजन (11-13 नवम्बर) भारत में शिक्षा क्षेत्र के भविष्य के बारे में जानने के लिए एक सशक्त मंच है। माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय ने अपने मुख्य भाषण में उल्लेख किया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश, विशेष रूप से ग्रेटर नोएडा, आधुनिक शिक्षा का केंद्र बन गया है जैसे प्राचीन काल में नालंदा और तक्षशिला थे, जहाँ दुनिया भर के छात्र ज्ञान प्राप्त करने आते थे। भारत शिक्षा एक्सपो 2024 इंडिया एक्सपो सेंटर और मार्ट द्वारा आयोजित किया गया है और यह नई शिक्षा नीति (ठएढ) के मूल सिद्धांतों को प्रदर्शित करने की एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा, यह ठएढ की समग्र और बहु-विषयी शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। माननीय उच्च शिक्षा मंत्री ने भारत शिक्षा एक्सपो 2024 के उद्घाटन कार्यक्रम में उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति 2024 का भी शुभारंभ किया और कहा कि यह नीति उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता, नवाचार, और समावेशन के नए युग का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए निवेश आवश्यक है और उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति 2024 में निवेशकों के लिए लाभकारी प्रावधानों के साथ एक सहयोगी परिवेश बनाने के लिए बड़े कदम उठाए गए हैं। भारत शिक्षा एक्सपो 2024 में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के चांसलर, उपकुलपति, संस्थानों के प्रमुख, प्रतिष्ठित शिक्षाविद, शिक्षाशास्त्री और उद्योग के दिग्गज एकत्रित हो रहे हैं।

इनमें गलगोटिया यूनिवर्सिटी, शारदा यूनिवर्सिटी, जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, जीएलए यूनिवर्सिटी, एसआरएम यूनिवर्सिटी, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ का श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय और उत्तराखंड का माइंड पावर यूनिवर्सिटी शामिल हैं। इसके अलावा कनाडा का नॉर्थ आइलैंड कॉलेज भी अंतरराष्ट्रीय भागीदार के रूप में सम्मिलित हुआ है।

सेक्टर 20 पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र के साथ 1 आरोपी गिरफ्तार

द न्यूज 15 ब्यूरो

नोएडा। थाना सेक्टर 20 नोएडा पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र के साथ 1 आरोपी को गिरफ्तार किया है जिसके पास से 1 तमंचा 315 मय 1 जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया है। बता दे कि रविवार रात को थाना सेक्टर 20 नोएडा, गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा अभियुक्त रुपद उर्फ सुबुल पुत्र शिवकुमार को सेक्टर 26 के पार्क के गेट के पास से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से 1 तमंचा .315 बोर मय 01 जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया है। जिसके आधार पर थाना सेक्टर 20 नोएडा पर मु0अ0सं0 385/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया है।

मीडया बाइट, नोएडा मेट्रो संयुक्त कर्मचारी संघ

द न्यूज 15 ब्यूरो

नोएडा। नोएडा मेट्रो संचालन की शुरूआत से ही हमारे कर्मचारी सेवाओं और संचालन को बेहतर बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। किसी भी संगठन में कर्मचारियों की एकमात्र उम्मीद होती है कि प्रबंधन उनके कल्याण के लिए मजबूत और सक्रिय रवैया अपनाए। इस संदर्भ में, कर्मचारियों ने एचआर विभाग से बार-बार स्पष्ट नीतियों को स्थापित करने का आग्रह किया ताकि करियर में विकास, निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। 6 वर्षों के इंतजार के बाद, 21 मई 2024 को पहली "ठटफ्छ अवशोषण सह पदोन्नति नीति" पेश की गई। दुर्भाग्यवश, इस नीति में कई खामियां हैं, जिसके कारण कई मेहनती कर्मचारियों को शैक्षणिक और वित्तीय नुकसान हुआ है। यह संघ प्रबंधन की नीतियों और कार्यों के खिलाफ एक मौन विरोध में शामिल है। 16 जुलाई 2024 से शुरू हुआ यह विरोध उन कर्मचारियों की असंतोष का प्रतिबिंब है जो न्याय और निष्पक्षता की मांग कर रहे हैं। हालांकि उच्च अधिकारी कर्मचारियों को उनके शिकायतों का समाधान करने का आश्वासन दे चुके हैं और 8 अगस्त 2024 को पदोन्नति नीति की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन भी किया गया था, लेकिन एचआर विभाग ने अभी तक वादा किए गए समीक्षा के लिए कोई समय सीमा नहीं दी है, जिससे कर्मचारी लंबे समय तक अनिश्चितता में हैं। हमारी चिंताओं को और बढ़ाने के लिए, हाल ही में नोएडा मेट्रो की आईटी प्रणाली में सुरक्षा उल्लंघन हुआ है। नोएडा मेट्रो के 10वें स्थापना दिवस के एक दिन बाद, 5 नवंबर को, संगठन की वेबसाइट हैक कर दी गई थी। रिपोर्टों के अनुसार, डार्क वेब उपयोगकताओं द्वारा कर्मचारियों के व्यक्तिगत और महत्वपूर्ण डेटा को लीक कर दिया गया, जिससे गोपनीयता और सुरक्षा के गंभीर खतरे उत्पन्न हो गए हैं। हालांकि, ठटफ्छ ने इस हैक को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। नोएडा मेट्रो संयुक्त कर्मचारी संघ प्राधिकरण से आग्रह करता है कि इन मुद्दों को गंभीरता से लें, समीक्षा प्रक्रिया को तेज करें और कर्मचारियों की मांगों पर उचित और न्यायोचित निर्णय दें, साथ ही डेटा सुरक्षा उपायों के संबंध में पारदर्शिता भी प्रदान करें।

राष्ट्रीय योग शिक्षक महासंघ द्वारा "जंतर मंतर" पर मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय योग शिक्षक महासंघ द्वारा नई दिल्ली "जंतर मंतर" पर देश के सभी राज्यों से आए योग शिक्षकों के साथ योग में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। जिसमें देश और प्रदेश के योग शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सभी प्रदेश सरकारों द्वारा उनकी योग में विभिन्न मांगों को न मानने पर बहुत बड़ा आक्रोश जताया और केंद्र सरकार से देश में योग में विभिन्न विभागों में स्थाई रोजगार की मांग की है।

राष्ट्रीय योग शिक्षक महासंघ की देश के सभी योग शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय स्तरीय प्रमुख मांगे निम्न हैं-

1- देश में प्राथमिक विद्यालयों से लेकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों तक योग को मुख्य विषय के रूप में सम्मिलित कर योग शिक्षकों के नए पदों का सृजन किया जाए और योग शिक्षकों की नियुक्ति की जाए।

2- राष्ट्रीय आयुष मिशन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत हेल्थ एवं वेलनेस केन्द्रों में या आरोग्य मंदिरों में सेवाएं दे रहे सभी योग शिक्षक-प्रशिक्षकों के मानदेय में वृद्धि करते हुए पदों का स्थाईकरण किया जाए।

3- स्कूलों और महाविद्यालयों में योग शिक्षको की नियुक्ति की जाए।

4 - सभी सरकारी एवं गैर सरकारी अस्पतालों में योग थेरेपिस्ट के पदों का सृजन किया जाए।

5- सभी डिफेंस सेक्टर में योग थेरेपिस्ट और योग शिक्षकों के पदों का सृजन किया जाए।

6 - देश में स्वतंत्र योग आयोग का गठन किया जाए।

7 - योग में नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा 42 वर्ष के स्थान पर 45 वर्ष की जाए।

इस राष्ट्रीय योग आंदोलन के मुख्य सूत्रधार राष्ट्रीय योग शिक्षक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार मंगलम सेमवाल, योगाचार्य शिव शंकर नौटियाल, योगाचार्य अमित नेगी, योगाचार्य ललित मोहन डंगवाल, योगाचार्य अर्जुन पवार, नीरज डिमरी, ओमप्रकाश कालवा, मनोज कुमार सैनी, राकेश तुनवाल, एस. एन. यादव, सुदर्शन शर्मा, मुरलीधर वर्मा, मल्लिका कानन, चारु नेगी, वैशाली श्रवण, विभाकर उपाध्याय एवं विभिन्न राज्यों से आए हुए सभी योग वीर-वीरांगनाओं ने धरना दिया।

सभी योग शिक्षकों का कहना है कि अगर सरकार हमारी मांगों को पूरा नहीं करेगी तो हम आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 से पूर्व इस राष्ट्रीय योग आंदोलन को और विराट रूप देंगे।

महिला पतंजलि योग समिति ने मनाया दिवाली मिलन समारोह

द न्यूज 15 ब्यूरो

नोएडा। योग गुरु स्वामी रामदेव की प्रेरणा से महिला पतंजलि योग समिति नोएडा द्वारा सैक्टर 34 के सामुदायिक केंद्र में दीपावली उत्सव समारोह का आयोजन मनाया गया है। पांच दिवसीय पवित्र दीपावली सेलिब्रेशन का उद्देश्य, क्यों और सात्विकता से कैसे हो एवं योग, स्वास्थ्य चिकित्सा रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनीता कौशिक महिला पतंजलि दिल्ली राज्य कार्यकारिणी, संपादक ललित मिश्र, आरडब्ल्यूए सेक्टर 34 के अध्यक्ष केके जैन, मुख्य सचिव धर्मेंद्र शर्मा, बीएसपी प्रभारी डीएस सरोहा, वरिष्ठ आचार्या राजबाला शर्मा, आचार्या शिप्रा राम उपस्थित रहीं। सभी वक्ताओं के विचारों से दिवाली मिलन समारोह में उपस्थित सभी योग महिलाएं लाभान्वित हुई। योग समिति नोएडा तथा अन्य समाज से आए सदस्यों का जिला प्रभारी अलका चौहान ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हम इस प्रकार के आयोजन समाज को जागृत करने के लिए करेंगे।

रास्ते से बाइक हटाने के लिए कहने पर दंपति को पीटा

नोएडा, एजेंसी। सदरपुर में रास्ते में अव्यवस्थित तरीके से खड़ी बाइक को हटाने के लिए कहने पर छह लोगों ने दंपति के साथ मारपीट कर दी। आरोपियों ने छुरी से वार कर पति को घायल किया और पत्नी के साथ बदसलूकी भी की।

सेक्टर-39 पुलिस ने सभी नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सदरपुर निवासी वेद प्रकाश ने बताया कि बीते दिनों शाम को वह ड्यूटी समाप्त कर अपने घर जा रहे थे। पड़ोसी राकेश की बाइक रास्ते में अव्यवस्थित तरीके से खड़ी थी। वेद प्रकाश ने जब राकेश से बाइक रास्ते से हटाने के लिए कहा तो वह गाली गलौज करने लगा। इसका विरोध करने पर वेद प्रकाश ने अपने घर से सात से आठ सदस्यों को बुला लिया। सभी ने मिलकर उनको पीटना शुरू कर दिया। पति को बचाने के लिए पत्नी पहुंची तो राकेश, फकीर चंद, विजेंद्र, मनु, हर्ष और सुमित ने उसके साथ भी मारपीट की।

एमउएम बिल्डर के प्रोजेक्ट में निवेश करने बचे

बिल्डर के खिलाफ कोर्ट जाने की तैयारी में खरीदार

गुरुग्राम, एजेंसी। एम3एम सोलीटुड और एम3एम स्मार्टवर्ल्ड जेमस के 300 खरीदार तीन साल से दर दर की ठोकर खा रहे हैं। मध्यम वर्ग के गुरुग्राम के लोगों ने 2021 में एम3एम के दो प्रोजेक्ट एम3एम सोलीटुड और एम3एम स्मार्टवर्ल्ड जेमस में बुकिंग राशि 10% जमा किया और बाकी 90% बाद में देना था। 3 साल एम3एम के अधिकारियों से फॉलोअप के बाद भी घर नहीं मिला। जब बिल्डिंग तैयार हो कर खड़ी हो गई और बाजार मूल्य बढ़ गया तो अचानक एम3एम कंपनी ने सभी को कैंसिलेशन लेटर भेज दिया है। वही दोनों प्रोजेक्ट के 300 से ज्यादा खरीदार बिल्डर के खिलाफ कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे है। ताकि उनको अपना आशियाना मिल सके। वहीं परेशान खरीदार बिल्डर के प्रोजेक्ट में लोगों को निवेश नहीं करने तक की सलाह भी दे रहे है। मुख्यमंत्री नायब सैनी से निवेदन है कि 300 परिवार की जमा पूंजी इस तरह बरबाद ना हो और उन्हें अपना जयाज हक दिया जाए। जल्द से जल्द एम3एम पर करवायी हो और इन परिवारों को घर दिये जायें। माननिया सुप्रीम कोर्ट से अपील है कि स्वतः संज्ञान लेकर इस तरह की लूट पर लगाम लगाई जाए और जनता के साथ इतने बड़े घोटाले पर तत्काल उच्च स्तरीय जांच बिठाई जाए। आम आदमी पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता डॉ सारिका पीड़ित ग्राहकों से मिली और पूरा मामला समझा। मध्यम वर्ग के लोगों के साथ इतना बड़ा घोटाला हो रहा है और प्रशासन और सरकार पूरी तरह से चुप्पी साधे है। ऐसे घोटाले को रोकने के लिए रेरा का नियम लाया गया था,लेकिन जमीनी स्थर पर लोगों को राहत नहीं मिल रही। एम3एम साधारण लोगों के साथ इतना बड़ा धोखा कर रहा है।

एक साथ जली पांच चिताएं, हर आंख हुई नम

नोएडा, एजेंसी। जिले के थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में कल रविवार को हुए एक सड़क हादसे में जान गंवाने वाले, एक ही परिवार के पांच लोगों का सोमवार को तड़के परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी में जब एक साथ पांच चिताएं जलीं और रोते-बिलखते परिजन ने अपनों को अंतिम विदायी दी तो हर आंख नम हो गई। नोएडा एक्सप्रेस-वे पर रविवार को सुबह हुए एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के इन पांच लोगों की मौत हो गई थी।

मृतकों के एक परिजन धर्मेंद्र ने बताया कि शनिवार रात दो वर्षीय बच्चे की तबीयत खराब होने पर उसके इलाज के लिए ये लोग नोएडा-ग्रेटर नोएडा के अलग-अलग प्राइवेट अस्पतालों में गए, लेकिन सभी जगह डॉक्टरों ने बच्चे की हालत खराब बताते हुए दूसरे अस्पताल में जाने को कहा। धर्मेंद्र के अनुसार, एक अस्पताल में परिजन ने बच्चे के इलाज के लिए जोर देते हुए कहा कि वह दिल्ली के अस्पतालों में पता कर बच्चे को वहां ले जाएंगे, तब तक उसका इलाज किया जाए। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार बच्चे के उपचार को लेकर अस्पताल तथा इलाज के बारे में पता करने के लिए दिल्ली जा रहा था, तभी यह घटना हुई।

धर्मेंद्र ने बताया कि यह लोग दादरी की काशीराम कॉलोनी में रहते थे और सभी लोग मजदूरी कर अपनी गुजर-बसर करते थे। उन्होंने बताया कि बच्चे का नाम देवेश है और वह बाल चिकित्सा एवं स्नातकोत्तर शैक्षणिक संस्थान (चाइल्ड पीजीआई), सेक्टर 30 नोएडा में भर्ती था। परिजन उसे अपने साथ घर ले गए हैं। पुलिस के एक प्रवक्ता के अनुसार, सुबह करीब छह बजे एक कार में सवार ये लोग नोएडा से एक्सप्रेसवे के रास्ते ग्रेटर नोएडा की तरफ जा रहे थे, लेकिन नोएडा के सेक्टर-146 मेट्रो स्टेशन के पास कार सड़क के किनारे खड़े एक खराब वाहन से जा टकरायी। कार में अमन (27), उसके पिता देवी सिंह (60), मां राजकुमारी (50), विमलेश (40) और कमलेश (40) सवार थे। इस घटना में कार चला रहे अमन की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एक्सपो मार्ट में भारत शिक्षा एक्सपो का आगाज

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। इंडिया एक्सपो मार्ट में सोमवार को भारत शिक्षा एक्सपो 2024 के पहले संस्करण का आगाज हुआ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने इसका शुभारंभ किया। उन्होंने शिक्षा एक्सपो को एक महाकुंभ करार दिया। साथ ही इसे भविष्य की नीति तैयार करने वाला मंच बताया। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रेनो आधुनिक शिक्षा का वैसा केंद्र हैं, जैसे प्राचीन समय में तक्षशिला और नालंदा थे। शहर में दुनिया भर से छात्र सीखने और ज्ञान प्राप्त करने के लिए आ रहे हैं। उन्होंने लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति पर भी निशाना साधा और तक्षशिला और नालंदा के अतीत के गौरव का वर्णन किया। समारोह में उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति 2024 भी लांच की गई। मंत्री ने कहा कि यह नीति उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता, नवाचार और समावेशिता के एक नए युग के लिए मंच तैयार करती है। वहीं, मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार और यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष धीरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश शिक्षा के मामले में अग्रणी राज्य बन गया है और सर्वश्रेष्ठ बनने की कगार पर है। कार्यक्रम में प्रदेश के विशेष सचिव उच्च शिक्षा सिपू गिरी, ग्रेनो प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह, आईएमएल के चेयरमैन राकेश कुमार आदि मौजूद रहे। शिक्षा मंत्री ने नाराजगी जाहिर की : उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने एक शिक्षण संस्थान की जमीन के मामले में देरी के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान ने जमीन खरीदी और भुगतान भी कर दिया, लेकिन प्राधिकरण स्वीकृति नहीं दे रहा।

एक नजर

खाद की किल्लत पर सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा की बैठक सोमवार को कैंप कार्यालय पर हुई। इस दौरान सहकारी समितियों पर खाद की कमी और किसानों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हुई। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर 25 नवंबर को संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले होने वाली महापंचायत की रूपरेखा तैयार की गई। वहीं संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल डीएम मनीष कुमार वर्मा से मिला और खाद की किल्लत को लेकर ज्ञापन सौंपा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विकास प्रधान ने बताया कि डीएम को अवगत कराया कि जिले में खाद की मांग बढ़ रही है। सहकारी समितियों पर खाद की कालाबाजारी की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों से इसकी शिकायत मिल रही है। इस पर संज्ञान लेते हुए डीएम ने जिले के सभी एसडीएम को तत्काल सहकारी समितियों पर जाकर खाद की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लैपटॉप चुराने वाले गिरोह के सात बदमाशों पर गैंगस्टर ऐक्ट लगाया

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-113 पुलिस ने घरों में घुसकर लैपटॉप समेत अन्य सामान चोरी करने वाले गिरोह के सरगना समेत सात बदमाशों के खिलाफ गैंगस्टर ऐक्ट का केस दर्ज किया है। इनमें से अधिकतर बदमाश जेल से बाहर हैं। केस सेक्टर-113 थाने के प्रभारी कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि मोनू उर्फ मोहसिन, मोहम्मद हाफिज उर्फ बंगाली, रूपेश, नदीम, सत्यम राय, आशीष चौहान और योगेश गुप्ता उर्फ सोनू संगठित गिरोह बनाकर लैपटॉप समेत अन्य सामानों की चोरी करते हैं। मोहसिन गिरोह का सरगना है। गिरोह के बदमाशों के खिलाफ अलग-अलग थानों में केस दर्ज हैं और वे कई बार जेल भी जा चुके हैं। जेल से बाहर आते ही गिरोह के सदस्य फिर से अपराध करने में संलिप्त हो जाते हैं। अब गिरोह के सरगना और सदस्यों ने अपराध से, जो भी चल और अचल संपत्ति बनाई है, उसकी पहचान की जाएगी। इसके बाद पुलिस इन संपत्तियों को कुर्क करेगी। कई संपत्ति की पहचान सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने कर भी ली है। सभी आरोपी सलारपुर में किराये का कमरा लेकर रहते हैं और बीते कई साल से चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। गिरोह का आम जनता में भय व्याप्त है और कोई भी इनके खिलाफ गवाही देने को तैयार नहीं होता है। ऐसे में सभी आरोपियों के खिलाफ थाना प्रभारी की ओर से ही केस दर्ज कराया गया है। गिरोह के सदस्य वारदात को अंजाम देते समय अपने पास तमंचा भी रखते हैं।

महाविद्यालय में तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

नोएडा, एजेंसी। राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय में सॉफ्ट स्किल के विकास विषय पर सोमवार को तीन दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत हुई। पहले दिन एमकॉम के विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने की क्षमता, प्रभावशाली संचार, कौशल का विकास, शाब्दिक अशाब्दिक संचार के बारे बताया गया। मुख्य वक्ता शम्मी और शिव कुमार ने रोचक तरीके से कम्युनिकेशन गैप से होने वाले प्रभावों को दशार्या। प्रश्नोत्तर सत्र में अरुण, विधि, हरिओम, खुशबू आदि नें प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा रखी। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो दिनेश चंद ने बताया कि प्रभावी संचार कौशल व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में सफल होने के लिए जरूरी हैं।

नोएडा में सड़क हादसे में एक रिक्शा चालक की मौत

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर 39 थानाक्षेत्र में सेक्टर 37 के पास सोमवार तड़के सड़क हादसे में एक रिक्शा चालक की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मोहम्मद इंशुल (59) सुबह अपना रिक्शा लेकर सेक्टर 37 के पास से गुजर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन उन्हें टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इस हादसे में मोहम्मद इंशुल गंभीर रूप से घायल हो गये और उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गयी। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। उनके अनुसार मोहम्मद इंशुल बिहार के पूर्णिया जिले के रहने वाले थे और यहां बरौला गांव में रहते थे। वह रिक्शा चलाकर अपना भरण-पोषण करते थे।

15 नवंबर से पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर नंबर

नोएडा, एजेंसी। हल्के वाहनों की नई यूपी 16ईक्यू सीरीज के आकर्षक और अति आकर्षक नंबरों की दूसरी बार की नीलामी के नतीजे 14 नवंबर को जारी होंगे। लोग परिवहन विभाग की वेबसाइट ६६६.स्त्रं१५ॅल्लॅ.ङ्ग५.ल्ल पर नीलामी के नतीजे देख सकते हैं। वहीं, बचे नंबर पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर वाहन मालिक बुक कर सकेंगे। इसमें जो व्यक्ति पहले नंबर बुक कर लेगा, उसके वाहन के लिए पंजीकृत कर दिया जाएगा।

एआरटीओ प्रशासन डॉ. सियाराम वर्मा ने कहा कि सीरीज में सामान्य पसंदीदा नंबर भी वाहन मालिक बुक कर सकते हैं। इसमें दोपहिया वाहन के नंबर के लिए एक हजार रुपये और चार पहिया वाहन के लिए पांच हजार रुपये शुल्क निर्धारित है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सीरीज में आकर्षक और अति आकर्षक नंबर से अधिक लोग सामान्य पसंदीदा नंबर बुक करते हैं। यह नंबर कम कीमत होने के साथ दिखने में भी आकर्षक नंबर जैसे ही होते हैं।

20 मिनट में नकदी व जेवरात समेत सात लाख का माल चोरी

ट्रांस हिंडन, एजेंसी। वैशाली स्थित संगम वेलफेयर सोसाइटी के एक फ्लैट से चोरों ने चार लाख रुपये के जेवर और पौने तीन लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। चोरों ने महज 20 मिनट में घटना को अंजाम दिया। पीड़ित छठ पर्व मनाने बिहार गया हुआ है। मूलरूप से बिहार के पूर्णिया निवासी श्यामा रमन वैशाली सेक्टर तीन स्थित संगम वेलफेयर सोसाइटी में परिवार के साथ रहते हैं। छठ पर्व पर वह परिवार के साथ पैतृक गांव गए हैं। रविवार को पड़ोसी ने उन्हें घटना की सूचना उन्हें दी। उन्होंने अपने जानकार को फ्लैट पर भेजा तो पता चला कि चोरों ने चार लाख रुपये के जेवरात और दो लाख अस्सी हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। घर में और क्या चोरी हुआ है यह उन्हें फ्लैट पर आकर पता चल पाएगा। वह गाजियाबाद के लिए चल दिए हैं। पीड़ित के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि बदमाश रविवार सुबह करीब 5:55 पर फ्लैट में घुसे और 20 मिनट के बाद चोरी कर फरार हो गए। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र सिंह ने बताया कि इस मामले में अभी कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद में हवा अभी पूरी तरह स्वच्छ नहीं

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में वायु की गुणवत्ता में पूरी तरह से सुधार नहीं हो पाया है। जिले में कई दिनों बाद एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) का स्तर 200 से नीचे आया है। प्रदूषण यहां मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया है। आज एक्यूआई 140 के आस पास रहा। रविवार की तुलना में ये लगभग 60 अंक कम रहा है। फरीदाबाद में पिछले सप्ताह की शुरूआत से ही फरीदाबाद में हवा की गति कम बनी हुई थी। हवा रुकने से प्रदूषण के कण एक जगह इकट्ठा होने लगे थे और प्रदूषण के स्तर में लगातार वृद्धि हो रही थी। शनिवार तक फरीदाबाद में एक्यूआई 200 से ऊपर बना हुआ था, जो खराब श्रेणी में आता है। रविवार से प्रदूषण स्तर में थोड़ी गिरावट देखने को मिली है। थोड़ी हवा चलने के कारण प्रदूषण कणों में मूवमेंट हुई है और प्रदूषण कम हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार रविवार को फरीदाबाद में प्रदूषण का स्टार 122 दर्ज किया गया और प्रदूषण की मध्य श्रेणी में आया।

अयोध्या में पंच कोसी परिक्रमा में उमड़ा आस्था का सैलाब

- जय श्रीराम के नारे से गूंजी प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या
- प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मेला क्षेत्र में रही मुस्तैद
- सुरक्षा के लिहाज से बड़ी संख्या में उतारी गई फोर्स

अयोध्या, एजेंसी। देवउठनी एकादशी लगते ही सोमवार को अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा का आगाज हो गया है। मुहूर्त के अनुसार सोमवार को दिन में 1 बजकर 54 मिनट से पंच कोसी परिक्रमा प्रारंभ हुई। पहले से मौजूद श्रद्धालुओं ने मार्ग को चूमकर श्रीराम का जयघोष कर परिक्रमा की शुरूआत की। दिन ढलने के साथ ही आस्था का ज्वार बढ़ गया। शाम छह बजे के बाद शहरी श्रद्धालुओं की आस्था हिलोरे मारने लगी। इसके बाद बड़ी संख्या में घरों में चूल्हा चौका संभालने वाली महिलाएं भी राम का नाम लेते हुए परिक्रमा करने पहुंच गईं। ऑफिस के कर्मचारी रहे हों या फिर शहर के कारोबारी। सभी रात 10 बजे के बाद पंचकोसी परिक्रमा करते दिखाई पड़े। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। महिला व पुरुष कर्मियों के अलावा सादी वर्दी में भी पुलिस कर्मचारी मेले पर निगाह रखे हुए थे।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में पहली बार 14 कोसी परिक्रमा हुई तो सभी पुराने रिकॉर्ड टूट गए। परिक्रमा की 22 घन्टे की अवधि के 15 घंटे 14 कोसी मार्ग पर तिल रखने तक कि जगह नहीं थी। अयोध्या हनुमान गढ़ी में 24 घंटे में 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया था। अब पंचकोसी परिक्रमा शुरू हो गई है। 12 नवंबर को 11 बजकर 38 मिनट तक मुहूर्त का समापन होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश के बाद जिले के सभी प्रशासनिक अधिकारी लगातार स्थलीय निरीक्षण कर रहे हैं।

यहां लगा है अस्थायी स्वास्थ्य शिविर

पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर हनुमान गुफा, मौनी बाबा, हलकारा का पुरवा, चूड़ामणि चौराहा, उदया चौराहा, चकरतीर्थ, ब्रह्मकुंड और झुनकी घाट पर प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है।

14 स्थानों पर तैनात है एम्बुलेंस

पंचकोसी परिक्रमा के दौरान 14 स्थानों पर एंबुलेंस तैनात रहीं। इनमें पक्का घाट, पुराना सरयू पुल, कंट्रोल रूम, नया घाट पुलिस चौकी, हनुमान गुफा, साकेत पेट्रोल पंप, हलकारा का पुरवा, चूड़ामणि चौराहा, उदया चौराहा, चकरतीर्थ, झुनकी घाट, बूथ नंबर चार, कनक भवन, श्रृंगार हाट बैरियर, श्रीराम जन्मभूमि के साथ हनुमानगढ़ी पर एंबुलेंस तैयार हालत में खड़ी रहेंगी।

इन जगहों पर क्या-क्या हैं नागरिक सुविधाएं

सम्पूर्ण परिक्रमा पथ पर पांच स्थानों उदया चौराहा, ब्रह्मकुण्ड, हनुमान गुफा, परमा एकेडमी, मोहबरा बाजार पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विश्राम स्थल व कैम्प की व्यवस्था की गयी है। समस्त विश्राम स्थल पर श्रद्धालुओं के मोबाइल टॉयलेट, पेयजल और अल्पाहार की व्यवस्था की गयी है। स्थायी शौचालयों के अतिरिक्त मोबाइल टॉयलेट लगाए गए हैं।शुद्ध पेयजल के लिए सम्पूर्ण परिक्रमा पथ पर टैंकर की व्यवस्था की गयी है। परिक्रमा मार्ग पर आयोजित भण्डारा स्थलों पर सफाई मित्रों की ड्यूटी लगायी गई है। परिक्रमा पथ पर सफाई व्यवस्था के लिए सेक्टरवार सफाई मित्र लगाए गए हैं। संपूर्ण परिक्रमा पथ पर पर्याप्त संख्या में पथ प्रकाश के लिए प्रकाश बिन्दु स्थापित किए गये हैं। संपूर्ण परिक्रमा पथ पर व्यवस्थाओं के सम्यक पर्यवेक्षण के लिए वरिष्ठ पर्यावेक्षणीय अधिकारी/जोनल अधिकारी व सेक्टर प्रभारी की ड्यूटी लगायी गयी है।

क्या है पंचकोसी परिक्रमा का महत्व

देवउठनी एकादशी तिथि के दिन से अयोध्या में पांच कोस की परिक्रमा शुरू होती है। पंच कोसी की परिक्रमा अयोध्या धाम के क्षेत्र में होती है, जो लगभग 10 से 15 किलोमीटर की होती है। पंचकोसी की परिक्रमा करने से कहा जाता है कि समस्त पापों से मुक्ति भी मिलती है।

ड्रोन से भी की जा रही है निगरानी

14 कोसी परिक्रमा को सकुशल सम्पन्न कराने के बाद प्रशासन के सामने पंचकोसी परिक्रमा कराने की जिम्मेदारी है। एसएसपी राजकरण नैय्यर ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से परिक्रमा पथ पर आने वाली गलियों पर बैरिकेडिंग की गई है। पुलिस कर्मियों के अलावा एटीएस भी निगरानी कर रही है। संदिग्धों पर नजर रखने के लिए ड्रोन भी लगाए गए हैं।परिक्रमा मार्ग को 4 जोन में 5 सेक्टर में विभाजित किया गया है।

बलरामपुर से पहुंची माला देवी ने बताया कि 14 कोसी परिक्रमा को भी किया और पंच कोसी परिक्रमा भी कर रही है। उन्होंने बताया कि अबकी बार रामलीला अपने भाव और दिव्या मंदिर में विराजमान हुए हैं। उसको लेकर हम लोग बहुत खुश हैं, सुरक्षा व्यवस्था हो, चाहे स्वास्थ्य व्यवस्था, परिक्रमा मार्ग पर चलने के लिए जो सुगम व्यवस्था किए गए है। इस के लिए हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बहुत-बहुत धन्यवाद एवं साधुवाद देते है। उन्होंने बताया कि पहले की अयोध्या में अब की अयोध्या में काफी डेवलपमेंट देखने को मिला है। उन्होंने कहा की यही कारण है कि जो आज प्रभु श्री राम के साथ-साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को लोग पसंद करते हैं।

बेहद सफल रहा हिंदी महोत्सव पर आयोजित शेरी नशिस्त का आयोजन

लोगों ने आदर्श प्रेस क्लब के इस कदम को जमकर सराहा, कई शख्सियतों को सम्मानित भी किया गया

अफजलगढ़। बीती रात आदर्श प्रेस क्लब द्वारा आयोजित शेरी नशिस्त का आयोजन बेहद सफल रहा। हिंदी महोत्सव के उपलक्ष में कासमपुर गढ़ी के अलीगढ़ कान्वेंट स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में शायराना अंदाज में बिजनौर जिले की प्रशंसा करते हुए इसके इतिहास पर रोशनी डाली गई जिसे सुनकर लोग मंत्रमुक्त हो गए। शिक्षक गय्यूर अली खान की अध्यक्षता एवं शायर इरशाद धनपुरी के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में क्लब द्वारा शिक्षा, चिकित्सा, समाजसेवा व साहित्य के क्षेत्र में शिक्षक सुरेंद्र सिंह गय्यूर अली खान, डॉ. अल्ताफ हुसैन साबरी, डॉ. नौशाद अली व हाफिज रईस अहमद को संगठन के अध्यक्ष एसएम असलम, महासचिव सुभाष तोमर, कानूनी सलाहकार शाहिद अली एड. फिरोज आलम, कामिल खान व शकील प्रधान सहित मंचासीन अतिथियों के कर कमलों द्वारा शॉल ओढ़ाकर व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया साथ ही ताइक्वांडो बाल खिलाड़ी गोल्ड मेडलिस्ट एस एम जैद को भी अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शायर शमीम अहमद "गुल* का शेरी मजमुआ बू-ए-गुल का विमोचन भी हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा शमा रोशन कर शराफत अंसारी की नाते पाक से प्रोग्राम का आगाज हुआ। तत्पश्चात शायरों कारी नौशाद आलम "शाद", कारी रशीद हमीदी, इमरान सागर शेरकोटी, इरशाद धामपुरी, जहीर अहमद "जहीर", शराफत अफजलगढ़ी, शमीम गुल, शफक्कत भारती, कामिल खान, एसएम असलम, हकीम जफर जसपुरी, सोहिल ठाकुरद्वारवी व सुरेंद्र सिंह ने उम्दा कलाम पेश कर खूब वाहवाही लूटी। शायराना अंदाज में इश्क-ओ-मोहब्बत व मुल्क परस्ती वगैरा की शायरी के साथ-साथ बिजनौर जिले की शायराना अंदाज में जानकारी पाकर सामाईन बेहद खुश नजर आए और देर रात तक शायरों के कलाम पर जमकर दाद देते रहे। अंत में आदर्श प्रेस क्लब के अध्यक्ष एस एम असलम ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते रहने का लोगों को यकीन दिलाया और सभी से सहयोग का आह्वान किया।

मुस्लिम कालेज के मैदान पर नुमाइश का शुभारंभ

द न्यूज फिफ्टीन

किरतपुर। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मुस्लिम इंटर कालेज के मैदान पर बिजनौर जिले के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। जिसका उदघाटन रालोद नेता काजी तारिक अली, वरिष्ठ पत्रकार मौ० याकूब, सचिन अग्रवाल, अमित अग्रवाल, रितुज शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया` इस मौके पर काजी तारिक अली ने कहा कि जिला बिजनौर के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में पूरे जिले में बिजनौर महोत्सव मनाया जा रहा है। जिसको लेकर पूरे जिले में युवा एंव समाजसेवियों में काफी उत्साह नजर आ रहा है। प्रदर्शनी के ठेकेदार राहुल कुमार ने बताया कि बच्चों के मनोरंजन के लिए तरह-तरह के झूले खाने पीने के स्वादिष्ट व्यंजन एंव खेल खिलौने की दुकान लगाई गई है। जहां पर साफ-सफाई की पूर्ण व्यवस्था रहेगी। समाज सेवी एंव सपा नेता पुरुषोत्तम कुमार बब्बी ने बताया कि बच्चों के मनोरंजन के लिये उक्त प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। प्रदर्शनी में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस व्यवस्था एंव अग्निशमन विभाग मौजूद रहा। प्रदर्शनी के ठेकेदार राहुल कुमार ने कहा कि क्षेत्रीय जनता के सहयोग से ही प्रदर्शनी आयोजित की गई है और उन्होंने क्षेत्र की जनता से प्रदर्शनी का आनंद लेने का आव्हान किया। मौ० अजमल, रफीक कुरैशी मौ० लाल, फुरकान ठेकेदार, इकरार नेता एंव मीडिया कर्मी व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शराब के नशे में पिता ने पुत्र को चाकू मारा, मौत

बिजनौर (उप्र), एजेंसी। शहर की कांशीराम कालोनी में शराब के नशे में झगडे.के दौरान पिता ने पुत्र को चाकू मार दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस क्षेत्राधिकारी संग्राम सिंह ने बताया कि रविवार रात यहां कांशीराम कालोनी में घर में शराब पीकर झगड़ा करने के दौरान चतर सिंह ने नशे में अपने 20 वर्षीय पुत्र अक्षय को चाकू मार दिया।

उन्होंने कहा कि अस्पताल ले जाने पर अक्षय को मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने बताया कि अक्षय की पत्नी चंद्रा देवी की तहरीर पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

बताया जाता है कि अक्षय की सात महीने पहले ही शादी हुई थी।

नफरती सोच से हटकर पी. डी. ए. साइकिल को वोट दे रहा -डा. राजपाल कश्यप

मीरापुर(मु.नगर)। समाजवादी पार्टी के स्टार प्रचारक डा. राजपाल कश्यप (अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ सपा उ. प्र.)ने मीरापुर उपचुनाव इंडिया गठबंधन प्रत्याशी सुम्बुल राणा के चुनाव प्रचार मे विभिन्न गांवो का दौरा कर प्रदेश के 9 विधानसभाओ के चुनाव पर कहा की पी. डी. ए. 24 के लोकसभा चुनाव की जीत पर बरकार होकर नफरती सोच का मोहब्बत सन्देश से जवाब देकर साइकिल पर बटन दबाकर पी. डी. ए. के साथ साथ किसान गरीब

मजदूर की आवाज बनकर सुम्बुल राणा को जीताकर विधानसभा भेजनें का काम करेगा, साथ रहें प्रभारी गिरीश मथुरिया (प्रदेश महासचिव)रविन्द्र प्रधान जोगी, राशिद मलिक, एवम मो. हम्माद, इकराम राव, हासिम राव,अनेश जोगी, अकरम खान, जितेंद्र यादव, पंकज कश्यप,आदि

24 घंटे अलर्ट मोड पर रहेंगे 220 हाईटेक डीप डाइवर, पानी पर होगा 700 नावों से पहरा

- गोवा, कोलकाता, महाराष्ट्र समेत देश के सबसे चुनिंदा जल पुलिस के जवान पहुंच रहे प्रयागराज
- बिना गैस सिलेंडर 40 फीट गहरे पानी में जाने में सक्षम स्थानीय लोगों की भी ली जा रही मदद

प्रयागराज, एजेंसी। सनातन धर्म के सबसे बड़े सामूहिक आयोजन महाकुंभ 2025 में योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम को सुरक्षा की दृष्टि से सफल बनाने के लिए जल पुलिस, पीएसी, स्वास्थ्य कर्मियों के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कई टीमें मिलकर काम कर रही हैं। इसी क्रम में महाकुंभ के दौरान 220 हाईटेक डिप डाइवर समेत एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के सुरक्षाकर्मी 700 नाव पर सवार होकर 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहेंगे।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर देश विदेश से महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की पुख्ता सुरक्षा के लिए हर तरह के इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके चलते गोवा, कोलकाता, महाराष्ट्र समेत देश के सबसे चुनिंदा जल पुलिस के जवान प्रयागराज में तैनात किए जा रहे हैं। स्नानार्थियों और साधु संतों के साथ स्नान के दौरान कोई भी अनहोनी न होने पाए इसके लिए पहली बार इतनी बड़ी संख्या में हाईटेक डीप डाइवरों की ड्यूटी लगाई जा रही है।

24 घंटे रहेंगे अलर्ट मोड में

किला थाना की जल पुलिस के प्रभारी जनार्दन प्रसाद साहनी ने बताया कि महाकुंभ के दौरान 180 डीप ड्राइवर्स की तैनाती की गई है, जो देश के विभिन्न हिस्सों से यहां आ रहे हैं, जबकि 39 डीप ड्राइवर्स पहले से ही यहां तैनात हैं। इस तरह कुल 220 डीप ड्राइवर्स हर वक्त पानी में सुरक्षा के लिए अलर्ट मोड में रहेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों का भी इसमें सहयोग लिया जा रहा है। स्थानीय केवट भी सहयोग में रहेंगे जो बिना गैस सिलेंडर के भी 40 फीट गहराई तक जाने में सक्षम हैं। यही नहीं, स्नानार्थियों की मदद के लिए 10 कंपनी पीएसी, 12 कंपनी एनडीआरएफ और 6 कंपनी एसडीआरएफ भी तैनात की जा रही है जो किसी भी विषम परिस्थित से निपटने में सक्षम होगी।

200 से ज्यादा स्थानीय लोग भी रहेंगे सुरक्षा में तैनात

देश दुनिया से महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार 24 घंटे एक्शन मोड में काम कर रही है। सरकार के निर्देश पर कई तरह की सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएं भी महाकुंभ के सबसे बड़े सांस्कृतिक महाआयोजन में सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। इसी के तहत पीएसी और एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के साथ ही गांव के स्थानीय लोग भी इसमें बड़ी संख्या में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। ऐसे ही स्थानीय लोगों की एक टीम को यहां की जल पुलिस प्रशिक्षित भी कर रही है। जिसमें 200 से ज्यादा जवान महाकुंभ में स्नान करने वाले संतों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था में अपनी जिम्मेदारी निभाने जा रहे हैं।

बिना चिंता कराइए उपचार, अस्पताल का पैसा देगी सरकार : आदित्यनाथ

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे लोगों को भरोसा दिया कि वे चिंता किये बिना अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं तथा उपचार में जो भी खर्च आएगा, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है और उन्हें उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इलाज के खर्च के पर्चे बनवाने की प्रक्रिया जल्द पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। उनका कहना था कि हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता उपलब्ध करायी जायेगी। मुख्यमंत्री रविवार शाम विधानसभा उपचुनाव प्रचार करने के बाद गोरखपुर पहुंचे थे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद सोमवार पूर्वाह्न झारखंड विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने सोमवार प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात की। योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में लोगों से एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है, हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जनता की समस्याओं का पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं तथा किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उनका कहना था कि पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को साथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने सभी को भरोसा दिया कि उनकी सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी एवं विवेकाधीन कोष से मदद की जाएगी।
मुख्यमंत्री ने सभी से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

एक नजर

खरगे के मुख्यमंत्री योगी पर दिए बयान का मंत्रियों ने दिया करारा जवाब

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वस्त्रों पर दिये गये बयान पर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने करारा जवाब दिया है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष के नाते मल्लिकार्जुन खरगे पूरी पार्टी का नेतृत्व करते है। उनका बयान पूरी पार्टी का बयान है, वह अपने बयान के लिए माफी मांगे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश ने कहा कि कांग्रेस ने सनातन पर हमला किया है। जब-जब सनातन संस्कृति पर हमला हुआ है, तब -तब कांग्रेस उसके समर्थन में खड़ी रही है। कांग्रेस का लक्ष्य देश में तुष्टीकरण की राजनीति करना है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस डी-रेल हो चुकी है। कांग्रेस के लोगों के पास अब कोई मुद्दा नहीं है। वे एसी कमरे से राजनीति करते है। यही कारण है कि साधु-संतों के वस्त्रों पर टिप्पणी करने लगे है। राज्य के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर इशारा करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष का बयान बेहद निंदनीय है। कांग्रेस का तो इतिहास रहा है, जिसमें बार-बार झूठ बोलना एवं सनातन संस्कृति का अपमान करना रहा है। कांग्रेस ने लोगों को बांटकर सत्ता हासिल की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पूरे प्रदेश के भीतर सत्तर वर्ष में पिछड़ों, दलितों और मुस्लिमों को धोखा दिया है। उत्तर प्रदेश में हासिये पर कांग्रेस के लोग है। साधु-संतों पर टिप्पणी कर के मीडिया पर बने रहना चाहते है। गेरुआ वस्त्र त्याग और बलिदान का प्रतीक है। उसका सभी सम्मान करते हैं। कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष अपने बयानों से सुर्खियां बंटोरने के लिए जाने जाते हैं। उन्हें बयानवीर कहना गलत नहीं होगा। वर्तमान समय में उपचुनाव को ध्यान में रखकर कांग्रेस अध्यक्ष ने बिना नाम लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वस्त्रों पर जो टिप्पणी की है, वो बेहद शर्मनाक है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ.दिनेश शर्मा ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन का बयान बेहद शर्मनाक है। किसी संत के विरुद्ध बोलने से पहले सोचना चाहिए। साधु-संतों के निर्देश पर यह देश चलता है। सनातन संस्कृति से ही हमारे देश की पहचान है। कांग्रेस अध्यक्ष को अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए।

लोक सेवा आयोग के गेट पर छात्रों का आंदोलन शुरू, भारी पुलिस बल तैनात

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) प्री, समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ एआरओ) की परीक्षा अलग-अलग तिथियों पर कराने के निर्णय के विरोध में प्रतियोगी छात्र सोमवार को यहां आयोग के गेट पर धरना प्रदर्शन करने पहुंचे, लेकिन पुलिस कर्मियों ने उन्हें खदेड़ दिया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को युवा विरोधी करार देते हुए विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज करने का आरोप लगाया और इसकी निंदा की। उन्होंने दावा किया, 'लोक सेवा आयोग में धांधली को रोकने के लिए अभ्यर्थियों ने मांग बुलंद की तो भ्रष्ट भाजपा सरकार हिंसक हो उठी। हम फिर दोहराते हैंः नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं।' उप्र लोक सेवा आयोग के आसपास भारी संख्या में तैनात पुलिसकर्मियों ने छात्रों को गेट नंबर दो की तरफ आने से रोका, लेकिन छात्र-छात्राओं की भीड़ धक्का मुक्की करते हुए गेट के पास पहुंची और नारेबाजी शुरू की। पुलिस ने छात्रों को तितर बितर करने के लिए उन्हें खदेड़ा, लेकिन आंदोलनरत छात्र फिर से वहां एकत्रित हो गए। पुलिस उपायुक्त (नगर) अभिषेक भारती ने कहा, 'प्रतियोगी छात्रों को लोकतांत्रिक ढंग से, तय धरना स्थल गिरिजाघर सिविल लाइंस पर जाकर विरोध प्रदर्शन करने का अनुरोध किया गया है। काफी छात्र वहां चले भी गए हैं, लेकिन कुछ छात्र अभी आयोग के सामने धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।' प्रतियोगी छात्र अंकित पटेल ने कहा कि छात्र पूर्व की तरह एक ही पाली में परीक्षा चाहते हैं जिसके लिए यह विरोध प्रदर्शन हो रहा है। प्रतियोगी छात्रा मनोरमा सिंह ने कहा कि आयोग द्वारा दो दिन में परीक्षा कराना नियम के खिलाफ है। उनके मुताबिक, अधिसूचना में आयोग ने इस बात का जिक्र नहीं किया था कि परीक्षा दो दिनों में कराई जाएगी तथा छात्र चाहते हैं कि एक ही दिन में परीक्षा संपन्न कराई जाए। आयोग ने पिछले मंगलवार को इन परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा की। जहां पीसीएस प्री की परीक्षा के लिए सात और आठ दिसंबर की तिथि घोषित की गई है, वहीं समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ..एआरओ) प्री की परीक्षा के लिए 22 और 23 दिसंबर की तिथि घोषित की गई है।

यूपी में बनेगा नया एक्सप्रेसवे, नोएडा-बुलंदशहर के 57 गांवों से होकर गुजरेगा

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में एक और नया एक्सप्रेसवे बनाने की योजना तैयार की जा रही है, जो मौजूद एक्सप्रेसवे नेटवर्क को और भी मजबूत प्रदान करेगा। इस प्रस्तावित लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण से जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी गंगा एक्सप्रेसवे के साथ हो जाएगी। गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ता है। यह 83 किलोमीटर लंबा नया एक्सप्रेसवे नोएडा और बुलंदशहर के 57 गांवों से होकर गुजरेगा, जिससे इन क्षेत्रों के लोगों को भी फायदा मिलेगा साथ ही नोएडा से प्रयागराज तक आना-जाना आसान होगा। यूपी सरकार ने राज्य में चार नए लिंक एक्सप्रेसवे बनाने की योजना तैयार की है और यूपी एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) ने इन एक्सप्रेसवे के लिए एक रिपोर्ट तैयार भी कर ली है। इसके तहत हाल ही में रेडिकान इंडिया द्वारा सर्वे और फिजीबिलिटी स्टडी की गई थी और रिपोर्ट यूपीडा को सौंप दी गई है। अब यूपीडा इस रिपोर्ट पर अपना फैसला लेगा। नोएडा से बुलंदशहर से मेरठ तक बनने वाले इस एक्सप्रेसवे के निर्माण पर करीब चार हजार करोड़ रुपए का खर्च आने का अनुमान है। इस प्रोजेक्ट के लिए एक हजार हेक्टेयर भूमि की जरुरत होगी जो किसानों से खरीदी या अधिग्रहीत की जाएगी। एक्सप्रेसवे के निर्माण से गंगा एक्सप्रेसवे की उपयोगिता और बढ़ जाएगी, खासकर जेवर एयरपोर्ट के साथ जुड़ने के बाद। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में चार नए लिंक एक्सप्रेसवे बनाने की घोषणा की थी, जिनका उद्देश्य बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करना है। इसके तहत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तक एक लिंक एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे तक वाया फरुर्खाबाद एक नया लिंक एक्सप्रेसवे और चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे बनाने की योजना है।

मेरठ में 14 वर्षीय किशोरी के यौन शोषण के आरोप में मदरसा मैनेजर और शिक्षक गिरफ्तार

मेरठ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के थाना जानी पुलिस ने 14 वर्षीय किशोरी के यौन शोषण के आरोप में मदरसे के प्रबंधक एवं शिक्षक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना प्रभारी पंकज कुमार सिंह ने बताय कि पकड़े गये आरोपियों की पहचान आदिल (42) और मकसूद (47) हैं। उन्होंने बताया कि आदिल शिक्षक है जबकि मकसूद मदरसे का प्रबंधक है। आरोप है कि इन दोनों ने मिलकर नाबालिग किशोरी का यौन शोषण किया और पीड़ित छात्रा के परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी के अनुसार आरोपियों की गिरफ्तारी रविवार को जानी कला कट से की गई। पीड़िता के पिता ने पुलिस को बताया कि उसकी 14 साल की बेटी गांव के ही मदरसे में आठवीं कक्षा में पढ़ती है।

एक नजर

रोहतास में शौचालय की टंकी बनी बवाल, फायरिंग में गई एक की जान

रोहतास। रोहतास जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र के धोबडीहां गांव में रविवार (10 नवंबर) को नाली में शौचालय की टंकी का पानी बहाने को लेकर हुए विवाद में जमकर लाठी डंडे चले और एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, इस घटना में तीन अन्य लोग घायल हो गए. मृतक की पहचान 52 वर्षीय अशोक पांडेय के रूप में हुई है। घटना के बाद मृतक के बेटे कुणाल पांडेय ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई. उन्होंने बताया कि नाली में शौचालय की टंकी का पानी बहाने को लेकर पड़ोसी अशोक पांडेय और उनके बेटे गुड्डू पांडेय से विवाद चल रहा था. रविवार को विवाद इतना बढ़ गया कि पड़ोसियों ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर अशोक पांडेय को लहूलुहान कर दिया, जब कुणाल अपने पिता को बचाने गया, तो उसे भी पीटकर घायल कर दिया गया. इस बीच गुड्डू पांडेय ने घर से पिस्टल निकालकर अशोक पांडेय को गोली मार दी। घायल अवस्था में अशोक पांडेय को आनन-फानन में पीएचसी ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए सासाराम रेफर किया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बिक्रमगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने बताया कि नाली के विवाद को लेकर हुई इस घटना में एक व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गई है, जबकि तीन लोग घायल हो गए हैं।

शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पॉलिसी पर बवाल, संघों की मांग पर संशोधन के संकेत

पटना। बिहार में शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पॉलिसी को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा लाई गई इस नई पॉलिसी का कई शिक्षक संघ विरोध कर रहे हैं और इसे संशोधित करने की मांग कर रहे हैं। इसी सिलसिले में कुछ संघों ने पॉलिसी में सुधार की याचना के साथ हाई कोर्ट का रुख करने की बात कही है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने शिक्षकों की चिंताओं को लेकर बयान दिया है कि उनकी मांगों पर विचार किया जा रहा है और जरूरत पड़ने पर पॉलिसी में संशोधन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षकों को उनके ही जिलों में रखा जाएगा, और महिलाओं को पंचायत से बाहर एक ही सबडिवीजन में रखा जा रहा है। मंत्री ने अपील की कि शिक्षक पूरी मेहनत से राज्य के भविष्य को संवारें। शिक्षक संघों का कहना है कि नई ट्रांसफर-पोस्टिंग पॉलिसी में सुधार जरूरी है। विभाग द्वारा जारी गाइडलाइंस पर संघों ने सवाल उठाए हैं और समाधान के लिए न्यायालय का सहारा लेने की चेतावनी दी है।

दरभंगा में एम्स निर्माण हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम की तैयारी पर स्वास्थ्य मंत्री ने मुजफ्फरपुर में की बैठक

मुजफ्फरपुर। बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने गायघाट विधानसभा के जारंग चौक पर आगामी 13 नवंबर को दरभंगा में एम्स (अक्क्टर) के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री द्वारा किए जाने वाले भूमि पूजन और जनसभा कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। इस बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष रंजन जी और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य मंत्री ने तैयारियों का जायजा लेते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दरभंगा में एम्स का निर्माण उत्तर बिहार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव लाएगा। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम की सफलता और जनसहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की।

पुलिस ने सीएम आवास तक जाने से रोका, ग्राम रक्षा दल ने दी चेतावनी

पटना,संवाददाता। पटना में अपनी मांगों को लेकर ग्राम रक्षा दल सह पुलिस मित्र सोमवार (11 नवंबर) को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के लिए पहुंच रहे थे, लेकिन रास्ते में आवास से करीब 100 मीटर की दूरी पर ही पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोक दिया। सभी ग्राम रक्षा दल को डंडे का भय दिखाकर खदेड़ दिया गया। करीब 50 की संख्या में पुलिस मित्र मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन करने जा रहे थे। सीएम आवास तक जाने से रोके जाने के बाद ग्राम रक्षा दल कर्मियों ने चेतावनी दी है कि बिहार विधानसभा उपचुनाव में हमलोग सरकार का विरोध करेंगे. साथ ही आगामी शीतकालीन सत्र में भी सरकार के विरोध में हंगामा करेंगे. बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गांव में होने वाले आपराधिक घटनाओं पर नजर रखने के लिए चौकीदार के अलाव हर पंचायत में एक-एक ग्राम रक्षा दल रखने का निर्णय लिया था और दलित समुदाय से आने वाले लोगों को ग्राम रक्षा दल बनाया गया था। इसका नाम मुख्य रूप से बिहार राज्य दलपती एवं ग्राम रक्षा दल भी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनका नाम पुलिस मित्र भी रखा था। बहाली के समय ग्राम रक्षा दल को वर्दी भी दी गई थी, लेकिन मानदेय मात्र 4000 रुपये दिए गए थे। उसके बाद मानदेय बढ़ोतरी नहीं की गई। इन लोगों का काम ग्राम में हो रहे अपराधों को थाना अध्यक्ष को सूचना देना है। ग्राम रक्षा दल के कर्मियों ने बताया कि हम लोग का जोखिम भरा काम है। हम लोग सूचना देते हैं थाना प्रभारी मैनेज कर देते हैं और हम लोग से विवाद हो जाता है, उसके बाद भी हमें मात्र 4000 मिलते हैं।

मुख्यमंत्री ने राजगीर में एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप का शुभारंभ किया

खेल की दुनिया में बिहार ने रचा इतिहास

पटना,संवाददाता। बिहार ने आज खेल की दुनिया में एक नया इतिहास रच दिया। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने राजगीर स्थित राज्य खेल अकादमी और बिहार खेल विश्वविद्यालय-सह-राज्य खेल परिसर में आयोजित एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गुब्बारा उड़ाकर चैंपियनशिप का विधिवत उद्घाटन किया, जिसके बाद हॉकी खेल परिसर में सभी प्रतिभागी देशों की राष्ट्र धुन बजाई गई।

इस प्रतियोगिता में भारत, मलेशिया, जापान, कोरिया, चीन और थाईलैंड की महिला हॉकी टीमें भाग ले रही हैं। कार्यक्रम के दौरान सभी देशों के खिलाड़ी और दर्शक उत्साह से भरपूर दिखे। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों और दर्शकों का अभिवादन किया और साथ ही महिला हॉकी कप्तानों के साथ सामूहिक तस्वीर खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राजगीर खेल अकादमी की गैलरी का भी निरीक्षण किया, जहां बिहार की प्रमुख योजनाओं जैसे गंगा जल आपूर्ति योजना, राजगीर-जू-सफारी, और राज्य खेल अकादमी के अन्य विकास कार्यों की जानकारी दी गई थी। उन्होंने राजगीर खेल परिसर में निर्मित एथलेटिक ट्रैक और फुटबॉल मैदान का लोकार्पण किया और इन सुविधाओं का जायजा लिया। यह चैंपियनशिप 11 नवम्बर से 20 नवम्बर तक चलेगी और यह बिहार में आयोजित होने वाली पहली अंतर्राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप है। खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, हॉकी इंडिया और एशियन हॉकी फेडरेशन के संयुक्त प्रयासों से यह प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन बिहार के लिए गर्व की बात है और इस दौरान खिलाड़ियों को बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों से भी अवगत कराया जाएगा। इस कार्यक्रम में खेल मंत्री श्री सुरेंद्र मेहता, सांसद श्री कौशलेंद्र कुमार, विधायक श्री जितेंद्र कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में दर्शक भी उपस्थित थे।

रबी फसल प्रशिक्षण कार्यक्रम: किसानों को समय पर बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराने पर जोर

मुजफ्फरपुर। जिला स्तरीय रबी कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मुशहरी स्थित प्रसार प्रशिक्षण केंद्र में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन, उप विकास आयुक्त, संयुक्त निदेशक कृषि अभियंत्रण सह राज्य नोडल पदाधिकारी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य रबी मौसम में किसानों को सही मार्गदर्शन प्रदान करना और कृषि योजनाओं की जानकारी देना था। जिला कृषि पदाधिकारी सुधीर कुमार ने रबी मौसम में बीज वितरण योजना की सभी प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की और बताया कि गुणवत्तापूर्ण बीज सभी प्रखंडों में उपलब्ध कराए जा चुके हैं। पंचायत स्तर पर कृषि कर्मियों को दलहन और तिलहन बीजों के शत-प्रतिशत वितरण का निर्देश दिया गया है। सहायक निदेशक कृषि अभियंत्रण ने कृषि यंत्रों के उपयोग के महत्व पर जानकारी दी, जबकि अनुमंडल कृषि पदाधिकारी ने जैविक खेती प्रोत्साहन योजना पर प्रकाश डाला। उप विकास आयुक्त ने किसानों को अनुदानित दर पर बीज और अन्य कृषि इनपुट्स की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही ताकि रबी फसलों की समय पर बुवाई हो सके। जिला पदाधिकारी ने कृषि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए और कहा कि उर्वरकों की कमी नहीं होगी। साथ ही सभी उर्वरक दुकानों की जांच के लिए टीम गठित करने का निर्देश भी दिया गया। अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक ने किसान क्रेडिट कार्ड (ङउउ) और ल्लस्र् लिंकिंग के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान ने रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन उप परियोजना निदेशक आत्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मुजफ्फरपुर: सहायक मतदान केंद्रो के प्रस्ताव पर राजनीतिक दलों संग बैठक आयोजित

मुजफ्फरपुर। बिहार विधान परिषद के तिरहुत स्नातक उप निर्वाचन 2024 के अंतर्गत 1000 से अधिक निर्वाचकों वाले मतदान केंद्रों पर सहायक मतदान केंद्र बनाने के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक सहायक निवार्ची पदाधिकारी, तिरहुत स्नातक उप निर्वाचन सह जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष, सचिव और प्राधिकृत प्रतिनिधि मौजूद थे। जानकारी दी गई कि जिले में पूर्व में 41 मतदान केंद्र थे, किंतु भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 1000 से अधिक मतदाताओं वाले केंद्रों पर सहायक मतदान केंद्र बनाने की योजना पर विचार किया जा रहा है। इस हेतु कुल 26 सहायक मतदान केंद्रों के प्रस्ताव पर राजनीतिक दलों की सहमति प्राप्त कर आयोग के अनुमोदन के लिए प्रपत्र भेजा जाएगा। अनुमोदन मिलने के बाद इन सहायक मतदान केंद्रों को मूल मतदान केंद्र परिसर में ही स्थापित किया जाएगा। बैठक में जिले के कुल मतदाताओं की संख्या 67,547 बताई गई, जिसमें 45,031 पुरुष, 22,511 महिलाएं, और 5 थर्ड जेंडर के मतदाता शामिल हैं। इस अवसर पर विभिन्न दलों के प्रतिनिधि जैसे कि जदयू के श्री रंजन कुमार, बीजेपी के श्री मनोज कुमार, आरएलजेपी के डॉ एस आसिफ, राजद के श्री जितेंद्र किशोर, बहुजन समाज पार्टी के श्री राजेंद्र कुमार, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के श्री राजकुमार पासवान, भाकपा माले के श्री सूरज कुमार सिंह, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के श्री दिलीप कुशवाहा, कांग्रेस के श्री सबीहुल हसन, और आम आदमी पार्टी के श्री संजय कुमार मयंक उपस्थित थे।

एम्स शिलान्यास के साथ दरभंगा को पीएम मोदी देंगे बाइपास स्टेशन की सौगात

दरभंगा,संवाददाता। बिहार के दूसरे एम्स का शिलान्यास और भूमिपूजन के साथ ही दरभंगा बाइपास रेलवे स्टेशन का उद्घाटन 13 नवंबर को देश के प्रधामनंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों किया जाएगा। इसको लेकर तैयारी जोर शोर से चल रही है। इस कायर्क्रम में लोगों को आने के लिए सांसद गोपालजी ठाकुर की ओर से जिले के विभिन्न गांवों में घुमकर अक्षत वितरित कर निमंत्रण दिया जा रहा है। इधर दरभंगा बाइपास रेलवे स्टेशन के उद्घाटन की तैयारी भी तेज कर दी गई। इस बाइपास रेलवे स्टेशन का निर्माण 389 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है, जिससे सीतामढ़ी रक्सौल की तरह मधुबनी, झंझारपुर सहरसा की तरफ जाने वाली ट्रेनों को दरभंगा जंक्शन पर आकर इंजन घुमाने का झंझट समाप्त हो जाएगा।

अब लोगों को छोटी छोटी बातों को लेकर दिल्ली मुंबई जैसे महानगरों की दौड़ नहीं लगानी होगी। उन्होंने कहा कि अक्षत वितरण करने का मतलब आस्था और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। इसलिए इस कार्यक्रम में आने को लेकर कार्ड बांटकर न्योता देने से ज्यादा बेहतर और विश्वास का प्रतीक है। अक्षत वितरण करने में हमारा अटूट विश्वास है। इस शिलान्यास कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग सम्मिलित होंगे।

देव उत्थान एकादशी की महत्ता एवं परंपरा, बिहार एवं देश में इसके मायने

दीपक कुमार तिवारी

पटना/नई दिल्ली। देव उत्थान एकादशी, जिसे प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण तिथि है। यह पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है और इसका संबंध भगवान विष्णु के योग निद्रा से जागृत होने से है। मान्यता के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी को भगवान विष्णु चार महीने के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं और कार्तिक शुक्ल एकादशी को जागते हैं। इस अवधि को चातुर्मास के नाम से जाना जाता है, जिसमें सभी शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं। देव उठनी एकादशी का दिन भगवान विष्णु के जागरण का प्रतीक है, जिससे पुनः शुभ कार्यों का आरंभ हो सकता है। इस दिन को शादी-विवाह और अन्य मंगल कार्यों की शुरूआत के लिए भी शुभ माना जाता है।

देव उठनी एकादशी का धार्मिक महत्व:

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देव उठनी एकादशी का पालन करने से मनुष्य के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। यह तिथि भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त करने का अवसर है। इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति के पाप कर्मों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग खुलता है। इस दिन व्रती भगवान विष्णु की विशेष पूजा करते हैं और उन्हें तुलसी पत्र अर्पित करते हैं, क्योंकि तुलसी जी को विष्णु जी की अत्यंत प्रिय मानी जाती हैं। इस दिन तुलसी विवाह की परंपरा भी निभाई जाती है, जोकि एक पवित्र अनुष्ठान है और विष्णु जी के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है।

देव उठनी एकादशी की परंपराएँ:

इस दिन विशेष रूप से भगवान विष्णु के प्रतीक शालिग्राम और तुलसी के विवाह की परंपरा होती है। भक्तगण शालिग्राम की पूजा करके उनका तुलसी के साथ विवाह कराते हैं। बिहार और उत्तर भारत में इस अनुष्ठान का विशेष महत्व है। मंदिरों और घरों में तुलसी के पौधे की पूजा कर उसकी पत्तियों से भगवान विष्णु को अर्पित किया जाता है। माना जाता है कि तुलसी विवाह से घर में सुख-समृद्धि और शांति आती है। इसी कारण इस तिथि को विवाह आदि शुभ कार्यों के आरंभ के लिए सबसे उत्तम माना गया है।

बिहार और देश में देव उत्थान एकादशी के मायने:

बिहार में देव उठनी एकादशी का पर्व पूरे धार्मिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। यहाँ के लोग इस दिन व्रत रखते हैं और भगवान विष्णु की आराधना करते हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोग मिलकर सामूहिक पूजा-पाठ और भजन-कीर्तन का आयोजन करते हैं। बिहार में तुलसी विवाह के आयोजन का महत्व भी बढ़ जाता है, जो धार्मिकता और पारिवारिक संबंधों में नयी ऊर्जा का संचार करता है। देश के अन्य भागों में भी देव उत्थान एकादशी को विभिन्न नामों से जाना जाता है और इसकी महत्ता एक जैसी ही मानी जाती है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र में इस पर्व को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। लोग इस दिन घरों में दीप जलाते हैं और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। देव उत्थान एकादशी का पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह समाज में शुभ कार्यों के आरंभ का भी संकेत है। बिहार और देश के अन्य भागों में इसे मनाने का तरीका भले ही अलग हो, लेकिन इसका महत्व समान है। भगवान विष्णु की कृपा से मोक्ष और शांति की प्राप्ति का यह पर्व भारतीय संस्कृति की गहराई और आध्यात्मिकता का प्रतीक है।

खेल परिसर में दिखा टीम इंडिया का क्रेज

एंट्री के लिए सुबह नौ बजे ही लाइन में लगे लोग

संवाददाता। राजगीर। वीमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2024 के रंगारंग आगाज के साथ ही राजगीर में हॉकी का रोमांच चरम पर पहुंच गया। मैच देखने के लिए दर्शकों में काफी उत्साह दिखा। सुबह नौ बजे से ही दर्शक लाइन में लग गये थे। जैसे-जैसे समय बढ़ता गया, दर्शकों की लाइन लंबी होती गयी। दर्शकों में हर उम्र के लोग दिखे. छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक मैच देखने के लिए कतार में लगे हुए थे। मौसम थोड़ा गर्म था, इसके बावजूद दर्शकों का जोश चरम पर था। दर्शकों ने बताया कि बिहार में पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर की बड़ी प्रतियोगिता हो रही है। यह हमलोगों के लिए गर्व की बात है। इससे देश-दुनिया में बिहार की छवि बदलेगी। स्टेडियम में दर्शकों की इंट्री गेट नंबर दो से थी. गेट पर गहन जांच के बाद ही स्टेडियम में जाने की अनुमति दी जा रही थी। स्टेडियम के अंदर कलम, गमछा, पानी की बोतल, खाने-पीने के समान ले जाने पर रोक थी। दर्शक सामान बाहर रखने को मजबूर थे। दर्शकों ने बताया कि गर्मी की वजह से गमछा साथ लाये थे, लेकिन यहां गमछे को भी बाहर रखवाया जा रहा है. सुरक्षा इतनी सख्त थी किसी पुलिसकर्मी को भी बिना पास अंदर जाने नहीं दिया जा रहा था।

मैच को लेकर युवाओं में काफी उत्साह का माहौल रहा। कई युवा आकर्षक वेशभूषा में आये थे। राजगीर से आये नीतिश कुमार सिर पर मुकुट और तिरंगा लेकर मैच देखने आये थे। उन्होंने बताया कि मैं भारत का सपोर्ट करने के लिए आया हूं। इसके लिए कई दिन पहले ही पास बुक कर लिया था। कई युवा दर्शक पारंपरिक ड्रेस में आये थे। कतार में खड़े युवा बार-बार चक दे इंडिया का नारा लगा रहे थे। गेट पर खड़े पुलिस के जवान दर्शकों से बार-बार प्रतिबंधित समान को स्टेडियम के अंदर नहीं ले जाने की अपील कर रहे थे। दर्शक भी उनका भरपूर सहयोग कर रहे थे। गेट नंबर दो के पास कंट्रोल रूम बनाया गया है। यहां से सीसीटीवी से आसपास के क्षेत्र की निगरानी की जा रही है इसके अलावा कंट्रोल रूम में मेडिकल, इलेक्ट्रिसिटी, नगर परिषद, पीएचडी, आपदा मैनेजमेंट की टीम किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार बैठी हुई है।

मैच देखने के लिए आने वाले दशकों की सुविधाओं का खास ख्याल रखा गया है। काफी संख्या में जगह-जगह टॉयलेट और पेयजल की व्यवस्था की गयी है। लोगों ने भी कहा कि यहां आने पर किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो रही है। सरकार की ओर से अच्छी व्यवस्था की गयी है। मौका मिला तो दूसरे दिन भी मैच देखने आयेंगे। मैच देखने के लिए आने वाले दर्शकों ज्यादातर स्थानीय ही थे। राजगीर से बाहर के एक दो लोग ही मिले। बातचीत के दौरान लोगों ने बताया कि ऑनलाइन पास की बुकिंग में कोई परेशानी नहीं हुई। सुबह दस बजे टिकटजिनी एप पर आसानी से पास बुक हो गया। एक दर्शक ने बताया कि सोमवार के मैच के लिए रविवार को पास को बुक किया। मैच शुरू होने से पहले सभी टीमों के हर खिलाड़ी के साथ एक-एक छोटा बच्चे भी मैदान में गया। सभी बच्चे आकर्षक और पारंपरिक वेश-भूषा में थे। टीमों के मैदान में प्रवेश के दौरान दर्शकों ने तालियां बजा कर उनका स्वागत किया। मैच के दौरान खिलाड़ियों के हर मूवमेंट पर दर्शक तालियां बजा कर उनका उत्साह बढ़ा रहे थे। टीम चाहे कोई भी हो, दर्शक सभी का हौसला बढ़ा रहे थे। गोल होने के बाद आतिशाबाजी हो रही थी। चियर्स गर्ल दशकों का मनोरंजन कर रही थीं। दर्शक देर शाम तक स्टेडियम में जुटे रहे। भारत और मलेशिया का मैच शुरू होने से पहले ही दर्शकों की संख्या बढ़ गयी। मैच शुरू होने के बाद पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। दर्शक बार-बार चक दे इंडिया का नारा लगा कर भारतीय टीम का हौसला बढ़ाते रहे।

सिवान में एसटीएफ और कुख्यात जितेंद्र उर्फ जिम्मी के बीच मुठभेड़

सिवान। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के टेढ़ी घाट नगर में बीती रात एक बड़े अपराध की योजना बनाते हुए कुख्यात अपराधी और सुपारी किलर जितेंद्र उर्फ जिम्मी और उसकी गैंग का सामना पुलिस से हुआ। सिवान पुलिस, SOG-7 और STF की संयुक्त कार्रवाई में हुई इस मुठभेड़ में जितेंद्र के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल जितेंद्र को इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने 79 पुड़िया स्मैक, एक मोटरसाइकिल, 4 मोबाइल और 12,500 रुपए नकद बरामद किए हैं। साथ ही तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जितेंद्र उर्फ जिम्मी, जो सिविल कोर्ट कर्मी गोल्डेन हत्याकांड में लंबे समय से फरार था, को पकड़ने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रळ्ऋऔर पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में अपराध पर लगाम लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

चरण सिंह

विचार

मायावती के साथ ही अखिलेश के लिए भी टेंशन बनने वाले हैं चंद्रशेखर!

आजाद समाज पार्टी के संरक्षक और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने जिस तरह से लोकसभा में बीजेपी पर आजम खां का उत्पीड़न करने का आरोप लगाया, जिस तरह से वह जेल में उनके बेटे अब्दुल्ला आजम से मिले और इस संकट के समय उनके परिवार के साथ रहने का वादा किया। जिस तरह से जब चंद्रशेखर आजाद पर हमला होने के बाद आजम खां अपने बेटे के साथ चंद्रशेखर आजाद से मिलने उनके घर पहुंचे थे और चंद्रशेखर आजाद पर लाड़ उडेला था। जिस तरह से चंद्रशेखर आजाद ने नगीना लोकसभा सीट पर दलितों के साथ ही मुस्लिमों का वोट हासिल किया। वह भी तब जब बसपा मुखिया मायावती ने उनकी पार्टी को वोट कटुवा तो अखिलेश यादव ने उनके लिए सीट नहीं छोड़ी। इन सब बातों के आधार पर कहा जा सकता है कि चंद्रशेखर आजाद आने वाले समय में न केवल बसपा मुखिया मायावती बल्कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के के लिए भी दिक्कतें पैदा कर सकते हैं।

दरअसल चंद्रशेखर आजाद नगीना से सांसद बनने के बाद फुल फॉर्म में हैं। यूपी उप चुनाव में वह दलित-मुस्लिम समीकरण बनाने में लगे हैं। देखने की बात यह है कि मायावती के बीजेपी के दबाव में होने की वजह से उत्तर प्रदेश विशेष रूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दलित चंद्रशेखर आजाद को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। भले ही मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी बनाया हो पर गत लोकसभा चुनाव में जिस तरह से उन्होंने उन्हें घर बैठा दिया था तथा उन्हें अपरिपक्व नेता करार दे दिया था, उससे दलितों में गलत संदेश गया। वैसे भी मायावती और अखिलेश यादव आरामतलबी राजनीति कर रहे हैं तो चंद्रशेखर आजाद एक आंदोलनकारी नेता के रूप में काम कर रहे हैं। चाहे किसानों का आंदोलन हो, मजदूरों का आंदोलन हो वकीलों का आंदोलन या फिर कोई और समस्या को लेकर आंदोलन हो हर जगह चंद्रशेखर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश करते हैं।

लोकसभा चुनाव में जिस तरह से मुस्लिम इंडिया ब्लॉक की ओर गया और मुस्लिमों का रुख कांग्रेस की ओर माना जा रहा है और कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ रही है। आजम खां प्रकरण को लेकर उत्तर प्रदेश का मुस्लिम समाज अखिलेश यादव से नाराज देखा जा रहा है, ऐसे में चंद्रशेखर आजाद का प्रयास है कि मुस्लिम वोटबैंक आजाद समाज पार्टी को मिले। ऐसे में चंद्रशेखर आजाद लगातार अखिलेश यादव की टेंशन बढ़ा रहे हैं। भले ही चंद्रशेखर आजाद अखिलेश यादव को बढ़िया नेता बता रहे हों पर लोकसभा चुनाव में उनके लिए सीट न छोड़ने की टीस चंद्रशेखर आजाद में है। वैसे भी चंद्रशेखर आजाद ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने दम पर चुनाव लड़ेंगे। फिलहाल उनकी पार्टी किसी से गठबंधन नहीं करने जा रही है। उत्तर प्रदेश विधानसभा उप चुनाव में चंद्रशेखर आजाद का प्रयास है कि वह खाता खोलें। उप चुनाव में यदि चंद्रशेखर आजाद का खाता खुल जाता है तो आने वाले समय में उनकी पार्टी के लिए बड़ा रास्ता तैयार हो जाएगा।

जम्मू कश्मीर में फिर 370 का राग

-सुरेश हिंदुस्तानी-

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद नई प्रदेश सरकार ने फिर से पुराने एजेंडे पर काम करना प्रारम्भ कर दिया है। इससे निश्चित ही यह संकेत मिलता है कि जिस धारा 370 और 35ए के कारण कश्मीर को शेष भारत से अलग दिखने जैसी स्थिति दिखती थी, वैसी ही स्थिति पैदा करने का प्रयास नई सरकार यानी कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किया जा रहा है। राज्य की नई सरकार का यह कदम पाकिस्तान के हौसले बढ़ाने वाला ही लगता है, क्योंकि पाकिस्तान धारा 370 के कारण ही कश्मीर को अपना बताने का कुचक्र रचता रहा है। धारा 370 के बहाने राज्य को मिले विशेष अधिकारों के चलते ही पाकिस्तान ने अपना नेटवर्क स्थापित किया था, जिसके कारण वहां के नागरिक भारतीय सेना के प्रति अलगाव का व्यवहार करते दिखाई दिए। उस समय पाकिस्तान परस्त आतंकी कश्मीर में युवाओं को भ्रमित करते रहते थे। अब उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू कश्मीर में फिर से अलगाव के बीज रोपित करने का काम किया है। जिसमें कांग्रेस की भी भागीदारी है। हालांकि कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं है, बाहर से समर्थन दे रही है। जम्मू कश्मीर में जब धारा 370 कायम थी, तब राज्य ने क्या खोया था, यह पूरा देश जानता है। घाटी में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी घटनाएं होती रहती थी। वर्तमान केंद्र सरकार ने धारा 370 हटाकर कश्मीर को शेष भारत से समरस करने का काम किया है। इसीलिए आज जम्मू कश्मीर आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगा पाने में बहुत हद तक सफल हुआ है।

वर्तमान में पूरे देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने के स्वर मुखरित होने लगे हैं। समान नागरिक कानून निश्चित ही सभी नागरिकों को समान अधिकार देने का हिमायती है, लेकिन दूसरी ओर जम्मू कश्मीर में अलग संविधान को मान्यता देने वाली धारा 370 को लाने का प्रयत्न किया जा रहा है। यह धारा जम्मू कश्मीर को अलग पहचान देने का काम करती है। इसके चलते कश्मीर का संविधान और ध्वज अलग हो जाएगा, जो भारत के संविधान और तिरंगा से अलग होगा। यह स्थिति डॉ. भीमराव अम्बेडकर के संविधान से अलग प्रकार की होगी। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वह बयान स्वतः ही खारिज हो जाता है, जिसमें वह कहते हैं कि भाजपा संविधान फाड़कर फेंकना चाहती है। इसका एक आशय यह भी प्रादुर्भित होता है कि कांग्रेस संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस कौन से संविधान को बचाना चाहती है, यह और स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि बाबा साहब अम्बेडकर कभी भी जम्मू कश्मीर को अलग दरजा देने के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने संविधान में इसको जोड़ने से इंकार कर दिया था। अम्बेडकर जी के मना करने के बाद शेख अब्दुल्ला, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पास पहुंचे, जिन्होंने बाबा साहेब अम्बेडकर की भावना को दफन करते हुए शेख अब्दुल्ला को प्रसन्न करते हुए धारा 370 का समावेश संविधान में करा दिया। आज कांग्रेस भले ही इस बात का दम्भ भरे कि वह संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस के कार्य ऐसे लगते नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की सरकार ने ही आपातकाल लगाकर भारत के नागरिकों के सारे अधिकार छीन लिए थे, जो बहुत बड़ा संविधान विरोधी कदम था। क्योंकि उस समय आपातकाल लगाने जैसी स्थिति नहीं थी। यह सारा खेल अपनी कुर्सी को बचाने के लिए किया गया था। आपातकाल संविधान की हत्या करने जैसा ही था। पांच वर्ष पूर्व केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपने वादे के मुताबिक जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने वाली धारा 370 और 35ए को विलोपित कर दिया। उल्लेखनीय है कि भाजपा का यह कदम किसी भी प्रकार से किसी के विरोध में इसलिए नहीं कहा जा सकता, क्योंकि भाजपा के हर घोषणा पत्र में इस धारा को हटाने की बात की। इन्हीं वादों को पूरा करने के लिए भाजपा को समर्थन मिला। जब जनता ने भाजपा के वादों को पूरा करने के लिए समर्थन दिया, तब स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि भाजपा ने वही काम किया, जो जनता चाहती थी। अब जम्मू कश्मीर में भारत का संविधान चलता है, राज्य का अपना कोई संविधान नहीं है। इतना ही नहीं जम्मू कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। इसलिए उसके संवैधानिक अधिकार सीमित हैं। इसलिए जम्मू कश्मीर की सरकार संविधान में बदलाव करने का कोई संवैधानिक हक नहीं रखती। यह केंद्र सरकार का काम है।

सार्क की चुनौतियों का समाधान कैसे कर सकता है भारत ?

-डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत अलग-अलग सार्क सदस्यों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है जिससे अधिक बहुपक्षीय सफलता मिल सकती है। कनेक्टिविटी और व्यापार पर बांग्लादेश के साथ भारत के हालिया प्रयासों ने सार्क की सीमित प्रगति के बावजूद द्विपक्षीय सहयोग में सुधार किया है।

सार्क के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत ने क्षेत्रीय सहयोग के लिए लगातार पहल की है। हालांकि, भारत के प्रयासों के बावजूद, संगठन अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले कुछ वर्षों में इसकी प्रभावशीलता सीमित रही है। भारत सार्क के भीतर आर्थिक सहयोग, संपर्क और क्षेत्रीय विकास को आगे बढ़ाने में केंद्रीय भूमिका निभाता रहा है। भारत दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, जिसका उद्देश्य अंतर-क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देना था। भारत ने आतंकवाद और सीमा पार खतरों से निपटने के लिए सार्क के प्रयासों का नेतृत्व किया है, जिसमें कई सुरक्षा सहयोग पहलों का प्रस्ताव दिया गया है। भारत ने 1987 में आतंकवाद के दमन पर सार्क क्षेत्रीय सम्मेलन के निर्माण का नेतृत्व किया। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, कई चुनौतियों के कारण सार्क की प्रभावशीलता सीमित बनी हुई है।

साफ्टा के बावजूद, अंतर-सार्क व्यापार 5% से कम बना हुआ है, जो खराब आर्थिक एकीकरण और सार्क की आर्थिक क्षमता को साकार करने में सीमित सफलता को दशार्ता है। आसियान के साथ भारत का व्यापार सार्क देशों के साथ उसके व्यापार से अधिक है, जो महत्वपूर्ण आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने में सार्क की विफलता को रेखांकित करता है। प्रमुख राजनीतिक मतभेदों, विशेष रूप से भारत और पाकिस्तान के बीच, ने शिखर-स्तरीय सहभागिताओं को बाधित किया है, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया रुक गई है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण 2016 का सार्क शिखर सम्मेलन अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था, जो राजनीतिक सामंजस्य के टूटने का संकेत था। सार्क की निर्णय लेने की प्रक्रिया में आम सहमति की आवश्यकता होती है, जिससे पहल धीमी हो गई है, क्योंकि सदस्य देशों के बीच असहमति अक्सर प्रगति को रोक देती है।

पाकिस्तान की आपत्तियों के कारण सार्क मोटर वाहन समझौता लागू नहीं हो पाया है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क प्रयास रुक गए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे भू-राजनीतिक तनाव ने अक्सर सार्क की पहल को पटरी से उतार दिया है और इसकी समग्र प्रभावशीलता को सीमित कर दिया है। 2016 में उरी हमले के कारण भारत ने सार्क शिखर सम्मेलन का बहिष्कार किया, जिससे क्षेत्रीय सहयोग को और झटका लगा। सार्क सदस्यों, विशेष रूप से भारत और छोटी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापक आर्थिक मतभेदों ने समान आर्थिक सहयोग हासिल करना चुनौतीपूर्ण बना दिया है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद से आठ गुना अधिक है, जिससे व्यापार वार्ता और अपेक्षाओं में असंतुलन पैदा होता है। राजनीतिक इच्छाशक्ति और क्षमता की कमी के कारण सार्क समझौतों को अक्सर कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण देरी का सामना करना पड़ता है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए सार्क खाद्य बैंक का कम उपयोग होने के कारण व्यावहारिक प्रभाव बहुत कम रहा है।

कई सार्क देश आर्थिक और रणनीतिक सहायता के लिए चीन जैसी बाहरी शक्तियों पर निर्भर हैं, जिससे सार्क का आंतरिक सहयोग कमजोर हुआ है। नेपाल और श्रीलंका की चीनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर बढ़ती निर्भरता ने सार्क की क्षेत्रीय एकता को कमजोर किया है। सार्क के पास निर्णयों को लागू करने या अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत सुपरनैशनल निकाय का अभाव है, जिससे यह क्षेत्रीय नीतियों को लागू करने में अप्रभावी हो गया है। यूरोपीय संघ के विपरीत, सार्क के पास निर्णयों को लागू करने या विवादों को हल करने के लिए अधिकार रखने वाले संस्थान नहीं हैं।

भारत अलग-अलग सार्क सदस्यों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है जिससे अधिक बहुपक्षीय सफलता मिल सकती है। कनेक्टिविटी और व्यापार पर बांग्लादेश के साथ भारत के हालिया प्रयासों ने सार्क की सीमित प्रगति के बावजूद द्विपक्षीय सहयोग में सुधार किया है। भारत सार्क की निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार के प्रयासों का नेतृत्व कर सकता है, आम सहमति के बजाय बहुमत आधारित निर्णयों की वकालत कर सकता है, जो अक्सर प्रगति को रोकता है। भारत बिम्सटेक तंत्र के समान सुधारों का प्रस्ताव कर सकता है, जिसने क्षेत्रीय समझौतों में अधिक लचीलापन दिया है। भारत सार्क ढांचे के भीतर व्यापार सुविधा, संपर्क परियोजनाओं और निवेश को बढ़ाकर गहन आर्थिक एकीकरण के लिए प्रयास कर सकता है।

बांग्लादेश, भूटान और नेपाल के साथ परिवहन संपर्क पर भारत की बीबीआईएन पहल पाकिस्तान की अनिच्छा को दरकिनार करती है और उप-क्षेत्रीय सहयोग की क्षमता को प्रदर्शित करती है। भारत सार्क देशों के बीच सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए सांस्कृतिक कूटनीति, शैक्षिक आदान-प्रदान और पर्यटन का लाभ उठा सकता है। सदस्य देशों के छात्रों के लिए भारत की सार्क छात्रवृत्ति ने शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है। भारत को बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश जारी रखना चाहिए जो पूरे क्षेत्र में संपर्क को बढ़ाते हैं, व्यापार और लोगों से लोगों के बीच संपर्क को सुविधाजनक बनाते हैं। भारत-नेपाल रेल लिंक परियोजना क्षेत्रीय संपर्क को बेहतर बनाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता का उदाहरण है, भले ही सार्क-स्तरीय पहल ठप हो गई हो।

संगठन की चुनौतियों के बावजूद सार्क में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका सुधार के अवसर प्रस्तुत करती है। द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देकर, क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देकर और संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाकर, भारत सार्क को पुनर्जीवित कर सकता है और दक्षिण एशिया की स्थिरता और विकास की संभावनाओं को बढ़ा सकता है।

चीन से जंग में हार का दोषी नेहरू जी को क्यों न माना जाए?

-आर.के. सिन्हा-

भारत और चीन के बीच हाल ही में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इससे या आशा की जाती है कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को हल करने में मदद मिलेगी। दशकों बाद यह एक सकारात्मक पहल हुई है। सबको पता है कि दोनों मुल्कों के सीमा विवाद के कारण ही 1962 में जंग भी हुई थी। उस जंग में भारतीय सेना के वीर जवानों ने चीन के गले में अंगूठा तो डाल दिया था, पर चीन ने हमारे बहुत बड़े हिस्से पर कब्जा भी कर लिया था। चीन के खिलाफ जंग में भारत के उन्नीस रहने के लिए कौन मुख्य रूप से दोषी था? कांग्रेस नेता और देश के पूर्व विदेश मंत्री के. नटवर सिंह कहते थे कि चीन नीति पर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की दूरदृष्टि की कमी थी। इसी कारण 1962 में भारत की सेना चीन से हारी थी। उस जंग के समय नटवर सिंह भारतीय विदेश सेवा के एक वरिष्ठ ज़िम्मेदार अफसर थे। वे कहते थे, "जवाहरलाल नेहरू का मानना था कि हम चीन के साथ अच्छे संबंध बना सकते हैं। वे समझ ही नहीं सके कि चीन हमारी पीठ पर छुरा घोंप देगा। दुर्भाग्यवश, उनकी चीन नीति बुरी तरह से गलत साबित हुई। यह लिखा है पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह ने जो कांग्रेस सरकार में ही मंत्री थे।

स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में जवाहरलाल नेहरू का कार्यकाल चीन के साथ संबंधों में सदैव उतार-चढ़ाव का ही बना रहा। 1949 में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना से लेकर 1964 में मृत्यु तक, नेहरू का दृष्टिकोण चीन के प्रति विश्वास और आकर्षण से शुरू होकर अंततः चरम उदासीनता में बदल गया था। चीन से स्पष्ट नकारात्मक संकेतों के बावजूद, नेहरू हिंदी - चीनी भाई-भाई का नारा बुलंद कर न जाने क्यों संबंध के भ्रम को बनाए रखने के लिए ही उत्सुक थे। वे देश को चीन से जुड़े विवाद को लगातार छिपाते रहे और कृष्णमेनन जैसे कम्युनिस्ट की बात मानकर लगातार देश विरोधी गलत निर्णय लेते रहे।

दरअसल नेहरू के साथ एक बड़ी दिक्कत यह थी कि उन्हें लगता था कि सारा बुद्धि- विवेक और समझदारी उन्हीं के पास है। चीन से युद्ध के बाद उनके जन्म दिन (14 नवंबर) को संसद में चीन से युद्ध के परिणामों पर हो रही चर्चा पर उन्हें बोलना था। चर्चा 8 नवंबर, 1962 से ही जारी थी। सभी दलों के नेता अपनी बेबाक राय रख रहे थे। संसद के बाहर भी नेहरू को ही घेरा जा रहा था। लोहिया ने 1949 में ही देश को आगाह कर दिया था कि उत्तरवर्ती सीमाओं से देश पर साम्यवाद का खतरा मंडरा रहा है। यह बात उन्होंने खासतौर पर तिब्बत, नेपाल और सिक्किम में चीन की भूमिका को लक्ष्य करते हुए कही थी। साल 1950 में तिब्बत पर चीन के हमले की निंदा करने वालों में डॉ० लोहिया अग्रणी रहे। इसके बाद से उन्होंने लगातार चीन की सीमा पर नजर जमाये रखी और नेहरू को खबरदार किया कि चीनी निजाम को उसकी कथनी के हिसाब से देखना-समझना या फिर चीन के साथ सीमाओं को लेकर किसी किस्म के लेन-देन की बातचीत में उतरना ठीक नहीं। साल 1962 में भारत को जो सदमा झेलना पड़ा उसके लिए लोहिया ने नेहरू को बड़ी खरी-खरी सुनायी थी। खैर, नेहरू ने संसद में लंबी बहस के बाद अपना वक्तव्य देना शुरू करते हुए कहा- मुझे दुख और हैरानी होती है कि अपने को विस्तारवादी शक्तियों से लड़ने का दावा करने वाला चीन खुद विस्तारवादी ताकतों के नक्शेकदम पर चलने लगा। उन्हें सारा सदन पूरी गंभीरता से सुन रहा था। नेहरू जी बता रहे थे कि चीन ने किस तरह से भारत की पीठ पर छुरा घोंपा। पर जब उनके भाषण के बीच किसी सदस्य ने हस्तक्षेप किया तो वे बुरी तरह नाराज हो गए। पहली बार करनाल से सांसद स्वामी रामेश्वरानन्द ने व्यंग्य भरे अंदाज में कहा, ह्यचलो अब तो आपको भी चीन का असली चेहरा दिखने लगा। इस टिप्पणी पर नेहरू नाराज हो गए। कहने लगे, अगर माननीय सदस्य चाहें तो उन्हें सरहद पर भेजा जा सकता है। सदन को भी नेहरू की यह बात समझ नहीं आई। नेहरू प्रस्ताव पर बोलते ही जा रहे थे। तब एक और सदस्य एच.वी.कामथ ने कहा, ह्लआप बोलते रहिए। हम बीच में व्यवधान नहीं डालेंगे।

अब नेहरू विस्तार से बताने लगे कि चीन ने भारत पर हमला करने से पहले कितनी तैयारी की हुई थी। इसी बीच, स्वामी रामेश्वरानंद ने फिर तेज आवाज में कहा, ह्यमैं तो यह जानने में उत्सुक हूं कि जब चीन तैयारी कर रहा था, तब आप क्या कर रहे थे? अब नेहरू अपना आपा खो बैठे और कहने लगे, ह्यमुझे लगता है कि स्वामी जी को कुछ समझ नहीं आ रहा। मुझे अफसोस है कि सदन में इतने सारे सदस्यों को रक्षा मामलों की पर्याप्त समझ नहीं है। वे सदन में अंग्रेजी में अपनी बात रख रहे थे। निश्चित रूप से चीन से जंग के कारण वे हताश थे।

रंग, रस, गंध, स्पर्श, नाद इनका यह आदमी इतना चहेता होगा इसकी मुझे कल्पना भी नहीं थी

प्रोफेसर राजकुमार जैन

रचनाकारों की नजर में

(भाग- 3)

'नई सभ्यता का सपना' के लेखक ओम प्रकाश दीपक 21 वर्ष की आयु में 1948 में राममनोहर लोहिया के नेतृत्व में बनी सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य बन गए थे। 1949 आजाद हिंदुस्तान में लोहिया की प्रथम गिरफ़्तारी के वक़्त नेपाल की तानाशाही के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए, लोहिया के साथ पत्नी कमला दीपक के साथ गिरफ्तार हो के दो महीने की कैद के अतिरिक्त जुमार्ना न दे पाने की एवज में 6 हफ़्ते की अतिरिक्त केंद्र की सजा भी इनको मिली थी।

दीपक की प्रतिभा के कारण इन्हें सोशलिस्ट पार्टी के केंद्रीय कार्यालय से निकलने वाली अंग्रेजी पत्रिका "मैनकान्ड", साहित्यिक पत्रिका कल्पना, बाद में दिल्ली में 'जन' साप्ताहिक तथा जयप्रकाश जी के आदेश पर ह्लएवरीमैंस वीकली" के संपादक मण्डल वे शामिल रहे। "व्हील ऑफ हिस्ट्री" जैसे लोहिया के ग्रंथ का 'इतिहास चक्र' के नाम से अनुवाद भी किया। कहना न होगा, इतने बड़े बुद्धिजीवी होने के साथ-साथ दीपक लोहिया के सत्याग्रह के सिपाही भी हमेशा बने रहे। उन्होंने लोहिया की वैचारिकी को बहुत अच्छे ढंग से समझा और अपने लेखन तथा शिक्षण शिविरों में पारिभाषित भी किया।

इन्दूमति केलकर द्वारा लिखित "डॉ० राममनोहर लोहिया जीवन और दर्शन", लोहिया की एकमात्र विस्तृत जीवनी है, लोहिया पर लिखी गई अधिकतर किताबों में इसी पुस्तक का सहारा लिया गया है। जयप्रकाश नारायण ने इसके आशीर्वचन में लिखा है. ह्लश्रीमती इंदू केलकर समाजवादी आंदोलन की सक्रिय कार्यकर्ता रही है। डॉ० लोहिया से उनका निकट संबंध था, उन्होंने इस पुस्तक में लोहिया के जीवन तथा कार्यों को निष्ठापूर्वक प्रस्तुत करने का प्रयास किया है.... जिन पाठकों को लोहिया से मिलने का अवसर नहीं मिला, वे इस पुस्तक में लोहिया के उथल-पुथल भरे जीवन उनके अत्यंत मौलिक चिंतन की झलक पा सकेंगे।

किताब में शामिल उनका लेख 'लोहिया का अंग्रेजी हटाओ आंदोलन' लोहिया की सियासत का सबसे विवादास्पद तथा चर्चित अंग था, जिसके कारण लोहिया को अंग्रेजी पढ़े लिखे भद्र समाज तथा शासन में बैठे उच्च अधिकारियों, तथाकथित बुद्धिजीवियों तथा दक्षिण के नेताओं का भयंकर रोष का शिकार होना पड़ा था। लोहिया की भाषा नीति पर प्रकाश डाल रहा है। लोहिया ने लिखा था। ह्लएक चीज याद रखना यह सब इसलिए नहीं है कि अंग्रेजी विदेशी भाषा है। यह तो है ही लेकिन खाली विदेशी भाषा होने से बात समझ में नहीं आती। विदेशी-भाषा लेकिन उनके साथ ही साथ बड़ा रोग है कि यह सामंती भाषा है। ठाट-बाट की, शान-शौकत की, बड़े लोगों की, धनवानों की, एक प्रतिशत लोगों की सामंती भाषा है और अपने देश पर संस्कृति का यह कोढ़ फूट रहा है - एक तरफ सामंती संस्कृति और दूसरी तरफ जनता की संस्कृति जो डेढ-दो हजार वर्ष से चली आ रही है।"

मध्यप्रदेश के सोशलिस्ट नेता जगदीश जोशी ने अपने 'खालीपन का गीतः एक संस्मरण' में रीवा के पास ह्यउचेहरा' गाँव से लोहिया के लगाव का चित्र खींचा है। वह लोहिया की दादी का गाँव था, बचपन में ही माँ का साया उठने के कारण, उनका लालन- पालन दादी ने ही किया था। सतना के स्टेशन पर डॉ. लोहिया की दादी लोहिया से शादी करवाने के लिए किसी लड़की को दिखाने के लिए लाई थी। जोशी जी का अनुमान था कि ऐसा लगता कि जैसे दादी की इच्छा पूरी न कर पाने का खालीपन उनके अंदर रहा।

पुरुषोत्तम लक्ष्मण देशपांडे, एक लोकप्रिय मराठी लेखक, नाटककार, अभिनेता, कथाकार, पटकथा लेखक, गायक, संगीतकार जिनको अनेकों पदवी और पुरस्कारों से नवाजा गया, जिन्होंने रविन्द्रनाथ टैगोर की प्रसिद्ध रचना गीतांजलि का मराठी अनुवाद भी किया, उन्होंने ह्यलोहिया-एक रसिक तपस्वी' में "अंग्रेजी हटाओह्व का नारा देने वाले डॉ० लोहिया की अंग्रेजी की तारीफ करते हुए लिखा डॉ० लोहिया अंग्रेजी के पण्डित थे। अंग्रेजी लिखने या बोलने में व्याकरण की एक छोटी सी गलती भी झट से उनकी समझ में आ जाती थी वह लिखते है लोहिया जी में जो कवि है यह मैंने देखा। रंग, रस, गंध, स्पर्श, नाद इनका यह आदमी इतना चहेता होगा इसकी मुझे कल्पना भी नहीं थी।

राजेश्वरी प्रसाद ने 'लोहिया की इतिहास दृष्टि में' लोहिया की पुस्तक 'इतिहास चक्र' को आधार बनाकर उसके दार्शनिक पक्ष की मीमांसा की है। लोहिया द्वारा अंग्रेजी में लिखी पुस्तक 'व्हील ऑफ हिस्ट्री' जिसका हिंदी अनुवाद 'इतिहास चक्र' की शक्ल में प्रकाशित हुआ, के बारे में कहा जा सकता है कि लोहिया के वैचारिक दर्शन को जानने के लिए यह सबसे अच्छा मार्ग है। लोहिया ने इस किताब में बताया है कि सभ्यताएं किस रास्ते को अपनाकर मानवता को उत्थान-पतन, कष्टों से छुटकारा दिलवा सकती है। लोहिया इसमें चेताते है श्रेष्ठता, जोरावरी इतिहास में बदलती रहती है जो पहले शीर्ष पर है वह नीचे और जो नीचे है उसके ऊपर जाने की प्रक्रिया मुसलसल चलती रहती है। इसमें वे कार्ल मार्क्स द्वारा प्रतिपादित रैखिक विकास, दर्शन की सीमाएँ भी गिनवाते हैं।

मार्क्स और हीगेल के इतिहास दर्शन में बुनियादी एकरूपता भी दशार्ते है। हिंदुस्तानी संदर्भ में वर्ग और वर्ण का उदाहरण देकर 'अस्थिर वर्ण को वर्ग कहते है और स्थायी वर्ग वर्ण कहलाते हैं, जो लोग मानव समाज के सभी वर्गों और वर्णों का अंत चाहते है, उन्हें मानव इतिहास की प्रेरक शक्तियों को समझना होगा। इसमें लोहिया जड़ और चेतन के संबध पर भी रोशनी डालते है। लोहिया इस पुस्तक में इतिहास चक्र तोड़ने और उसकी प्रक्रिया पर विचार करते है, परंतु क्या यह चक्र टूटेगा इसकी कोई भविष्यवाणी लोहिया नहीं करते परंतु उन संभावनाओं को टटोलते है जिसमें इतिहास चक्र टूट सके।

लोहिया मानव की मुक्ति और तरक्की के लिए कुछ बातों को बेहद जरूरी मानते हैंः दुनिया में जो भी उपलब्ध है वह सभी इंसानों के लिए हो। इसमें क्षेत्रीयता, राष्ट्रीयता, समूहों जाति, वर्ग, लिंग, रंग किसी भी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए।

निजाम इस बात की गारंटी करे कि नागरिकों की मुकम्मल शख्सियत की हिफाजत के साथ-साथ उसकी इंसानियत के इजाफे की भी पूरी गूंजाइश हो, उसकी दिमागी, रूहानी, पाक-साफ जरूरतें भी पूरी हो तथा उसकी इंसानियत से भरी इन तरंगों का विकास हो। लोहिया की नजर में संपूर्ण कौशल पर टिका ही समाज ही सही होता है।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे शिवप्रसाद सिंह हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार थे । 'नीला चाँद', 'कोहरे में युद्ध', 'दिल्ली दूर है', 'गली आगे मुड़ती है जैसी उनकी रचनाओं पर व्याससम्मान, साहित्य अकादमी जैसे कई सम्मानों से सम्मानित किया गया था। बौद्धिक रूप से वे लोहिया से प्रभावित थे। जवाहरलाल नेहरू के भी वे प्रशंसक थे। नवंबर 1977 में धर्मयुग में उन्होंने 'नेहरू की प्रासंगिकता' लेख में लिखा : ह्लनेहरू का सांस्कृतिक व्यक्तित्व अत्यंत मनोहारी था.... संस्कृतियों के हजारों फूल खिलते रहे, वे इसके लिए बड़े जागरूक और उत्सुक थे।ह्व

परंतु लोहिया से तुलना करते हुए शिवप्रसाद सिंह लिखते हैः "सब कुछ होते नेहरू का सांस्कृतिक व्यक्तित्व एक स्वप्नद्रष्टा का व्यक्तित्व था, वे लोहिया की तरह ठोस धरती की बात नहीं करते और न तो उनके आचरण में ही यह प्रतिफलित नेहरू-छायावादी व्यक्तित्व के निकट थे, उनमें गरिमा थी, सांस्कृतिक प्रेम था, व्यक्ति- स्वातंत्र्य के प्रति निष्ठा थी, पर वे वायवी (पश्चिमी) दुनिया से अपना संबंध तोड़ नहीं पाये । किताब में शामिल किये गए लेख 'लोहिया का सांस्कृतिक मानस' में वे लोहिया की सांस्कृतिक दृष्टि में वे सभी बातें प्रमाण सहित पेश करते हैं।

(जारी- है)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

विधायक जगमोहन आनंद ने नगर निगम के विकास कार्यों की ली समीक्षा बैठक, सख्त निर्देश- जिम्मेदारी से काम करे अधिकारी

☐सीएम अनाउंसमेंट, 10 करोड़ की लागत के विकासकार्यों, सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाईट व फॉगिंग जैसे विषयों को लेकर की समीक्षा

☐नगर निगम के विकासकार्यों को लेकर विधायक की अध्यक्षता में हर महीने आयोजित होगी बैठक

करनाल, (विसु)। विधायक जगमोहन आनंद ने सोमवार को नगर निगम कार्यालय में करनाल नगर निगम से जुड़े विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीएम अनाउंसमेंट, 10 करोड़ की लागत से हो रहे विकासकार्यों, शहर की सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाईट व फॉगिंग विषय मुख्य रहे । इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पूर्व मेयर रेनूबाला गुप्ता, भाजपा के जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता, नगर निगम कमिश्नर डॉ. वैशाली शर्मा भी मौजूद रही। विधायक जगमोहन आनंद ने सर्वप्रथम सीएम अनाउंसमेंट को लेकर समीक्षा की। उन्होंने एक-एक करके सभी वार्डों में सीएम अनाउंसमेंट के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि जो भी कार्य काफी समय से लंबित पड़े हैं, उन पर विशेष फोकस किया जाए। सभी कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि जहां भी सीएम अनाउंसमेंट के तहत कार्य पूरा हो, वहां बोर्ड लगाया जाए और उस प्रोजेक्ट की राशि, पार्षद का नाम भी अंकित किया जाए, ताकि विकासकार्यों के बारे में जनता को भी पता चले।

सीवरेज की समस्या का तत्काल हो समाधान

विधायक जगमोहन आनंद ने शहर की सीवरेज समस्या के बारे में अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस समस्या का तत्काल समाधान किया जाए। इसके साथ-साथ शहर में सफाई भी सही तरीके से की जाए। जो भी सीवरेज जाम है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर खोला जाए। उन्होंने 10 करोड़ की लागत से हो रहे विकासकार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि शहर के सौंदर्यकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बंदरों को पकड़ने का कार्य तत्काल हो शुरू

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि शहर में बंदरों की बड़ी समस्या है। इस विषय पर तत्काल टेंडर किया जाए, यदि टेंडर हो रखा है तो संबंधित कंपनी या ठेकेदार को तत्काल बंदर पकड़ने के लिए निर्देश दिए जाए। यदि वे सही से कार्य न करें तो तत्काल टेंडर रद्द किया जाए और उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने इस समस्या को लेकर समयबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए।

नाइट स्वीपिंग को लेकर किया जाए टेंडर

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि शहर में नाइट स्वीपिंग से अच्छी सफाई व्यवस्था बनी हुई थी। इसे दौबारा शुरू किया जाए और इसको लेकर टेंडर किया जाए। यदि निगम में सफाई कर्मचारियों की संख्या कम है तो उसे बढ़ाना चाहिए। विधायक जगमोहन आनंद ने सफाई कर्मचारियों की संख्या को बढ़ाया जाए।

फॉगिंग का शैड्यूल हो जारी

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि इस समय डेंगू के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में नगर निगम तत्काल सभी वार्डों में फॉगिंग करवाए। वहीं फॉगिंग को लेकर वार्ड वाइज शैड्यूल भी जारी किया जाए। इस शैड्यूल को समाचार पत्रों व मीडिया में प्रकाशित करवाया जाए। इसके साथ-साथ विधायक जगमोहन आनंद ने नगर निगम के उन अधिकारियों के नंबर भी सार्वजनिक करने के लिए कहें हैं जो सफाई, सीवरज आदि का काम देखते हैं ताकि आमजन उन्हें सीधे फोन कर सकें।

पार्षदों ने दी लिखित डिमांड

बैठक के दौरान पार्षदों ने अपने वार्डों से जुड़ी लिखित डिमांड विधायक को दी। वहीं जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता ने भी एनडीआरआई चौक से आईटीआई चौक के सौंदर्यकरण, काछवा रोड पर सड़क के साथ बनाई गई फुटपाथ व अन्य विषयों की ओर ध्यान दिलाया। पूर्व मेयर रेनूबाला गुप्ता ने भी शहर से जुड़े विभिन्न मुद्दों को बैठक में रखा। इन सभी विषयों पर विधायक जगमोहन आनंद ने नगर निगम कमिश्नर के माध्यम से अधिकारियों को अवगत करवाए। बैठक में निगम कमिश्नर डॉ. वैशाली शर्मा ने कहा कि सभी अधिकारी तत्परता से कार्य करें, यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी काम में कौताही बरतेगा तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विधायक जगमोहन आनंद को आश्वासन दिलवाया कि उनके दिए गए दिशा निर्देश पर नगर निगम की टीम बेहतर कार्य कर-के दिखाएगी। बैठक में संयुक्त आयुक्त देवेंद्र शर्मा, अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार, उप निगम आयुक्त अशोक कुमार, मुख्य नगर योजनाकार धर्मपाल सिंह, कार्यकारी अभियंता मोनिका शर्मा व प्रियंका सैनी, क्षेत्रीय कराधान अधिकारी अंकुश पराशर, पूर्व उप महापौर नवीन कुमार, पूर्व वार्ड पार्षद मुकेश अरोड़ा, मोनू, जय भगवान कश्यप, जोगिंदर शर्मा, वीर विक्रम कुमार, रजनी परोचा मोनिका गर्ग, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राजेंद्र सिरसी व भूपेंद्र नौतन, मनोनीत पार्षद दीपक गुप्ता, विकास तंवर व विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

हवाई अड्डों पर सिखों को कृपाण पहनने की पाबंदी तुरंत हटाई जाए: स्पीकर संधवां

☐अमृतधारी सिख कर्मचारियों की धार्मिक भावनाओं के संबंध में प्रधानमंत्री तुरंत हस्तक्षेप करें

चंडीगढ़। केंद्र सरकार के हवाई अड्डों पर काम करने वाले अमृतधारी सिख कर्मचारियों पर कृपाण पहनने की पाबंदी की कड़ी निंदा हो रही है। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने इस मामले को हल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग की है। सोमवार को एक बयान जारी संधवां ने कहा कि केंद्र सरकार का अमृतधारी सिखों की धार्मिक (चिन्ह) निशानियों के पहनने पर लगाई पाबंदी एक गलत निर्णय है, जिसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नागरिक उड्डयन विभाग भी इस सिख-विरोधी निर्णय को वापस लेने के लिए आवश्यक कदम उठाए। स्पीकर ने कहा कि सिख हमेशा मेहनत में विश्वास करते हैं और अपने धार्मिक आस्थाओं में भी दृढ़ संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि भारत विभिन्न धर्मों, नस्लों और जातियों का संगम है। उन्होंने कहा कि जिस देश का संविधान प्रत्येक नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता देता है, उस देश में प्रत्येक नागरिक को धार्मिक प्रतीक व निशानी पहनने पर पाबंदी लगाना बिल्कुल भी उचित नहीं है। संधवां ने कहा कि सिखों ने देश की आजादी के संघर्ष में बेमिसाल बहादुरी दिखाई है और देश तथा मान-सम्मान के लिए अपनी जानें कुर्बान की हैं। उन्होंने कहा कि उसी देश की वर्तमान सत्ताधारी सरकार सिखों की धार्मिक निशानियों के पहनने पर पाबंदी लगा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्णय सिखों के धार्मिक मामलों में सीधा हस्तक्षेप हैं, जिससे केंद्र सरकार को बचना चाहिए। स्पीकर स.संधवां ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस निर्णय को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए और हवाई अड्डों पर काम करने वाले अमृतधारी सिखों को विरासती धार्मिक प्रतीक कृपाण पहनने की आजादी दी जाए।

सोनीपत: भाई ने नाबालिग बहन से किया दुष्कर्म, बहन हुई गर्भवती

सोनीपत। यहां बहन भाई के रिश्ते को कलंकित करते हुए एक भाई ने अपनी नाबालिग बहन को ही अपनी हवस का शिकार बनाया। उसकी बहन गर्भवती हो गई। यह मामला तब उजागर हुआ जब उसकी बहन के पेट में दर्द हुआ। मां ने डॉक्टर से जांच कराई तो वह 5 महीने की गर्भवती मिली। पुलिस ने थाना मुरथल में केस दर्ज कर छानबीन की। दुष्कर्म के आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है। सोनीपत के मुरथल क्षेत्र में एक महिला अपने परिवार के साथ रहती है। उसके पास दो बेटे व एक बेटी है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी की उम्र 15 साल है। महिला ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी के साथ उनके बड़े बेटे ने ही दुष्कर्म किया है। कुछ दिन से उसकी बेटी के पेट में दर्द था। वह दवा दिलाने के लिए बेटी को लेकर अस्पताल पहुंची। वहां डॉक्टर को बेटी का पेट देख कर शक हुआ। इसके बाद लड़की का टेस्ट किया गया तो वह गर्भवती मिली। घर आने के बाद लड़की से पूछने पर बताया कि उसके बड़े भाई ने ही उसके साथ रेप किया है। इस बारे में किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। बेटी की बात सुनने के बाद महिला ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने लड़की के बयान लिए और मेडिकल रिपोर्ट ली। मुरथल थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने नाबालिग लड़की की मां के बयान पर आरोपी सगे भाई के खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

हनुमान चालीसा का पाठ कर की सुख समृद्धि की कामना

करनाल, (विसु)। मेरठ रोड करनाल में लाड़ीवार साप्ताहिक हनुमान चालीसा का पाठ पिछले कई सप्ताह से चल रहा है। इसी श्रृंखला में भक्त सुरेंद्र कुमार आहूजा के निवास स्थान पर पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए और सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया कर सुख समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन बजरंग शक्ति संगम पार्श्वनाथ सिटी करनाल के आयोजक ललित भक्त, विकास नागपाल व भूपेश आनंद द्वारा करवाया गया। जिसे राजकुमार प्रजापति द्वारा गुणगान किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य भक्तों में सद्भावना और समर्पण की भावना जागृत करना था जो पूर्ण रूप से सफल रहा। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इसस अवसर पर यह आयोजन भविष्य में लंबे समय तक करने का संकल्प लिया गया।

नगर निगम ने शहर में फोगिंग का कार्य किया शुरू, सभी वार्ड और मार्किट क्षेत्र किए जाएंगे कवर: डॉ. वैशाली शर्मा

☐फोगिंग के लिए बनाई 2 टीमें, एक टीम वार्ड तो दूसरी रहेगी एमरजेंसी ड्यूटी पर

करनाल (विसु)। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा के निर्देश पर निगम की सफाई शाखा ने एक प्लान के तहत शहर में फोगिंग करने का काम शुरू कर दिया है। प्लान के तहत पूरे नगर निगम क्षेत्र और इसके मार्किट एरिया को कवर किया जाएगा। इसके लिए 2 टीमें बनाई गई हैं। इनमें एक टीम वार्ड में जाकर अपना काम करेंगी, जबकि दूसरी डेंगू पॉजीटिव केस आने वाले क्षेत्र में एमरजेंसी ड्यूटी के लिए रहेगी।

उन्होंने बताया कि हर साल नगर निगम शहर के सभी वार्डों में फोगिंग करवाता है, ताकि मच्छरों को पनपने से रोका जा सके। हालांकि फोगिंग का असर कुछ देर तक रहता है। लेकिन ऐसे एरिया जिनमें मच्छरों की अधिकता होती है, वहां फोगिंग का काम ज्यादा असरदार रहता है। उन्होंने बताया कि सोमवार को वार्ड नम्बर 1 के गांव उचानी, बलड़ी, झंझाड़ी, कैलाश, मंगलपुर, बसंत विहार तथा रणधीर एन्कलेवइत्यादि क्षेत्रों में फोगिंग करवाई गई है, जबकि मंगलवार को वार्ड 2 में करवाई जाएगी। यह है प्लान- उन्होंने बताया कि फोगिंग करने वाली एक वार्ड को एक दिन में पूरा करेगी। जिन एरिया में फोगिंग को लेकर कोई शिकायत या अनुरोध आएगा या डेंगू और चिकनगुनिया के केस पाए जाएंगे, वहां दूसरी टीम को आपातकालीन कार्य के लिए लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि वैसे तो निगम की मशीने शहर के सभी मुख्यतः एरिया को फोगिंग से कवर करेंगी, फिर भी नागरिकों की नजर में कोई एरिया रह जाता है, उसके लिए टोल फ्री नम्बर 18001802700 पर सूचना दी जा सकती है। उन्होंने बताया कि आबादी और कॉमर्शियल, दोनो क्षेत्रों में करवाई जाएगी। फोगिंग का यह प्लान सोमवार से शुरू होकर आगामी 3 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें रविवार को छोडकर अन्य सभी दिवसों में एक-एक कर सभी वार्डों में फोगिंग करवाई जाएगी। नागरिकों से अपील- निगमायुक्त ने नागरिकों से अपील करते कहा है कि सबसे जरूरी अपने घरों व आस-पास पानी को इकट्ठा न होने दें और साफ-सफाई भी बनाकर रखें। ऐसी जगहें जहां पानी भरा हो, वहां काला तेल डाल दें, जो पानी की ऊपरी सतह पर रहेगा। इस तरह मच्छर पानी पर न तो बैठ पाएंगे और न ही अण्डे देंगे। जिस एरिया में मच्छर ज्यादा हों, वहां के लोगों को मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि करनाल जिला वैसे तो पिछले कुछ वर्षों से मलेरिया मुक्त हो चुका है, फिर भी लोगों को मच्छरों से बचाव रखना चाहिए। डेंगू व चिकनगुनिया जैसे बुखार की चपेट में आते ही उनका इलाज करवाना चाहिए। बुखार होने की सूरत में देसी झाड-फूंक और नीम-हकीमों से दवाईयां नहीं लेनी चाहिए, इससे बीमार व्यक्ति को हानि हो सकती है।

फतेहाबाद: भट्टू ब्लॉक समिति चेयरपर्सन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर 18 नवम्बर को होगी वोटिंग

फतेहाबाद। जिले की भट्टू ब्लॉक समिति की चेयरपर्सन ज्योति लूना पर तलवार लटक गई है। भट्टू ब्लॉक समिति के आधे से ज्यादा सदस्यों ने सोमवार को जिला उपायुक्त को ज्ञापन देकर चेयरपर्सन के खिलाफ अविश्वास जताया है और वोटिंग की मांग की है। इस पर उपायुक्त ने एडीसी को अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग करवाने का निर्देश दिया है। अब एडीसी की अध्यक्षता में 18 नवम्बर को ब्लॉक समिति भट्टू की चेयरपर्सन ज्योति लूना के विरुद्ध अविश्वास का प्रस्ताव लाया जाएगा और वोटिंग होगी।

बता दें कि फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुड़ाराम के आशीर्वाद से ही ज्योति लूना भट्टू ब्लॉक समिति की चेयरपर्सन व बंसी लाल वाईस चेयरपर्सन बने थे। हाल ही में सम्पन्न हुए हरियाणा विधानसभा के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे दुड़ाराम का चेयरपर्सन ज्योति लूना ने साथ छोड़ दिया था। चुनाव के दौरान आरोप है कि ज्योति लूना दल बदल कर कांग्रेस प्रत्याशी बलवान सिंह के समर्थन में आ गई थी। इसके बाद से पूर्व विधायक दुड़ाराम चेयरपर्सन से खफा चल रहे थे। चुनाव में दंगा करने वालों के खिलाफ पूर्व विधायक दुड़ाराम अभियान छेड़े हुए हैं। इस कड़ी में पहले भट्टू के सरपंच को निलंबित कर नया सरपंच चुना जा चुका है। इसी क्रम में अब ब्लॉक समिति चेयरपर्सन की बारी है। उल्लेखनीय है कि भट्टू ब्लॉक समिति में 21 सदस्य शामिल हैं। अविश्वास प्रस्ताव पारित करवाने के लिए दो तिहाई यानि 14 सदस्यों की जरूरत है। अभी 16 सदस्यों ने उपायुक्त को हलफिया बयान देकर चेयरपर्सन के प्रति अविश्वास जताया है। अविश्वास जताने वालों में वाईस चेयरमैन बंसी लाल भी शामिल हैं। बंसी लाल ने आरोप लगाया कि चेयरपर्सन अपनी मनमानी चला रहीं हैं। सदस्यों के मुद्दों और मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा, इसलिए सदस्यों ने उन्हें हटाने का निर्णय लिया है।

बीरेंद्र सिंह नॉन सीरियस नेता, कोई गंभीरता से नहीं लेता: अत्री

जींद। कांग्रेस नेता बीरेंद्र सिंह पर उचाना भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने सोमवार को जुबानी हमला बोलते हुए पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बीरेंद्र सिंह की बातों को सीरियस नहीं लेना चाहिए। बीते दिनों कांग्रेस नेता बीरेंद्र सिंह ने ईवीएम की विश्वसनियता पर सवाल उठाने के साथ-साथ अमेरिका जैसा देश में बेलटपेपर से चुनाव होने का बयान दिया था। भाजपा विधायक ने कहा कि कांग्रेस अब ईवीएम को दोष दे रही है जब कांग्रेस लोकसभा चुनाव में जीती तो तब भी तो ईवीएम थी। कांग्रेस के जहां से उम्मीदवार जीते है वहां भी तो ईवीएम थी। कांग्रेस पूरी तरह से प्रदेश में कमजोर हो चुकी है। अब तक अपना नेता भी विपक्ष का वो नहीं चुन पाए है।

पालवां गांव में पत्रकार वार्ता में देवेंद्र अत्री ने कहा कि देश में लोकतंत्र है। बीरेंद्र सिंह स्वतंत्र है कुछ भी बोल सकते है। इन बातों पर न जाकर जो लोग सपने देखते थे उन सपनों को पूरा करते हुए विकसित उचाना के सपने को लेकर चले। इन बातों से ऊपर उठते हुए विकसित उचाना के सपने को साकार करना है। विकसित उचाना बना है। उचाना के लिए लोकतंत्र ही अब आया है। पहले तो राजतंत्र हुआ करता था। आज उचाना हलका का हर मतदाता कहता है कि उचाना में सही मायनों लोकतंत्र अब आया है। देवेंद्र अत्री ने कहा कि देश आगे बढ़ रहा है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र प्रणाली है। लोकतंत्र में सबको अपनी बात कहने का हक है। कांग्रेस के लोग देश चलाने की बात करते थे आज तक कांग्रेस विपक्ष का नेता नहीं चुन पाई है जबकि कुछ दिनों के बाद विधानसभा सत्र शुरू होना है। कांग्रेस पूरी तरह से कमजोर हो चुकी है। हमारे यहां चुनाव आयोग स्वतंत्र प्रणाली है। उन पर भी कोई संदेह है तो लोकसभा चुनाव के समय कांग्रेस कहा पर गई थी। जब तो गीत गाए जा रहे थे ईवीएम के आज जो कांग्रेस से चुनाव जीते है विधानसभा में पहुंचे है वहां क्या ईवीएम नहीं थी। मुझे लगता है कि इन बातों पर बहस नहीं होनी चाहिए। मेरे लिए तो मुद्दा है विकसित उचाना का जो सपना लेकर चले है उसको साकार करें।

हिसार: दीमक की तरह अंदर ही अंदर खोखला कर देता नशा-रागिनी झा

हिसार। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत जिला प्रशासन एवं जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से हांसी क्षेत्र के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मैगा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्रधानाचार्य राजेश भड़ाना ने की,जबकि राज्य समन्वयक रागिनी झा मुख्य अतिथि रही। स्टेट कोर्डिनेटर रागिनी झा ने सोमवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्रालय की ओर से चलाए जा रहे हैं नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को जागरूक करते हुए बताया कि नशा एक दीमक की तरह होता है। यदि किसी व्यक्ति को यह लग जाए तो अंदर ही अंदर उसे खोखला कर देता है। यह दीमक व्यक्ति को केवल शारीरिक ही नहीं बल्कि आर्थिक मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी खत्म कर देता है, इसलिए हमें सदा नशा से परहेज करना चाहिए। प्रधानमंत्री अभ्युदया योजना सलाहकार कमेटी के सदस्य अभयराम अहलान ने तनाव से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। समाज कल्याण विभाग से धर्मवीर पानू ने बताया कि जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा मास्टर वालंटियर के सहयोग से आमजन को नशा से बचाने के लिए, विभिन्न स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, ग्राम सभा आदि में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें काफी सफलता भी मिल रही है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप पहुंचे मास्टर वालंटियर एवं सिविल अस्पताल के सुकून कॉउंसलर राहुल शर्मा ने बताया कि आज के समय युवाओं को सोशल मीडिया पर भी रिल्स, वीडियो, डांस वीडियो, आकर्षित शराब ठेका के माध्यम से शराब, सिगरेट आदि का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। प्रिंसिपल राजेश भड़ाना ने सभी छात्रों को जागरूक करते हुए बताया कि जिंदगी में कभी भी कोई भी विपरीत परिस्थिति आ जाए लेकिन नशा का साथ न लें। कैंप में उपस्थित सभी को नशा न करने व नशा से ग्रस्त लोगों का नशा छुड़वाने के लिए शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया और उत्कृष्ट कार्य करने वालो को विशेष सम्मान पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रामावतार शर्मा, महेंद्र लखान, देवेंद्र कुमार सहित अध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विकसित भारत 2047 की परिकल्पना में दत्तोपंत ठेंगड़ी के विचारों का महत्वपूर्ण योगदान : नरसी राम बिश्नोई

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने सोमवार को कहा कि विकसित भारत-2047 की परिकल्पना में दत्तोपंत ठेंगड़ी के विचारों का महत्वपूर्ण योगदान है। भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत के आर्थिक कार्यक्रम, सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा और आर्थिक सशक्तिकरण के माध्यम से उन्मूलन आदि सभी दत्तोपंत ठेंगड़ी के आर्थिक सिद्धांतों पर आधारित हैं।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दत्तोपंत ठेंगड़ी की 104वीं जयंती के उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में द्विविकसित भारत@2047: श्रम संहिता की प्रासंगिकताह विषय पर हुई पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह को कुलपति श्री बिश्नोई ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। पैनल चर्चा का आयोजन दत्तोपंत ठेंगड़ी चेयर के सम्मानित संरक्षण में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर, मुख्य वक्ता भारतीय संघ के महासचिव पवन कुमार, पूर्व मुख्य श्रम आयुक्त डॉ. ओंकार शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. अश्वनी व विभाग के वरिष्ठतम प्रोफेसर एनके बिश्नोई उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी के विचारों में भारतीय समाज की आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक गौरव और सर्वांगीण विकास की संकल्पना स्पष्ट झलकती है। उन्होंने जीवन के सभी आयामों में द्वाराष्ट्र हित सर्वोपरिह के विमर्श पर बल दिया और उसे अपने सार्वजनिक जीवन के जीवन दर्शन के रूप स्वीकार किया। उन्होंने विकसित भारत की ऐसी संकल्पना प्रस्तुत की, जिसमें केवल आर्थिक उन्नति ही नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रगति भी महत्वपूर्ण है। उनका मानना था कि भारत का विकास न केवल भौतिक संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करता है, बल्कि नैतिकता, समानता और सांस्कृतिक चेतना पर भी आधारित होना चाहिए। कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने कहा कि सशक्त होना 2047 तक सशक्त भारत बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में समाज उपयोगी शोध, कौशल विकास एवं नवाचार से आत्मनिर्भरता के लक्ष्यों को हासिल करके हम विकसित भारत-2047 के सपने को साकार कर सकते हैं। दत्तोपंत ठेंगड़ी के कथन को याद करते हुए पवन कुमार ने कहा कि हिंदुस्तान को जनता के लिए उत्पादन की जरूरत नहीं है, बल्कि जनता द्वारा उत्पादन की जरूरत है। पवन कुमार ने आवश्यकता आधारित न्यूनतम मजदूरी और जीवनयापन में आसानी की आवश्यकता के बारे में बताया।

शहीद उधम सिंह महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर राष्ट्रीय स्तरीय पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

इन्द्री,(सुनील शर्मा) । शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय, मटक माजरी में अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर की पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। महाविद्यालय के गणित, रसायन, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान और जंतु शास्त्र विभागों के संयुक्त तत्वाधान में शांति एवं विकास के उद्देश्य से इस रचनात्मक आयोजन को अंजाम दिया गया। विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया था जिसमें देश के अलग-अलग हिस्सों से कई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय और महाविद्यालय की श्रेणी में प्रथम स्थान आरकेएसडी महाविद्यालय, कैथल की बीए द्वितीय वर्ष के मुकेश एवं खुशलीन कौर की टीम ने प्राप्त किया, द्वितीय स्थान शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय, मटक माजरी, करनाल की बीए तृतीय वर्ष की सिमरन एवं मानवी की टीम ने प्राप्त किया, तृतीय स्थान शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय, मटक माजरी, करनाल की बीए प्रथम वर्ष की छात्रा रिया ने प्राप्त किया। जबकि विद्यालय श्रेणी में प्रथम स्थान ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल, करनाल के ग्यारहवीं कक्षा के छात्र नमय चावला ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान टैगोर बाल निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा मिताली ने प्राप्त किया। तृतीय पुरस्कार गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल बयाना इंद्री के 11वीं कक्षा के छात्र हिशु ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त साक्षी देवी (बुद्धा कॉलेज ऑफ एजूकेशन), किरण (राजकीय महिला महाविद्यालय, करनाल), इशिता (इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय, कैथल), अर्जिता (राजकीय कन्या महाविद्यालय, पलवल), यजस्विनी(पंडित चरण जी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय,करनाल), वंशिका(करनाल इंटरनेशनल स्कूल), आदर्श सेठी (पार्थ पब्लिक स्कूल, घरौंडा) ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किए।

विजेताओं को नगद पुरस्कार के साथ-साथ प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजीव गुप्ता ने स्वयं प्रतियोगिता में प्रस्तुत की गई कृतियों का अवलोकन किया और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में भारत का योगदान पुरातन काल से ही अद्वितीय रहा है और आज का भारत एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विश्व का नेतृत्व कर रहा है। कार्यक्रम की कन्वीनर प्रोफेसर दीपा एवं प्रोफेसर विभा गोयल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से न केवल विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि उन्हें विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को समझने और प्रस्तुत करने का अवसर भी मिलता है एवं देश के वैज्ञानिक विकास में भी योगदान मिलता है। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान दिवस के इस आयोजन ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सोचने और अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। प्रतियोगिता के आयोजक सचिव प्रोफेसर गुलाब सिंह एवं प्रोफेसर सुमित गोयल ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता में हरियाणा के अतिरिक्त मध्य प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के 24 ज़िलों से 07 विश्वविद्यालयों, 19 महाविद्यालयों, और 8 विद्यालयों की कुल 58 टीमों के 85 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने भौतिकी, रसायन शास्त्र, गणित, वनस्पति विज्ञान, और जंतु शास्त्र के विभिन्न विषयों के साथ-साथ स्पेस टेक्नोलॉजी और प्रमुख वैज्ञानिकों के योगदान जैसे विषयों पर रचनात्मक पोस्टर हाइब्रिड मोड से प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने के लिए विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कृतियों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने के लिए इंद्री ब्लॉक के कई विद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे। राष्ट्र के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के विद्यार्थियों के द्वारा प्रदर्शित की गई रचनात्मक कृतियों का अवलोकन कर विद्यार्थियों में कला और वैज्ञानिक सोच का विकास हुआ। प्रतियोगिता का निर्णायक मंडल प्रोफेसर संजीव कुमार (पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय, करनाल), प्रोफेसर देवेंद्र कुमार (राजकीय महाविद्यालय, कैथल) और प्रोफेसर सीमा (राजकीय कन्या महाविद्यालय, पलवल, कुरुक्षेत्र) ने संभाला। निर्णायक मंडल ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का बारीकी से मूल्यांकन किया और उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम के मंच का संचालन प्रोफेसर दीपा ने किया, जबकि प्रोफेसर अनिला, प्रोफेसर राजकुमार, प्रोफेसर रणवीर सिंह, प्रोफेसर रमेश कुमार, प्रोफेसर श्रीभगवान भारद्वाज और प्रोफेसर सुरेश कुमार सहित अन्य कई प्रमुख शिक्षकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष रूप से उत्साहवर्धक बना दिया।

एक नजर

भाई-बहन के स्नेह और समर्पण का पर्वः मिथिला का सामा-चकेवा

दीपक कुमार तिवारी। मुजफ्फरपुर/समस्तीपुर/दरभंगा। मिथिला की धरती पर भाई-बहन के प्रेम और समर्पण का प्रतीक सामा-चकेवा पर्व कार्तिक शुक्ल सप्तमी से शुरू होकर कार्तिक पूर्णिमा तक पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। शाम ढलते ही गाँवों और मोहल्लों में सामा के गीतों की गूंज सुनाई देती है, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम को दशार्ते हैं। यह पर्व श्रीकृष्ण की बेटी सामा और उनके भाई साम्ब की पौराणिक कथा पर आधारित है। कथा के अनुसार, भाई साम्ब की तपस्या से खुश होकर श्रीकृष्ण ने सामा को पक्षी रूप से मुक्त किया, और तभी से इस पर्व को मनाने की परंपरा चली आ रही है। सामा-चकेवा के इस महोत्सव में मिट्टी की मूर्तियों के माध्यम से सामा, चकेवा और वृंदावन के प्रतीकों को जीवंत किया जाता है। महिलाएं और लड़कियाँ सामा-चकेवा के गीत गाते हुए भाई की लंबी उम्र की कामना करती हैं। हर शाम बांस की टोकरी में सामा-चकेवा की मूर्तियों को सजाकर मोहल्ले में एकत्रित होकर पारंपरिक खेल और गीतों का आयोजन किया जाता है। पर्व का समापन कार्तिक पूर्णिमा की रात को सामा की विदाई से होता है। इस विदाई के दौरान, मूर्तियों को खेतों या नदियों में पूरे विधि-विधान के साथ विसर्जित किया जाता है, और विदाई का यह मार्मिक क्षण उस भावना को दशार्ता है, जैसे घर की बेटी की विदाई। महिलाएं सामा को विदाई देते हुए अगले वर्ष फिर से लौटने की कामना करती हैं।

'सम्पादक श्री सम्मान' से विभूषित होंगे श्री पारस कुंज

नेपाली शहादत-भूमि भागलपुर सिटी बिहार (भारत) । सोमवार ११ नवम्बर २०२४ । 'युवा संगम', ? 'अंगमेल', 'कथा', 'वामन के डेग', 'अंगदीप' एवं 'शब्दयात्रा' जैसी सम्मानित पत्रिका के बहु प्रशंसित सम्पादक तथा गोपाल सिंह नेपाली आन्दोलन के राष्ट्रीय प्रणेता, वरिष्ठ पत्रकार कवि लघुकथाकार श्री पारस कुंज को, आगामी मंगलवार १९ नवम्बर २०२४ को हरदासचक खगड़िया में, 'अखिल भारतीय साहित्य सृजन मंच खगड़िया, बिहार' द्वारा आयोजित 'तृतीय राष्ट्रीय महाधिवेशन २०२४' में- 'सम्पादक श्री सम्मान' से विभूषित किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए शब्दयात्रा भागलपुर के रवि आनन्द जैन ने बताया कि करीब दर्जनभर साझा संकलन के अलावा आकाशवाणी व दूरदर्शन से प्रसारण सहित श्री पारस कुंज की लघुकथा कविता गीत गजल संस्मरण एवं आलेख-अखण्ड भारत, अनुकृति, अनन्तिम, आत्मदृष्टि, आजकल, आनन्द रेखा, आर्यावर्त, आश्वस्त, ककसाड़, कथाबिंब, कलाकुंज भारती, कविकुंभ, छपते छपते उत्सव, जनशक्ति, जनसत्ता सबरंग, प्रदीप, प्रणाम पर्यटन, प्रभात खबर, दैनिक जागरण पुनर्नवा, दैनिक विश्वामित्र दीपावली विशेषांक, दि पब्लिक (काठमांडू नेपाल), नवल, नवजीवन, नवभारत टाइम्स, मुक्तांचल, मंगलदीप, माध्यम, माही संदेश, रचना उत्सव, लघुकथा कलश, वीणा, विश्व गाथा, शबरी,? शुभ तारिका, संग्रथन, संडे मेल, सन्मार्ग, सृजन महोत्सव, समय सुरभि अनंत, समाज प्रभा, संवदिया, सर्व भाषा, साहित्य कलश, साहित्य क्रान्ति, साहित्य यात्रा, साहित्योदय, हिन्दुस्तान प्रतिबिम्ब, हिमालिनी (काठमांडू नेपाल), हलन्त जैसी देश-विदेश की सैकड़ों पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं। ज्ञात हो कि इससे पूर्व श्री पारस कुंज को - कवि रत्न, वनफूल स्मृति पुरस्कार, लघुकथा रत्न, संस्कार भारती सम्मान, साहित्य रत्न, गजल श्री, गाँधी शांति सम्मान, राष्ट्रकवि दिनकर सम्मान, देवी प्रसाद गंगा प्रसाद सम्मान, सम्पादक श्री अलंकरण सहित दर्जनों प्रशस्ति-पत्र प्राप्त हो चुके हैं।

विश्व भारती जन सेवा संस्थान ने दिया इंडिया ब्लॉक को समर्थन

विश्व भारती जनसेवा संस्थान ने झारखंड ओर महाराष्ट्र हो रहे इस बार विधानसभा चुनाव में सहारा पीड़ितों की मदद के लिए, इंडिया गठबंधन को अपना समर्थन दिया है, झारखंड की राजधानी रांची में माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को उनके आवास पर जाकर अपना समर्थन पत्र दिया है और उनसे,तीन वचन लिया है 1.झारखंड में सरकार बनते ही सहारा इंडिया के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में संस्थान द्वारा लगी याचिका ओर सहारा के खिलाफ जितने भी केस लगे हुए है उसमें तन मन धन से मदद करेगा

2. सहारा इंडिया के अधिकारी जो लोगों का

धन हड़प कर देश विदेश में छुपे हुए है उन्हें पकड़ कर सजा दिलवाएगा

3. सहारा भुगतान के दबाव में जो लोग आत्महत्या या डिप्रेशन से आकर मर गए हैं

उनके परिवार को आर्थिक मदद करेगा

इन मुद्दों पर गहन विचार विमर्श करने के बाद सहमति मिली है तभी हमलोग अपना समर्थन पत्र दिए है

आरएलजेपी के बयान से बिहार में सियासी भूचाल

पटना,संवाददाता। एनडीए गठबंधन के साथ बने रहने को लेकर पशुपति कुमार पारस की पार्टी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी) में दरार के संकेत मिल रहे हैं। पार्टी के प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल ने सोमवार को एक बयान में एनडीए पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आरएलजेपी को लगातार कमजोर किया जा रहा है। इस बयान के बाद बिहार में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

श्रवण अग्रवाल ने आरोप लगाया कि एनडीए में आरएलजेपी की अनदेखी हो रही है। लोकसभा चुनाव में पार्टी को कोई सीट नहीं दी गई, जबकि पारस के नेतृत्व में आरएलजेपी के पांच सांसद रहे हैं। उन्होंने बताया कि 19-20 नवंबर को पटना में आरएलजेपी की बैठक होगी, जिसमें पारस कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। गौरतलब है कि आरएलजेपी के पास पहले एनडीए में पांच सांसद थे और पारस खुद केंद्रीय कैबिनेट में शामिल रहे हैं। लेकिन, इस बार चुनावों में एनडीए से चिराग पासवान को पांच सीटें दी गईं, जबकि पारस की पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। इसके साथ ही, पटना स्थित आरएलजेपी कार्यालय को खाली कराने का सरकारी आदेश भी आया, जिसे आज ही पूरा किया गया है। ऐसे में आरएलजेपी के एनडीए में बने रहने को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। अब यह देखना होगा कि आगामी बैठक में पशुपति पारस किस तरह का निर्णय लेते हैं।

दोनों डिप्टी सीएम करेंगे सोनपुर मेला का शुभारंभ

सोनपुर,संवाददाता। विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला कल 13 नवंबर से शुरू होकर 14 दिसंबर तक चलेगा. मेले का उद्घाटन राज्य के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा संयुक्त रूप से करेंगे।

उद्घाटन के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य के तीन मंत्री, जिले के प्रभारी मंत्री, दो सांसद, सभी विधायक, विधान पार्षद व अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगेसंवाददाता। मेले के उद्घाटन कार्यक्रम में बॉलीवुड गायकों की टीम प्रस्तुति देगी। जिलाधिकारी अमन समीर ने बताया कि सोनपुर मेले को भव्य बनाने के लिए पर्यटन विभाग की ओर से कई तैयारियां की गई हैं। इस बार सबसे खास बात यह है कि पर्यटन विभाग ने सांस्कृतिक पंडाल और आर्ट एंड क्राफ्ट विलेज का निर्माण कराया है।

काम पर लौट रहे प्रवासियों का छलका दर्द

हाजीपुर,संवाददाता। छठ पूजा मनाने के बाद बिहार से प्रवासी और मजदूर अपने काम पर लौटने लगे हैं। वैशाली से दिल्ली की ट्रेनों में सफर कर रहे कुछ यात्रियों से जब मीडिया वालों को देखा तो उनका दर्द छलक उठा। पत्रकारों से बात करते हुए यात्रियों ने बिहार छोड़कर दिल्ली जाने की अपनी मजबूरी बताई। कुछ यात्री हरियाणा, बंगाल, कोलकाता, रायपुर, लुधियाना, पंजाब जाने के लिए निकले थे. रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ भी देखने को मिली है। हालांकि, रेलवे की ओर से यात्रियों की सहूलियत को देखते हुए पर्याप्त व्यवस्था भी की गई है। दिल्ली के लिए रवाना होते हुए प्रवासी अरुण महतो ने कहा कि दिल्ली कमाने के लिए जा रहे हैं। बिहार में रोजगार नहीं है और रोजगार मिलता भी है तो दिहाड़ी इतनी कम होती है कि परिवार का गुजारा नहीं चल पाता है। दिल्ली में मिस्त्री के साथ काम करके 800 रुपये रोजाना कमाते हैं, जिससे परिवार का गुजर बसर हो जाता है। कुछ ऐसा ही जवाब बुधन कुमार ने दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली कमाने के लिए जा रहे हैं क्योंकि वहां पर महीने के 17-18 हजार रुपये कमा लेते हैं जिससे परिवार का खर्चा चल जाता है।

दिलीप कुमार ने बताया कि छठ पूजा मनाने के लिए बिहार आए थे। अब रोजगार के लिए दिल्ली जा रहे हैं क्योंकि बिहार में दिल्ली जितना पैसा नहीं मिलता है और परिवार का खर्चा भी पूरा नहीं पड़ता है। दिल्ली में 800 रुपये प्रतिदिन कमा लेते हैं। परिवार अच्छे से चलता है और कुछ पैसे भी बचा लेते हैं। विपिन कुमार ने बताया कि बिहार सरकार को रोजगार के लिए कुछ करना चाहिए। दिल्ली जाना मजबूरी है क्योंकि बिहार में काम के लिए बहुत कम पैसे मिलते हैं जिससे गुजारा नहीं हो पाता है। दिल्ली में मिस्त्री का काम करते हैं और रोजाना एक हजार रुपये कमाते हैं। इन पैसों से ह्लमेरा और मेरे परिवार का गुजारा अच्छे से हो जाता है।

मुजफ्फरपुर में बागमती परियोजना के भू अर्जन एवं पुनर्वासन पर बैठक

मुजफ्फरपुर। बागमती परियोजना के विस्तारीकरण के फेज 2 के अंतर्गत भू अर्जन एवं पुनर्वासन की प्रक्रिया को लेकर जिला पदाधिकारी श्री सुब्रत कुमार सेन की अध्यक्षता में समाहरणालय में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस योजना के तहत कुल 11 मौजा का प्रस्ताव जिला भू अर्जन कार्यालय को प्राप्त हुआ है, जिसमें बर्री चादर नंबर वन के भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। अब तक 60 करोड़ की प्राक्कलित राशि में से 25.73 करोड़ का भुगतान भू अर्जन कार्यालय द्वारा किया जा चुका है, जबकि शेष का भुगतान प्रक्रियाधीन है।

बैठक में जानकारी दी गई कि नवादा चादर नंबर वन मौजा का प्राक्कलन स्वीकृति हेतु आयुक्त तिरहुत प्रमंडल को भेजा गया है। इसके अलावा बर्री चादर नंबर दो और बरहेटा रमई उर्फ मोहनपुर मौजों का दर निर्धारण किया जा रहा है, जबकि अन्य 6 मौजों के स्थल का निरीक्षण 6 सदस्यीय समिति द्वारा किया जाना है। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन मौजों का स्थल निरीक्षण आवश्यक है, उनका कार्य इसी महीने के अंत तक पूरा कर लिया जाए, और जनवरी के अंत तक सभी मौजों का भुगतान पूर्ण करने की दिशा में कार्रवाई की जाए। कार्यपालक अभियंता बागमती प्रमंडल को भी निर्देश दिया गया कि लीज नीति के तहत भूमि अर्जन के कार्य में तेजी लाते हुए इसे जनवरी माह के अंत तक पूरा करें और बर्री चादर नंबर वन में रेखांकन कार्य शीघ्र प्रारंभ कराएं। बैठक में माननीय विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री रामसूरत राय, अपर समाहर्ता राजस्व श्री संजीव कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी श्री अशोक कुमार गुप्ता, अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी श्री अमित कुमार, भूमि सुधार उपसमाहर्ता पूर्वी श्री संजय कुमार, बागमती परियोजना के कार्यपालक अभियंता श्री विपिन कुमार, और कटरा, गायघाट एवं औराई के अंचलाधिकारी भी उपस्थित रहे।

मोन्टे कार्लो का एक्सक्लूसिव फैमिली शोरूम का महापौर ने फिता काटकर किया उद्घाटन

बिट्टू कुमार,पश्चिम चंपारण/बेतिया। अब छोटे छोटे शहरों में भी फैमिली एक्सक्लूसिव शोरूम का खुलना शुरू हो गया है। बेतिया में पहली बार मोंटे कार्लो एक्सक्लूसिव फैमिली शोरूम का शुभारंभ बेतिया की मेयर गरिमा देवी शिकारिया ने विधिवत फीता काटकर कि।

इस अवसर पर अनिल केसान, स्वाति केसान, प्रदीप केसान, रवि केशन, रवि जैन, अर्पित केसान, संजय केसान, सुरेश केसान, मधु केसान, अनीता केसान, किरण केसान ने संयुक्त रूप से अपने मुख्य अतिथि गरिमा देवी शिकारिया को अंग वस्त्र और गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि अपने तरह का यह अनोखा मोंटे कार्लो का एक्सक्लूसिव फैमिली शोरूम है। जहां एक छत के नीचे जैकेट, स्वेटर, कार्डिगन, बेड शीट, मेंस वेयर, लेडिज वेयर तथा किड्स तथा सबके लिए कुछ न कुछ सामान उपलब्ध है। इस शोरूम के खुलने से लोगों को काफी सहूलिया होगी। पहले जहां पैसे खर्च कर के भी अच्छे सामान लोगों को नहीं मिल पाते थे वैसे लोगों को अब इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा।

अब उन्हें सही दाम में अच्छे क्वालिटी के सामान उपलब्ध हो पाएंगे। वही इस प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर अनिल किसान एवं स्वाति केसान ने बताया कि पहले जहां अच्छे क्वालिटी के सामानों के खरीदारी करने लोग महानगरों की ओर रुक करते थे। वही इस शोरूम के खुल जाने से उनको काफी सहूलियत मिलेगी और बिना बाहर गए। उन्हें अच्छा सामान प्राप्त हो जाएगा एक तो उनका समय बचेगा दूसरा किराए भाड़े का भी बचत हो सकेगा। इस शुभारंभ के मौके पर केसान परिवार सहित शहर के कई नामी गिरामी लोग मौजूद रहे।

विधायक राम कुमार कश्यप ने सुनी जन समस्याएं, अधिकारियों को जल्द निवारण के दिए निर्देश

इंद्री,(सुनील शर्मा)। विधायक एवं चीफ व्हिप विधानसभा हरियाणा राम कुमार कश्यप ने हर सोमवार की भांति सिंचाई विभाग के विश्राम गृह में आमजन की समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति की समस्या पर संज्ञान लिया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को जल्द समस्या के निवारण के निर्देश दिए।

विधायक एवं चीफ व्हिप विधानसभा हरियाणा राम कुमार कश्यप ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार अनेक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ गरीब व्यक्तियों को मिल रहा है। जनता के लिए सरकार के दरवाजे 24 घंटे खुले हैं। जनता का प्रतिनिधि होने के नाते समस्याओं का निवारण करना मेरा दायित्व बनता है। हल्के की खुशहाली के लिए लोगों की समस्याओं का दूर होना आवश्यक है। अधिकारी भी इन समस्याओं में रुचि लेकर कम से कम समय में लोगों की समस्याओं का समाधान करें। उनका यही प्रयास रहेगा कि हलके में अधिक से अधिक विकास कार्य पूर्ण हों ताकि जनता का उनका लाभ मिल सकें। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश में एक ऐसा राज्य है, जहां पर किसानों की फसलें एमएसपी पर खरीद की जा रही है। विपक्षी दल खाद को लेकर किसानों में गलत भ्रम पैदा कर रहे हैं।प्रदेश सरकार डीएपी की उपलब्धता को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है। किसानों को समय पर डीएपी उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पूर्व जो वादे जनता से किए थे, उन्हें सरकार जल्द ही पूरा करेगी। अब हम सभी ने मिलकर एकता व भाईचारे की भावना के साथ विधानसभा क्षेत्र इंद्री को विकास की दृष्टिद्द से बेहतर बनाना है। विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार ने विकास कार्यों को लेकर एक्शन मोड़ में कार्य करना शुरू कर दिया है। सरकार ने जनता के हित में हर क्षेत्र में अनेकों विकासात्मक योजनाएं लागू कर उनका लाभ लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया हैं। भाजपा सरकार ने नौकरियों में फैले भ्रष्टद्दाचार पर अंकुश लगाकर मेरिट के आधार पर नौकरियां देने का सराहनीय कार्य किया है । जिसकी वजह से आज युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार मिल रहे हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा बिना पर्ची-बिना खर्ची के युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां प्रदान कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सभी वर्गों को साथ लेकर हरियाणा को आगे बढ़ाने का काम किया जाएगा। प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए कृतसंकल्प है। भाजपा ने अपने शासनकाल में सभी विधानसभा क्षेत्रों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाए हैं और आगे भी इसी नीति पर चल विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवाया जाएगा।इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेतागण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे

डीआईआई का निवेश पहली बार 4.5 लाख करोड़ के पार पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार जारी उठा पटक के बीच घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) इस साल भारतीय शेयर बाजार में अभी तक करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर चुके हैं। इस निवेश का एक बड़ा हिस्सा विदेशी निवेशकों की बिकवाली के समय स्टॉक मार्केट को सपोर्ट करने के लिए किया गया है। किसी एक कैलेंडर ईयर में घरेलू संस्थागत निवेशकों द्वारा किया गया ये अभी तक सबसे ज्यादा निवेश है। ये स्थिति भी तब है, जबकि साल 2024 खत्म होने में अभी भी करीब डेढ़ महीने का समय बचा हुआ है।

शेयर बाजार में जिस तरह विदेशी निवेशकों ने बिकवाली का दबाव बनाया हुआ है, उसके आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि अगर ये स्थिति आगे भी जारी रही तो घरेलू संस्थागत निवेशकों के निवेश का आंकड़ा और भी ज्यादा हो सकता है। घरेलू शेयर बाजार में इस साल 30 सितंबर के बाद से ही लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और चीन के राहत पैकेज का ऐलान किए जाने के कारण विदेशी निवेशक दुनिया के ज्यादातर स्टॉक मार्केट की तरह ही भारतीय शेयर बाजार में भी लगातार बिकवाली का दबाव बनाए रहे हैं। विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण और स्टॉक मार्केट में लिस्टेड कई बड़ी कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे की वजह से मार्केट सेंटीमेंट भी कमजोर हुआ है। इसके बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगातार लिवाली करके शेयर बाजार को क्रैश होने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अक्टूबर के महीने में विदेशी निवेशकों ने 94,017 करोड़ रुपये की नेट सेलिंग की थी। किसी एक महीने में विदेशी निवेशकों द्वारा की गई बिकवाली का ये अभी तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके पहले मार्च 2020 में विदेशी निवेशकों ने एक महीने में 61,973 करोड़ रुपये की नेट सेलिंग की थी। इतनी जोरदार बिकवाली के बीच घरेलू संस्थागत निवेशकों ने आक्रामक अंदाज में खरीदारी करके बाजार को सपोर्ट करने का काम किया। अक्टूबर के महीने में डीआईआई ने 98,400 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की।

इन आंकड़ों से साफ है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली की तुलना में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने ज्यादा खरीदारी की। हालांकि जियो पॉलिटिकल टेंशन और कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे की वजह से डीआईआई लगातार खरीदारी करने के बावजूद शेयर बाजार को गिरावट से नहीं बचा सके। लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगातार खरीदारी कर विदेशी निवेशकों की बिकवाली का जवाब नहीं दिया होता तो शेयर बाजार पूरी तरह से ध्वस्त होने की स्थिति में आ सकता था।

जगदंबा सिक्योरिटीज एंड कमोडिटीज सर्विसेज के सीईओ नमन अग्रवाल के अनुसार पिछले कुछ सालों के दौरान शेयर बाजार में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने मजबूत पकड़ बनाई है। दस साल पहले तक विदेशी निवेशक जब भी बिकवाली का दबाव बनाते थे, तो शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो जाता था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। सरकार की आर्थिक नीतियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों को निवेश के लिए पहले से अधिक छूट मिली है। इसके साथ ही जोखिम प्रबंधन के लिए भी उन्हें बढ़ावा दिया गया है, जिसकी वजह से विदेशी निवेशकों की बिकवाली के जवाब में वे मजबूती के साथ खरीदारी कर रहे हैं। इसकी वजह से उनका खुद का प्रॉफिट मार्जिन भी बढ़ा है, साथ ही छोटे और खुदरा निवेशकों के लिए मार्केट रिस्क में भी कमी आई है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस साल घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का जो निवेश किया है, उसमें से पहले एक लाख करोड़ रुपये का निवेश 57 ट्रेडिंग सेशन में किया गया था। इसी तरह दूसरे एक लाख करोड़ रुपये के निवेश के लिए घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 40 ट्रेडिंग सेशन का समय लिया, जबकि तीसरे एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करने में उन्हें 60 ट्रेडिंग सेशन का समय लगा। चौथी बार 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने सिर्फ 31 ट्रेडिंग सेशन का समय लिया। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली इसी तरह जारी रही, तो इसी महीने घरेलू संस्थागत निवेशकों का निवेश 5 लाख करोड़ रुपये के स्तर को भी पार कर सकता है।

रुपये में लगातार चौथे दिन गिरावट, दो पैसे टूटकर 84.39 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई, एजेंसी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये में सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और यह दो पैसे और टूटकर नए सर्वकालिक निचले स्तर 84.39 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी कोषों की सतत निकासी और घरेलू शेयर बाजार में नरमी के रुख के कारण रुपये की धारणा प्रभावित हुई।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि जब तक डॉलर सूचकांक में नरमी नहीं आती या विदेशी कोषों की निकासी में कमी नहीं आती, तब तक रुपया दबाव में रहेगा।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.38 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 84.37 के उच्चस्तर और 84.39 के निचले स्तर के बीच रहने के बाद अंत में दो पैसे की गिरावट के साथ 84.39 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ।

शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की गिरावट के साथ 84.37 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

रुपया पिछले चार कारोबारी सत्रों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 30 पैसे टूट चुका है।

सोमवार को डॉलर-रुपये की जोड़ी रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप के विकास एजेंडा के प्रति आशावाद के कारण अमेरिकी डॉलर सूचकांक मजबूत हुआ। अक्टूबर में 11 अरब डॉलर की निकासी के बाद विदेशी निवेशकों ने नवंबर में भारतीय शेयरों से लगभग 1.50 अरब डॉलर की निकासी की है।

शेयरखान बाय बीएनपी पारिबा के एसोसिएट उपाध्यक्ष (बुनियादी मुद्रा एवं जिंस) प्रवीण सिंह ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिल सकता है। इसके अलावा, व्यापारियों को इस सप्ताह जारी होने वाले भारत और अमेरिका के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के मुद्रास्फीति के आंकड़ों का इंतजार है।

उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में घरेलू मुद्रा में नरमी का रुख रहने की संभावना है।

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 105.30 पर कारोबार कर रहा था।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.04 प्रतिशत गिरकर 73.10 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

घरेलू शेयर बाजार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 9.83 अंक की बढ़त के साथ 79,496.15 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 6.90 अंक गिरकर 24,141.30 अंक पर बंद हुआ।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने शुक्रवार को 3,404.04 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रिजर्व बैंक ने एफपीआई को एफडीआई में पुनर्वगीर्कृत करने के लिए रूपरेखा की जारी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के निवेश को लेकर एक परिचालन रूपरेखा जारी की है। इसके तहत यदि किसी इकाई का निवेश निर्धारित सीमा को लांघता है, तो उसे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में पुनर्वगीर्कृत किया जाएगा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा वर्तमान में अपने निवेशक समूह (एफपीआई) के साथ किया गया निवेश कुल चुकता इक्विटी पूंजी (कंपनी के विभिन्न विकल्पों में मौजूद सभी शेयरों सहित) के 10 प्रतिशत से कम होना चाहिए।

निर्धारित सीमा का उल्लंघन कर निवेश करने वाले किसी भी एफपीआई के पास उल्लंघन करने वाले लेनदेन के निपटान की तारीख से पांच कारोबारी दिन के भीतर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा निर्दिष्ट शर्तों के अधीन अपनी हिस्सेदारी को बेचने या ऐसी हिस्सेदारी को एफडीआई के रूप में पुनर्वगीर्कृत करने का विकल्प है। आरबीआई ने एफपीआई द्वारा विदेशी पोर्टफोलियो निवेश को एफडीआई में पुनर्वगीर्कृत करने के लिए एक परिचालन रूपरेखा जारी की है।

इस रूपरेखा के अनुसार, संबंधित एफपीआई को सरकार से आवश्यक अनुमोदन तथा संबंधित भारतीय निवेशकर्ता कंपनी की सहमति लेनी होगी। पुनर्वगीकरण के लिए ऐसे एफपीआई द्वारा किए गए संपूर्ण निवेश की जानकारी विदेशी मुद्रा प्रबंधन (भुगतान का तरीका तथा गैर-ऋण साधनों की जानकारी) विनियम, 2019 के तहत निर्दिष्ट समयसीमा के भीतर दी जानी चाहिए। केंद्रीय बैंक ने कहा कि जानकारी देने के बाद एफपीआई को अपने 'कस्टोडियन' से संपर्क कर भारतीय कंपनी के इक्विटी माध्यमों को अपने विदेशी पोर्टफोलियो निवेश डीमैट खाते से अपने एफडीआई को रखने के लिए बनाए गए डीमैट खाते में स्थानांतरित करने का अनुरोध करना चाहिए।

बीमा पॉलिसी में नियम व शर्तें सरल हों : इरडा सलाहकार समिति सदस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) की सलाहकार समिति की सदस्य पुष्पा गिरिमाजी ने सोमवार को कहा कि बीमा कंपनियों को पॉलिसी की शर्तों को सरल तथा आसान भाषा में तैयार करने की जरूरत है, जिससे ग्राहकों की शिकायतों को कम करने में मदद मिलेगी। इरडा की बीमा लोकपाल सलाहकार समिति की सदस्य गिरिमाजी ने बीमा लोकपाल द्वारा ऐसी शिकायतों की संख्या को कम करने की जरूरत पर भी बल दिया जो सुनवाई योग्य नहीं हैं। बीमा लोकपाल, जीवन और गैर-जीवन बीमा कंपनियों के खिलाफ बीमाधारकों की शिकायतों का समाधान करने के लिए एक अर्ध-न्यायिक शिकायत निवारण तंत्र है। बीमा लोकपाल की स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में गिरिमाजी ने बीमा कंपनियों द्वारा ग्राहकों के बीमा दावों पर निर्णय लेने में निष्पक्षता बरतने की जरूरत पर भी जोर दिया।

आंध्र प्रदेश सरकार ने 2024-25 के लिए 2.94 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने सोमवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.94 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। वित्त मंत्री पय्यवुला केशव ने कहा कि इस बजट का उद्देश्य राज्य की वित्तीय स्थिति को वापस पटरी पर लाना है।

वित्त मंत्री ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए अनुमानित राजस्व घाटा करीब 34,743.38 करोड़ रुपये (जीएसडीपी का 2.12 प्रतिशत) और राजकोषीय घाटा लगभग 68,742.65 करोड़ रुपये (जीएसडीपी का 4.19 प्रतिशत) रहने का अनुमान है।

केशव ने नवगठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के दूसरे विधानसभा सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'आज मैं जो बजट प्रस्ताव प्रस्तुत कर रहा हूं, वह राज्य की वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए तथा धन सृजन के माध्यम से राज्य को वित्तीय रूप से फिर खड़ा करने के लिए तैयार किया गया है।'

राज्य सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.94 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जिसमें राजस्व व्यय 2.36 लाख करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय 32,713 करोड़ रुपये अनुमानित है।

बजट में पंचायत राज और ग्रामीण विकास के लिए 16,739 करोड़ रुपये आवंटित किए गए है। इस विभाग का प्रभार उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण के पास है।

वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में स्कूली शिक्षा के लिए कुल 29,909 करोड़ रुपये और स्वास्थ्य सेवा एवं परिवार कल्याण के लिए 18,421 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

वित्त मंत्री ने अनुसूचित जाति (एससी) क्षेत्र के कल्याण के लिए 18,497 करोड़ रुपये, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए 7,557 करोड़ रुपये, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 39,007 करोड़ रुपये और अल्पसंख्यक कल्याण के लिए 4,376 करोड़ रुपये आवंटित किए है।

विस्तारा की फ्लाइट आज भरेगी आखिरी उड़ान, 12 नवंबर से एअर इंडिया करेगी संचालन

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी स्वामित्व वाली भारत की तीसरी सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी विस्तारा की फ्लाइट सोमवार को अपने गंतव्य के लिए आखिरी उड़ान भरेगी। विस्तारा आज के बाद टाटा की अगुवाई वाली एअर इंडिया में शामिल हो जाएगी। इसके साथ ही तेजी से बढ़ते भारतीय विमानन क्षेत्र में पूर्ण सेवा देने वाली एयरलाइंस की संख्या पिछले 17 वर्षों में पांच से घटकर अब सिर्फ एक रह जाएगी।

विस्तारा के सभी फ्लाइट्स का ऑपरेशन 12 नवंबर से एअर इंडिया करेगी। इसके लिए टिकट की बुकिंग भी एअर इंडिया के वेबसाइट से होगी। एअर इंडिया समूह में शामिल होने से पहले विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइटों को उड़ान भरने का आज आखिरी दिन है। इस विलय के बाद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मानदंडों के उदारीकरण के बाद बनी एक विदेशी एयरलाइन के संयुक्त स्वामित्व वाली एक और कंपनी अवसान हो जाएगा।

विस्तारा ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किए एक बयान में कहा कि, ' जैसे-जैसे विमान ऊपर चढ़ता है, वैसे-वैसे हमारे सपने भी ऊपर उठते हैं। आइए भविष्य की ओर बढ़ें, जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि सिर्फ. शुरूआत है, जब क्लब विस्तारा एअर इंडिया फ्लाइंग रिटर्न्स के साथ मिलकर महाराजा क्लब बन रहा है तो नए साइन-अप सहित आपके खाते तक पहुंच 11 नवंबर को 6 बजे आईएसटी से 12 नवंबर, 2024 को 2 बजे आईएसटी तक अस्थायी रूप से अनुपलब्ध रहेगी। आपकी समझ और सहयोग के लिए धन्यवाद, क्योंकि हम आपको दोनों दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देने के लिए दोनों लॉयल्टी कार्यक्रमों को मिला रहे हैं।'

सीसीआई ने इसे सितंबर 2023 में दी थी मंजूरी

एअर इंडिया और विस्तारा की विलय पर नवंबर 2022 में साइन हुई थी। भारतीय रेगुलेटर भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने इसे सितंबर 2023 में मंजूरी दी थी। इस मर्जर के बाद मार्केट शेयर के लिहाज से एअर इंडिया समूह इंडिगो के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी डोमेस्टिक एयरलाइन और सबसे बड़ी इंटरनेशनल एयरलाइन बन गई है। इस मर्जर के पूरा होने पर एअर इंडिया फुल-सर्विस और लो-कॉस्ट वाली पैसेंजर सर्विस दोनों को ऑपरेट करने वाला एकमात्र भारतीय एयरलाइन समूह होगा।

एअर इंडिया के पायलटों में है नाराजगी

एअर इंडिया और विस्तारा के विलय से पहले एअर इंडिया के पायलटों का एक तबका टाटा समूह के स्वामित्व वाली दोनों एयरलाइंस के पायलटों के लिए सेवानिवृत्ति की अलग-अलग आयु सीमा को लेकर नाराज है। वर्ष 2022 की शुरूआत में टाटा के स्वामित्व में आई एअर इंडिया के पायलटों और दूसरे कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु 58 साल है। वहीं, टाटा समूह की ही दूसरी एयरलाइन विस्तारा में यह सीमा 60 वर्ष है। दरअसल एअर इंडिया के पायलटों के एक वर्ग में नाराजगी बढ़ रही है, क्योंकि प्रबंधन ने अभी तक विलय के बाद बनी इकाई के लिए एक समान सेवानिवृत्ति आयु तय नहीं की है।

विस्तारा का 2012 में हुआ था जन्म

विदेशी स्वामित्व वाली विस्तारा में 49 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली सिंगापुर एयरलाइंस के पास विलय के बाद एअर इंडिया में सिर्फ 25.1 फीसदी हिस्सेदारी रह जाएगी। साल 2012 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार ने विदेशी एयरलाइंस को एक घरेलू एयरलाइन में 49 फीसदी तक की हिस्सेदारी खरीदने की अनुमति दी थी। इसके बाद अब बंद हो चुकी जेट एयरवेज में खाड़ी क्षेत्र की एयरलाइन एतिहाद ने 24 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की और दूसरी ओर एयरएशिया इंडिया और विस्तारा का जन्म हुआ।

डूब गईं कई भारतीय विमानन कंपनियां

विस्तारा पिछले 10 वर्षों में परिचालन शुरू करने वाली एकमात्र पूर्ण सेवा वाला वायुयान भी है। वर्ष 2007 में पूर्ण सेवा वाहक (एफएससी) इंडियन एयरलाइंस के एअर इंडिया के साथ विलय के बाद से कम से कम पांच एफएससी ने भारत में शुरूआत की। हालांकि, समय के साथ किंगफिशर और एयर सहारा गायब हो गए। किंगफिशर 2012 में बंद हो गई, जबकि एयर सहारा का जेट एयरवेज ने अधिग्रहण किया। इसका नाम बदलकर जेटलाइट कर दिया गया। ये 2019 में जेट एयरवेज के साथ डूब गई।

उल्लेखनीय है कि सिंगापुर एयरलाइंस 12 नवंबर को विस्तारा के विलय के बाद टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया में 3,194.5 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगी। इस विलय समझौते की घोषणा 29 नवंबर, 2022 को की गई थी, जो 11 नवंबर, 2024 को पूरा होने जा रहा है। इस विलय की वजह से सिंगापुर एयरलाइंस के पास विस्तारित एअर इंडिया में हिस्सेदारी घटकर 25.1 फीसदी रह जाएगी। एअर इंडिया (एअर इंडिया एक्सप्रेस और एयर एशिया इंडिया सहित) और विस्तारा के पास टोटल 218 वाइडबॉडी और नैरोबॉडी एयरक्राफ्ट्स हैं, जो 38 इंटरनेशनल और 52 घरेल उड़ान के लिए सर्विस देते हैं।

एक नजर

महिंद्रा की एक्सयूवी 3एक्स0 ग्राहकों के बीच हो रही लोकप्रिय

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा की एक्सयूवी 3एक्स0 ग्राहकों के बीच लगातार पॉपुलर हो रही है। बीते महीने यानी अक्टूबर, 2024 में महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्स0 की बिक्री में सालाना आधार पर 97 पर्सेंट की बढ़ोतरी देखी गई। इस दौरान महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्स0 को कुल 9,562 नए खरीददार मिले। भारतीय मार्केट में महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्स0 का मुकाबला मारुति सुजुकी ब्रेजा, टाटा पंच और हुंडई वेन्यू जैसी एसयूवी से होता है। कंपनी ने अप्रैल, 2024 के अंत में अपनी पॉपुलर एसयूवी एक्सयूवी 300 के अपडेटेड वर्जन एक्सयूवी 3एक्स0 को लॉन्च किया था जिसे ग्राहकों का लगातार शानदार रिस्पांस मिल रहा है। महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्स0 बीते महीने देश की टॉप-सेलिंग कॉम्पैक्ट एसयूवी में भी शामिल रही थी। दमदार इंजन से लैस है महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्स0 अगर पावरट्रेन की बात करें तो महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्स0 में 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है जो 110बीएचपी की अधिकतम पावर और 200 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है। जबकि 1.5-लीटर डीजल इंजन 117बीएचपी की अधिकतम पावर और 300एनएम का पीक टॉर्क जनरेट कर सकती है। कार में है 6-एयरबैग दूसरी ओर फीचर्स के तौर पर कार के इंटीरियर में 10.25-इंच का इन्फोटेनमेंट सिस्टम, 10.25-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, क्रूज कंट्रोल, वायरलेस फोन चार्जिंग, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी और पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा, सेफ्टी के लिए कर में स्टैंडर्ड 6-एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, अडास टेक्नोलॉजी के साथ 360-डिग्री कैमरा भी दिया गया है। इसके अलावा, कार में दिया गया 1.2-लीटर टीजीडीआई टर्बो पैट्रोल इंजन 130बीएचपी की अधिकतम पावर और 250 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है। कार में ग्राहकों को ऑटोमेटिक और मैनुअल, दोनों गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है।

रिजर्व बैंक ने एफपीआई को एफडीआई में पुनर्वगीर्कृत करने के लिए रूपरेखा की जारी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के निवेश को लेकर एक परिचालन रूपरेखा जारी की है। इसके तहत यदि किसी इकाई का निवेश निर्धारित सीमा को लांघता है, तो उसे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में पुनर्वगीर्कृत किया जाएगा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा वर्तमान में अपने निवेशक समूह (एफपीआई) के साथ किया गया निवेश कुल चुकता इक्विटी पूंजी (कंपनी के विभिन्न विकल्पों में मौजूद सभी शेयरों सहित) के 10 प्रतिशत से कम होना चाहिए। निर्धारित सीमा का उल्लंघन कर निवेश करने वाले किसी भी एफपीआई के पास उल्लंघन करने वाले लेनदेन के निपटान की तारीख से पांच कारोबारी दिन के भीतर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा निर्दिष्ट शर्तों के अधीन अपनी हिस्सेदारी को बेचने या ऐसी हिस्सेदारी को एफडीआई के रूप में पुनर्वगीर्कृत करने का विकल्प है। आरबीआई ने एफपीआई द्वारा विदेशी पोर्टफोलियो निवेश को एफडीआई में पुनर्वगीर्कृत करने के लिए एक परिचालन रूपरेखा जारी की है। इस रूपरेखा के अनुसार, संबंधित एफपीआई को सरकार से आवश्यक अनुमोदन तथा संबंधित भारतीय निवेशकर्ता कंपनी की सहमति लेनी होगी। पुनर्वगीकरण के लिए ऐसे एफपीआई द्वारा किए गए संपूर्ण निवेश की जानकारी विदेशी मुद्रा प्रबंधन (भुगतान का तरीका तथा गैर-ऋण साधनों की जानकारी) विनियम, 2019 के तहत निर्दिष्ट समयसीमा के भीतर दी जानी चाहिए। केंद्रीय बैंक ने कहा कि जानकारी देने के बाद एफपीआई को अपने 'कस्टोडियन' से संपर्क कर भारतीय कंपनी के इक्विटी माध्यमों को अपने विदेशी पोर्टफोलियो निवेश डीमैट खाते से अपने एफडीआई को रखने के लिए बनाए गए डीमैट खाते में स्थानांतरित करने का अनुरोध करना चाहिए। आरबीआई ने कहा कि ये निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

जर्मनी और इंग्लैंड की यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश को निवेश स्थल के रूप में पेश करेंगे मोहन यादव

ग्वालियर, एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव इस महीने के अंत में जर्मनी और इंग्लैंड की यात्रा पर जाएंगे जहां वह राज्य को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में पेश करेंगे। मध्यप्रदेश में अगले साल फरवरी में वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यादव ने कहा कि विश्वस्तरीय निवेशक सम्मेलन के आयोजन से पहले दिसंबर, 2025 में नर्मदापुरम और जनवरी, 2025 में शहडोल संभागीय मुख्यालयों पर उद्योग सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। यादव ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं 23 नवंबर से एक दिसंबर तक जर्मनी और इंग्लैंड की यात्रा पर रहूंगा। मैं उद्योगपतियों को आमंत्रित करूंगा और मध्यप्रदेश को निवेश गंतव्य के रूप में पेश करूंगा।' यादव ने ग्वालियर में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के विकास की संभावना का संकेत देते हुए कहा कि कई पेशेवरों को बेहतर अवसरों की तलाश में यहां से पलायन करना पड़ा है।

मारुति ने पेश किया डिजायर का नया संस्करण, कीमत 6.79 लाख से शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की प्रमुख वाहन विनिमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने सोमवार को अपनी कॉम्पैक्ट सेडान कार डिजायर का नया संस्करण पेश किया। कंपनी ने कहा है कि घरेलू बाजार में अपनी उच्च हिस्सेदारी को बनाए रखने के लिए कंपनी प्रत्येक ग्राहक वर्ग की जरूरतों को पूरा करना जारी रखेगा। नई डिजायर की दिल्ली शोरूम में कीमत 6.79 लाख से 10.14 लाख रुपये रखी गई है। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने यहां संवाददाताओं से कहा कि स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) खंड में वृद्धि हो रही है, लेकिन बाजार में ज्यादा हिस्सेदारी बनाए रखने के लिए अन्य खंड भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि अबतक विभिन्न बाजारों में डिजायर की करीब 30 लाख इकाइयां बिक चुकी हैं। ताकेउची ने बताया कि कंपनी ने इस मॉडल के विकास पर करीब 1,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एमएसआई के वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा कि कंपनी का प्रयास सभी ग्राहक वर्ग को सेवा प्रदान करना है। एमएसआई के पास वर्तमान में कुल घरेलू यात्री वाहन बाजार में 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। खुदरा बिक्री के मामले में कंपनी ने अक्टूबर में 2.02 लाख इकाइयों के साथ अपना अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। सेडान खंड में मारुति सुजुकी की बाजार हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से ज्यादा है।

नॉर्टन मोटरसाइकिल्स ने शीर्ष नेतृत्व में किया फेरबदल

नई दिल्ली, एजेंसी। टीवीएस मोटर की इकाई ब्रिटिश बाइक विनिमार्ता नॉर्टन मोटरसाइकिल्स ने अपने शीर्ष नेतृत्व में सोमवार को बदलाव किया। इसके साथ ही अब कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रॉबर्ट हेंटशेल तत्काल अपने पद से हट जाएंगे और गैर-कार्यकारी निदेशक की भूमिका में आ जाएंगे। कंपनी ने बयान में कहा, नेविजो मेंस कार्यकारी निदेशक के रूप में शामिल होंगे और सभी 'अपस्ट्रीम' कारोबारी परिचालन की देखरेख करेंगे। मेंस उत्पाद डिजाइन, विकास व इंजीनियरिंग, विनिर्माण, खरीद, गुणवत्ता नियंत्रण और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का नेतृत्व करेंगे।

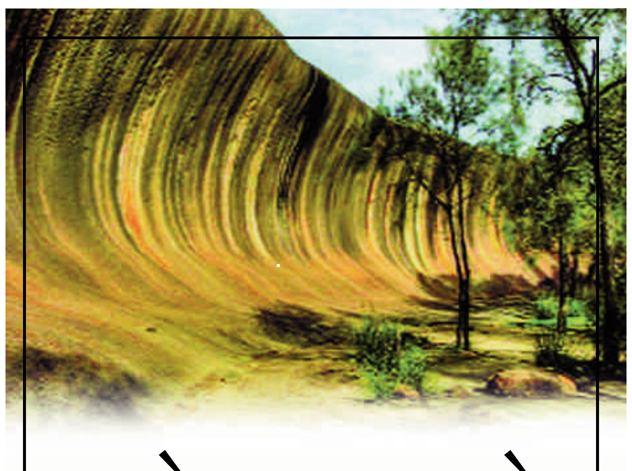

मानो या न मानो

- आस्ट्रेलिया में हाइडन के निकट 'वेव रॉक' नामक एक ऐसी चट्टान है, जो दूर से देखने पर एक शक्तिशाली जल प्रपात के समान दिखाई देती है।
- दुनिया भर में भेड़ों से प्रतिदिन पांच हजार टन ऊन प्राप्त होती है जिससे डेढ़ करोड़ से भी अधिक स्वेटर तैयार हो सकते हैं।
- नदी-नालों या तालाबों की तली से उत्पन्न बुलबुलों का आकार ऊपरी सतह तक आते-आते बढ़ जाता है क्योंकि ऊपर दबाव कम होता है परन्तु जहां से बुलबुले बनते हैं, वहां अधिक।
- यूरोप के आल्पाइन नामक क्षेत्र में सफेद सांभर को मृत्यु का अग्रसूचक माना जाता है। वहां ऐसा अंधविश्वास प्रचलित है कि इसका शिकार करने वाला व्यक्ति स्वयं एक वर्ष के भीतर मर जाएगा।
- 'बी आर्किड' नामक पौधे के फूल देखने में मधुमक्खी जैसे लगते हैं।

- 'इलेक्ट्रिक कैट फिश' नामक मछली छोटी मछलियों को बिजली का झटका देकर मार डालती है। यह भी दिलचस्प है कि वह उन्हें अपना आहार नहीं बनाती है बल्कि उनके शिकार को अपना आहार बनाने के लिए ऐसा करती है।
- 'स्टिगिंग नैटल' नामक वृक्ष उन मनुष्यों को मौत के घाट उतार सकता है जिन्हें इसके विष से एलर्जी होती है। दरअसल, इनके त्वचीय भाग में रोएं पाए जाते हैं जो विषैले होते हैं और शरीर में चुभकर अपना विषैला प्रभाव छोड़ते हैं जिससे व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

- **गरनर्ड मछली**
  यह पकड़े जाने पर घुर्र की आवाज करती है। इसके शरीर में छाती पर तीन अँगुलियों जैसे अंग होते हैं, जिनसे यह समुद्र की कीचड़ भरी तली में भोजन खोदकर मुँह में डालती है।
- **पर्पिल शोर केकड़ा**
  यह केकड़ा अपने भार के अनुपात में 40 आदमियों के बराबर ताकत रखता है।
- **अण्डे खाने वाली मादा मछली**
  बाओफिन नामक मादा मछली अंडे देने के बाद स्वयं उन्हें खा लेती है, इसलिए नर बाओफिन को उन अंडों की रक्षा करनी पड़ती है, जब तक अंडों में से बच्चे न निकल जाएँ।

- **कॉलोरेडो नदी का मेढक**
  जिसकी टर्र-टर्र की आवाज यात्रियों को भ्रमित कर देती है। इसकी टर्र-टर्र की आवाज नाव की सीटी जैसी होती है।
- **गिरगिट**
  गिरगिट रंग बदलने वाला प्राणी है। गिरगिट की आँखें एक-दूसरे से स्वतंत्र रहकर एक साथ दो दिशाओं में देख सकती हैं।
- **सफेद सांभर**
  यूरोप के आलपाइन क्षेत्र में मृत्यु का अग्रसूचक माना जाता है। अंधविश्वासी दावा करते हैं कि इसका शिकार करने वाला स्वयं एक वर्ष के अन्दर ही मर जाएगा।
- **अफ्रीका की पैराडाइज व्हिडाह चिड़िया**
  हमेशा अपने अण्डे 'वैक्सविंग पक्षी के घोसले में देती है, पर पूरी तरह तसल्ली करके कि उसके पंख और बोली भी 'व्हिडाह' के जैसी ही है।
- **वर्षा करने वाला पेड़**
  गर्म क्षेत्र में उत्पन्न होने वाला 'समानी समन' नामक पेड़ दिन में फलियों में पानी एकत्र कर लेता है और शाम को घनी वर्षा के रूप में उसे बरसा देता है।

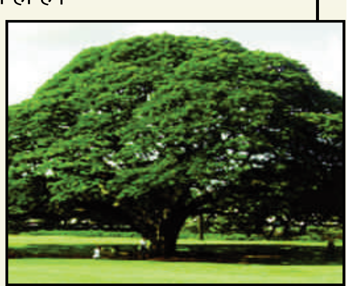

- **मोरपंखी कीड़ा**
  यह समुद्र की तली के दलदल में पाया जाता है। पानी के अंदर अपने भोजन को पकड़ने के लिए मोर के रंगीन पंखों जैसे अपने गलफड़ों को फैलाता है।
- **रंग-बिरंगी चिड़िया**
  ऑस्ट्रेलिया की पिट्टा चिड़िया जिसके पंख नौ रंगों (नीला, पीला, हरा, नारंगी, भूरा, गुलाबी, लाल, सफेद और काला) के हाते हैं, जो सदैव चमकते रहते हैं।

कहानी राजस्थान के एक ऐसे किले की, जिसका आठवां द्वार है काफी रहस्यमय

भारत मंदिरों का देश होने के साथ-साथ किलों का भी देश है। क्योंकि हमारे देश सैकड़ों किले हैं, जो देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित हैं। इनमें से कई किले सैकड़ों साल पुराने तो कई ऐसे भी हैं, जिनके निर्माण के बारे में कोई नहीं जानता। यहां मौजूद कई किलों को तो किसी ना किसी वजह से रहस्यमय भी माना जाता है। आज हम आपको एक ऐसे ही किले के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में कहा जाता है कि वहां से पूरा पाकिस्तान दिख जाता है, लेकिन इस किले के आठवें द्वार को बेहद ही रहस्यमय माना जाता है। आपको बता दें कि इस किले को मेहरानगढ़ दुर्ग या मेहरानगढ़ फोर्ट के नाम से जाना जाता है।

राजस्थान के जोधपुर शहर के ठीक बीचों-बीच स्थित यह किला करीब 125 मीटर की ऊंचाई पर बना है। 15वीं शताब्दी में इस किले की नींव राव जोधा ने रखी थी, लेकिन इसके निर्माण का कार्य महाराज जसवंत सिंह ने पूरा किया।

यह किला भारत के प्राचीनतम और विशाल किलों में से एक है, जिसे भारत के समृद्धशाली अतीत का प्रतीक माना जाता है। आठ द्वारों और अनगिनत बुर्जों से युक्त यह किला ऊंची-ऊंची दीवारों से घिरा है। वैसे तो इस किले के सात ही द्वार (पोल) हैं, लेकिन कहते हैं कि इसका आठवां द्वार भी है, जो रहस्यमय है। किले के प्रथम द्वार पर हाथियों के हमले से बचाव के लिए नुकीली कीलें लगवाई गई थीं।

मेहरानगढ़ दुर्ग के अंदर कई भव्य महल, अद्भुत नक्काशीदार दरवाजे और जालीदार खिड़कियां हैं, जिनमें मोती महल, फूल महल, शीश महल, सिलेह खाना और दौलत खाना बेहद खास हैं। किले के पास ही चामुंडा माता का मंदिर है, जिसे राव जोधा ने 1460 ईस्वी में बनवाया था। नवरात्रि के दिनों में यहां विशेष पूजा अर्चना की जाती है।

मेहरानगढ़ किले के बनने की कहानी कुछ इस तरह है कि राव जोधा जब जोधपुर के 15वें शासक बने, उसके एक साल बाद ही उन्हें लगने लगा कि मंडोर का किला उनके लिए सुरक्षित नहीं है।

राव जोधा अपने तत्कालीन किले से एक किलोमीटर दूर पहाड़ी पर एक किला बनवाने की सोची। उस पहाड़ी को भोर चिड़ियाटूंक के नाम से जाना जाता था, क्योंकि वहां काफी संख्या में पक्षी रहते थे। माना जाता है कि राव जोधा ने 1459 में इस किले की नींव रखी थी।

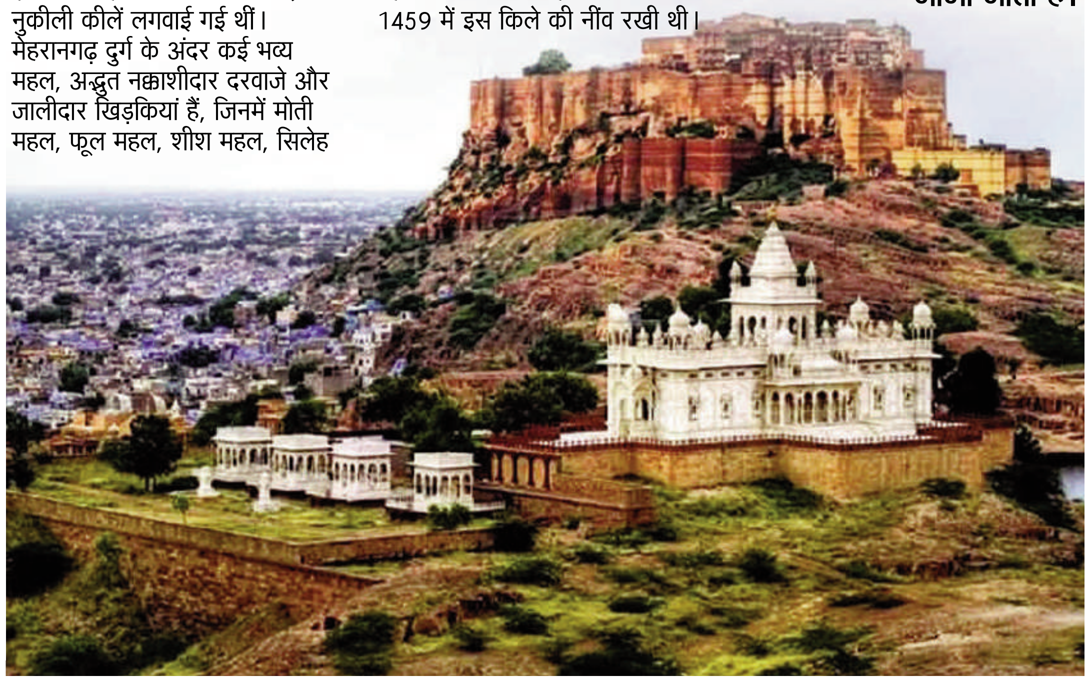

रंग बदलती है ये झील

दुनियाभर में कई ऐसे झील हैं जो अपने किसी ना किसी अनोखे कामों के लिए प्रसिद्ध है। आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं। जी दरअसल हम बात कर रहे हैं 'कराकुल झील' की। यह झील भारत से कोसों दूर मध्य-एशिया के ताजिकिस्तान में है। इस झील को मध्य-एशिया की चुनिंदा खूबसूरत और अद्भत झीलों में गिना जाता है। यह झील लगभग 380 वर्ग किमी में फैली है। यहाँ चारों तरफ फैले पहाड़ और रेगिस्तान सभी को आकर्षित करते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस झील का पहला नाम महारानी विक्टोरिया पर रखा गया था, लेकिन कुछ ही समय बाद में सोवियत संघ द्वारा इस झील का नाम 'काराकुल' रख दिया गया, जिसका मतलब होता है काली झील। कहा जाता है इस झील का निर्माण धरती से उल्कापिंड के टकराने की वजह से हुआ था। इस घटना को ढाई करोड़ साल पहले हुई बताया जाता है। वैसे यह कोई नहीं जानता कि इस बात में कितनी सच्चाई है। यह झील नमक की झील है, और

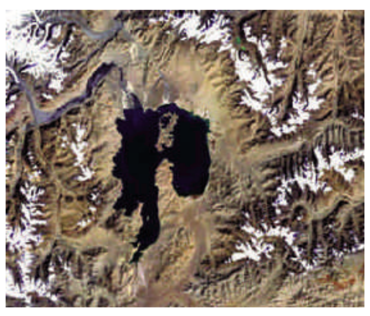

इसे चारों तरफ से घेर दिया गया है, ताकि इसका पानी बाहर न जा सके। बताया जाता है इस झील में इतना नमक पाया जाता है कि इसमें एक खास प्रजाति की मछली को छोड़कर कोई और जीव नहीं रहता।

वैसे इस झील को देखने लोग दूर-दूर से आते हैं क्योंकि यह झील दिन में कई बार अपने रंग को बदलती है। यह झील अगर सुबह से शाम तक में कभी नीली, कभी गहरे हरे रंग की, तो कभी फिरोजी रंग की हो जाती है। वही आज तक यह नहीं पता चल पाया कि ऐसा क्यों होता है। इस झील में भारी मात्रा में नमक की मौजूदगी के चलते आप इसमें बोटिंग भी नहीं कर सकते।

गर्मियों की छुट्टियों में बनो खतरों के खिलाड़ी

दोस्तों, बंजी जपिंग, पैरा ग्लाइडिंग, वॉटर स्पोर्ट्स जैसे एडवेंचर्स को देखकर तुम्हारा मन भी करता होगा इन्हें करने का। तो इन छुट्टियों में तुम इन्हें ट्राई कर सकते हो, पर हां, सावधानी बरतकर..कहां पर जाकर कर सकते हो -

खतरों के खिलाड़ी बनने का सपना देखा है क्या कभी? बंजी जंपिंग, पैरा ग्लाइडिंग, वॉटर स्पोर्ट्स जैसे एडवेंचर्स खेल देखकर तुम्हारे मन में आया ही होगा कि तुम कब कर पाओगे इन्हें। लेकिन आत्मविश्वास, समय और सही गाइडेंस की कमी के कारण तुम कर कुछ भी नहीं पाए हो अभी तक, तो यही समय है इन्हें ट्राई करने का।

ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि गर्मियों की लंबी छुट्टियां जो आ गई हैं। तो तुम भी अपने दोस्तों के साथ इन छुट्टियों में इस तरह के थ्रिल भरे एडवेंचर्स कैंप्स में शामिल हो जाओ और छुट्टियों को यादगार बनाओ। ये कैंप्स मई-जून के महीने में बच्चों की उम्र के हिसाब से 8-10 दिन तक लगातार चलते हैं। घर से दूर 6-10 दिन के इन आउटडोर कैंप्स से न केवल बहुत कुछ जानने-सीखने का मौका मिलता है, बल्कि इनसे तुम्हारा आत्मविश्वास, पर्सनेलिटी, लीडरशिप, टीम वर्कशिप और सोशल नेटवर्क भी बढ़ता है। हमारे देश में ये कैंप्स कई स्थानों पर होते हैं, जिन्हें अनुभवी प्रशिक्षक की पूरी टीम की देखरेख में चलाया जाता है। पर इन सबके बीच इन खेलों में सावधानी बरतना बेहद आवश्यक है। इसलिए मम्मी-पापा की रजामंदी से ही तुम यहां जा सकते हो।

खेल-खेल में सीखो नई बातें

गर्मियों की छुट्टियों में दिन भर घर में रहकर तुम ऐसी वेबसाइट्स सर्च कर सकते हो, जो तुम्हें खेल-खेल में कुछ नया सिखाएंगी। जैसे नए शब्द या कैलकुलेशन के आसान तरीके। ऐसी ही एक वेबसाइट के बारे में तुम्हें बता रहे हैं गर्मियों की छुट्टियों में अगर तुमसे कोई पढ़ने को कहता है तो तुम्हें कितना गुस्सा आता है ना। तुम यही सोचते हो ना कि छुट्टियां तो होती हैं खेलने, मस्ती करने और जमकर धमाल मचाने के लिए। ऐसे में आज हम तुम्हें एक ऐसी वेबसाइट के बारे में बता रहे हैं, जहां पर इतने सारे गेम्स हैं कि तुम खेलते-खेलते थक जाओगे, लेकिन मजेदार गेम्स खत्म होने का नाम ही नहीं लेंगे। तो अबकी बार छुट्टियों में तुम गर्मी से अपना बचाव करते हुए आउटडोर गेम्स की जगह इनडोर गेम्स को प्राथमिकता दो। अपने कंप्यूटर या पापा के लैपटॉप पर वेबसाइट ऑन करो और गेम्स खेलते हुए ज्ञान बढ़ाओ।

लर्निंग गेम्स फॉर किड्स नाम से तो तुम समझ ही गए हो कि यह वेबसाइट सिर्फ तुम जैसे बच्चों के लिए ही है और वह भी सिर्फ गेम्स के लिए ही। यह एक ऐसी वेबसाइट है, जहां पर सिर्फ गेम्स ही हैं। नो स्टडी, नो होमवर्क, नो टेंशन ओन्ली गेम्स विद फन। मतलब कि पढ़ाई की टेंशन दूर करने के लिए यहां पर काफी खेल हैं, लेकिन इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां के गेम्स तुम्हें काफी कुछ सिखाते हैं। तुम्हें अपने सब्जेक्ट में स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए सब्जेक्ट वाइज गेम्स तैयार किए गए हैं और तुम्हें मानसिक और शारीरिक तौर पर फिट रखने के लिए भी गेम्स हैं।

सब्जेक्ट टू हेल्थ गेम्स

इस वेबसाइट पर सब्जेक्ट वाइज गेम्स बनाए गए हैं। इन गेम्स को खेलते हुए तुम्हें मजा भी आएगा और विषय के बारे में तुम्हारी समझ बढ़ने के साथ-साथ विषय पर पकड़ भी बनेगी। गेम कैटेगरी में जाने पर तुम्हें कई सारे सेक्शन दिखेंगे। मैथ गेम्स के सेक्शन में किंडरगार्टन मैथ से लेकर फिफ्थ ग्रेड मैथ और एडिशन, सब्सट्रैक्शन, मल्टीप्लिकेशन, डिवीजन, रैंडो मैथ जैसे गेम्स दिए गए हैं। ज्योग्राफी गेम्स के सेक्शन में अफ्रीका गेम्स, अंटार्कटिका गेम्स, एशिया गेम्स, ऑस्ट्रेलिया गेम्स, यूरोप गेम्स, नॉर्थ अमेरिका गेम्स, साउथ अमेरिका गेम्स, रैंडोग्राफी गेम्स आदि हैं। सोशल स्टडीज गेम्स में बैंजामिन फ्रैंकलिन, इन्वेंटर्स, यूएस प्रेसिडेंट, वुमन इन हिस्ट्री जैसे गेम्स हैं। साइंस गेम्स के सेक्शन में साइंस एक्सपेरिमेंट्स, साइंस सॉन्ग्स, स्पेस गेम्स, वेदर गेम्स, मोशन गेम्स, चेंज इन मैटर गेम्स, सिम्पल मशीन गेम्स, हीट एनर्जी गेम्स जैसे सेक्शन हैं। ब्रेन गेम्स में हैंड आई गेम्स, लॉजिक गेम्स, मेमोरी गेम्स, टू प्लेयर गेम्स आदि हैं। इन सबके अलावा वोकेबुलरी गेम्स, एनिमल गेम्स, आर्ट एंड म्यूजिक गेम्स, प्री स्कूल गेम्स, स्पेलिंग गेम्स, ग्राफिक ऑर्गनाइजर्स, अल्फाबेट गेम्स, वर्ड गेम्स, लिटरेचर गेम्स, की-बोर्डिंग गेम्स, यूएस स्टेट गेम्स जैसे कई सेक्शन हैं, जिनके अंदर ढेर सारे गेम्स हैं। इनमें से किसी पर भी क्लिक कर तुम गेम्स खेलने के साथ-साथ मेमोरी पॉवर को भी बढ़ा सकते हो और सब्जेक्ट के बारे में भी काफी कुछ सीख सकते हो।

इंडोर गेम्स खेलकर रहोगे फिट

तुम्हें स्वस्थ रखने के लिए हेल्थ गेम्स का सेक्शन भी बनाया गया है, ताकि इंडोर गेम्स खेलते हुए तुम मानसिक और शारीरिक तौर पर फिट रहो। हेल्थ गेम्स सेक्शन में एलर्जी, एनाटॉमी, डेंटल, स्टेइंग फिट जैसे कई गेम्स हैं, जिन्हें खेलकर तुम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सकते हो।

सार समाचार

विराट की फॉर्म पर टिप्पणी के लिए गंभीर ने पोंटिंग को दिया जवाब

मुंबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड से मिली शर्मनाक टेस्ट सीरीज हार और कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली समेत टीम इंडिया के कई सीनियर खिलाड़ियों के फ्लॉप शो पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने सवाल उठाए थे। इसके जवाब में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पलटवार किया है। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कप्तान रोहित शर्मा सहित अपने सीनियर खिलाड़ियों का समर्थन किया और कहा कि पोंटिंग को ऑस्ट्रेलियाई टीम के बारे में बात करनी चाहिए।

रोहित और कोहली दोनों ही न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न तीन मैचों की घरेलू सीरीज में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे। रोहित ने छह पारियों में एक अर्धशतक सहित केवल 91 रन बनाए, जबकि कोहली ने 93 रन बनाए, जिनमें से 70 रन बेंगलुरु में पहले टेस्ट की दूसरी पारी में आए। गंभीर ने कहा, रिकी पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है? उन्हें ऑस्ट्रेलिया के बारे में बात करनी चाहिए। विराट कोहली और रोहित शर्मा अभी भी खेल के प्रति जुनूनी हैं और वह अपने करियर में अभी और अधिक बुलंदी हासिल करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, वे सफलता के भूखे हैं और पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने देश के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यहां तक ??कि अन्य खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और मुझे यकीन है कि हम एक समूह के रूप में सुधार करेंगे। विराट और रोहित को लेकर मुझे कोई चिंता नहीं है।

गंभीर ने सीनियर बल्लेबाजों पर पूरा भरोसा जताया और उनकी फॉर्म पर किसी भी तरह के संदेह को खारिज कर दिया। मुख्य कोच ने कहा, रोहित और विराट के लिए मुझे किसी भी तरह की चिंता नहीं है। वे मजबूत खिलाड़ी हैं और उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत कुछ हासिल किया है और आगे भी ऐसा करते रहेंगे। दरअसल, पिछले सप्ताह पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में विराट कोहली के फॉर्म पर चिंता जताते हुए लगातार फ्लॉप शो के बावजूद टेस्ट टीम में उनके चयन पर सवाल उठाए थे।

डेविड वार्नर ने भारतीय पर्यटकों को ऑस्ट्रेलिया घूमने के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुरु होने से पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वार्नर टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया के साथ भारतीय पर्यटकों को ऑस्ट्रेलिया घूमने लिए आमंत्रित किया है। टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया द्वारा जारी एक नई सोशल कंटेंट सीरीज में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर वार्नर के अपने मनपसंद पर्यटक स्थल सिडनी, मेलबर्न और गोल्ड कोस्ट में छुट्टियां बिताने के उनके अनुभवों को साझा किया है। चार संस्करण की इस सीरीज को टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया के इन्स्टाग्राम अकाउंट एट द रेट ऑस्ट्रेलिया पर दिखाया जाएगा। इसे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत के ठीक कुछ सप्ताह पहले भारत में लॉन्च किया गया है। वार्नर ने नई सोशल कंटेंट सीरीज पर टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग करने पर जारी बयान कहा, 'हमारे अद्भुत वन्यजीवन से लेकर हमारी कॉफ़ी संस्कृति और सिडनी ऑपेरा हाउस तथा मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड जैसे आइकॉन्स तक, ऑस्ट्रेलिया में भारतीय पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है। मैं अपने देश के बैकयार्ड्स को दिखाने का अवसर पाकर बहुत उत्साहित हूँ। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच पाँच टेस्ट मैचों की सीरीज वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में 22 नवंबर, 2024 से आरम्भ होने जा रही है।

रोहित की गैर मौजूदगी में

जसप्रीत बुमराह करेंगे पर्थ टेस्ट में कप्तानी : गौतम गंभीर

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ टेस्ट में नहीं खेल पाते हैं तो इस मैच की कप्तानी जसप्रीत बुमराह करेंगे। यह जानकारी भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने दी। पर्थ टेस्ट दोनों टीमों के बीच खेली जाने वाली पांच मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट होगा।

निजी कारणों से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित शर्मा का पहला टेस्ट मैच खेलना फिलहाल स्पष्ट नहीं है। इसी वजह से उपकप्तान जसप्रीत बुमराह का नाम पहले मैच में कप्तानी के लिए आगे आया है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि अगर रोहित शर्मा पहले टेस्ट में उपलब्ध नहीं होते हैं तो उपकप्तान जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभालेंगे। गंभीर ने डिपार्चर से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा, फिलहाल रोहित के न खेलने को लेकर कोई पुष्टि नहीं हुई है। उम्मीद है कि वह उपलब्ध होंगे। अगर रोहित उपलब्ध नहीं होते हैं तो हम पहले टेस्ट के करीब आकर फैसला करेंगे। केएल राहुल टीम में हैं। अभिमन्यु टीम में हैं। हम सर्वश्रेष्ठ संभावित प्लेइंग इलेवन उतारने की कोशिश करेंगे। बता दें कि बुमराह ने इससे पहले 2022 में बर्मिंघम के एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी। उस समय कोरोना महामारी के चलते रोहित को मैच खेलने से बाहर कर दिया गया था। जब गंभीर से पूछा गया कि रोहित की अनुपस्थिति में कप्तान की भूमिका कौन निभाएगा तो उन्होंने कहा, जसप्रीत बुमराह उपकप्तान हैं और अगर रोहित शर्मा उपलब्ध नहीं हैं तो वह टीम की अगुवाई करेंगे। गंभीर ने बल्लेबाजी क्रम में में किसी भी स्थान पर अच्छा प्रदर्शन करने की केएल राहुल की क्षमता की भी सराहना की।

उन्होंने कहा, आप अनुभवी खिलाड़ियों के साथ भी जा सकते हैं। मुझे लगता है कि यह एक व्यक्ति की खूबी है कि वह वास्तव में शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर सकता है। आप तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं, और वह वास्तव में छठे स्थान पर भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए आपको इस तरह के काम करने के लिए काफी प्रतिभा की आवश्यकता होती है, और उन्होंने एक दिवसीय प्रारूप में भी विकेटकीपिंग की है। गंभीर ने कहा, तो कल्पना कीजिए कि कितने देशों के पास केएल राहुल जैसे खिलाड़ी हैं जो वास्तव में बल्लेबाजी की शुरुआत कर सकते हैं और छठे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि अगर जरूरत पड़ी तो वह हमारे लिए यह काम कर सकते हैं, खासकर अगर रोहित पहले टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

कप्तान रोहित शर्मा हुए बाहर!

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले भारतीय टीम को तगड़ा झटका...

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी के घर में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाना है. मगर इससे पहले भारतीय टीम के लिए एक तगड़ा झटका देने वाली खबर सामने आ रही है. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम के साथ रवाना नहीं हो रहे हैं.

ऐसे में स्पष्ट है कि रोहित शर्मा सीरीज का पहला टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे. उनकी जगह उपकप्तान जसप्रीत बुमराह को कमान संभालनी पड़ सकती है. बता दें कि कप्तान रोहित दूसरी बार पिता बनने वाले हैं. माना जा रहा है कि अगले कुछ दिन में रोहित की पत्नी रितिका सजदेह बच्चे को जन्म दे सकती हैं. ऐसे में रोहित उनके पास रहेंगे.

प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं रहेंगे कप्तान रोहित

हाल ही में खबर आई थी कि रोहित पहले बैच में भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया जा सकते हैं. साथ ही वो जरूरत पड़ने पर पहले और दूसरे टेस्ट के बीच में वापस आ सकते हैं.

लेकिन अब यह सभी संभावनाएं समाप्त हो गई हैं. दरअसल, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम दो बैच में 11 और 12 नवंबर को रवाना होगी. अगर रोहित शर्मा इस बैच के साथ जा रहे होते तब वे भी मीडिया से बातचीत का हिस्सा बनते. भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गई है. इसमें रोहित शामिल नहीं हैं. इसका वीडियो भी सामने आया है.

पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क.

टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर.

रिजर्वः मुकेश कुमार, नवदीप सैनी, खलील अहमद.

भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा

(नवंबर-जनवरी 2025)
22-26 नवंबर- पहला टेस्ट, पर्थ
6-10 दिसंबर-दूसरा टेस्ट, एडिलेड
14-18 दिसंबर- तीसरा टेस्ट, ब्रिस्बेन
26-30 दिसंबर- चौथा टेस्ट, मेलबर्न
03-07 जनवरी- पांचवा टेस्ट, सिडनी

मैच गंवाकर बोले सूर्यकुमार यादव

अभी 2 गेम बाकी हैं, बहुत सारा मनोरंजन बाकी है

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने गक्बेरहा के मैदान पर दूसरा टी20 मुकाबला 7 विकेट से गंवा लिया। दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स और जेराल्ड ने अंतिम ओवरों में साझेदारी कर भारत के जबड़े से जीत छीन ली। इसी के साथ भारत की 11 मैचों से चल रही विजयी स्ट्रीक भी टूट गई।

भारत ने टी20 विश्व कप में लगातार मुकाबले जीते थे। इसके बाद बांग्लदेश के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से जीतने के बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में जीत से ही शुरूआत की थी। सूर्यकुमार की टी20 में बतौर कप्तान यह केवल तीसरी हार ही है। मैच गंवाने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि आपको जो भी कुल मिलता है उसका हमेशा समर्थन करना होता है। बेशक, टी20 मैच में आप 125 या 140 का स्कोर नहीं बनाना चाहते, लेकिन हमारे लड़कों ने जिस तरह से गेंदबाजी की, उस पर मुझे गर्व है।

वरुण चक्रवर्ती की परफार्मेंस पर उन्होंने कहा कि यह टी20 गेम में 125 रन का बचाव करते मिले बेस्ट 5 विकेट है। यह अविश्वसनीय है। उन्होंने अपने खेल पर वास्तव में कड़ी मेहनत की। वह इस चरण का इंतजार कर रहे थे और सभी ने इसका आनंद लिया। उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। अभी दो गेम बाकी हैं, बहुत सारा मनोरंजन बाकी है और जोबर्ग में मजा आएगा।

ऐसा रहा मुकाबला

गक्बेरहा की उछाल भरी पिच पर दक्षिण अफ्रीका ने बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स और अंत के ओवरों में जेराल्ड कोइट्जी के बड़े शॉटों की बदौलत पर भारत से दूसरा टी20 मुकाबला 3 विकेट से जीत लिया।

125 रन का पीछा करते वक्त 86 रन पर 7 विकेट गंवा चुकी दक्षिण अफ्रीका को ट्रिस्टन और जेराल्ड ने अंत के ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर जीत दिला दी। 19वें ओवर में मुकाबले की उम्मीद थी लेकिन अर्शदीप को 4 चौके पड़े जिससे भारतीय टीम यह मुकाबला गंवा बैठी। इससे पहले हार्दिक पांड्या की 47 रन की धीमी पारी की बदौलत भारतीय टीम 124 रन ही बना पाई थी। अब चार मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है।

हार्दिक पंड्या को मैदान पर तेवर दिखाना पड़ा भारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या इस साल सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हुए हैं। कभी अपनी निजी जिंदगी को लेकर तो कभी क्रिकेट करियर को लेकर। हार्दिक एक बार फिर ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में हार्दिक ने जिस तरह के तेवर दिखाए उस तरह की बल्लेबाजी नहीं कर पाए। इसी कारण अब वह ट्रोल हो रहे हैं।

भारतीय टीम को थी रनों की जरूरत

भारतीय टीम ने दूसरे टी20 मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 124 रन बनाए थे। आखिर के ओवर्स में जब टीम को ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की जरूरत थी तो भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या फ्लॉप और अर्शदीप सिंह स्ट्राइक पर थे। 19वां ओवर डालने की जिम्मेदारी गेराल्ड कोएत्जी को दी गई। पहली गेंद पर अर्शदीप सिंह ने सिंगल नहीं ले पाए। दूसरे छोर पर खड़े हार्दिक स्ट्राइक पर आने को बेताब थे।

जॉस बटलर ने मारा इतना लंबा छक्का कि स्टेडियम पड़ गया छोटा

नईदिल्ली, एजेंसी। जॉस बटलर. बात अगर व्हाइट बॉल क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी ञ्20 क्रिकेट में धूम मचाने की हो तो ये नाम ही काफी है. बटलर जब बल्ले से बरस रहे हों तो अच्छे-अच्छे गेंदबाज भी उन्हें गेंद डालने से कतराते हैं. और, ऐसा क्यों है इसका एक खूबसूरत नजारा वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी-20 में देखने को मिला. जॉस बटलर ने इस मैच में क्या नहीं किया. कप्तानी पारी खेली.

ताबड़तोड़ रनों की बारिश की. चौके जमाए और एक के बाद एक 6 छक्के भी. लेकिन, बटलर के दिखे इस शो का जो स्टॉपर रहा, वो रहा वो लंबा छक्का, जिसके आगे स्टेडियम भी पड़ गया छोटा. इंग्लैंड और मेजबान वेस्टइंडीज के बीच 5 टी-20 मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला ब्रिजटाउन में खेला जा रहा था. मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 158 रन बनाए. जवाब में 159 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम के लिए ओपनिंग जोड़ी के ना चलने के बाद पारी को संभालने का जिम्मा कप्तान जॉस बटलर ने उठाया. बटलर ने क्रीज पर उतरने के बाद ज्यादा इंतजार नहीं कराया और दर्शकों को अपने उस अंदाज का दीदार कराना शुरू कर दिया, जिसके लिए वो वर्ल्ड फेमस हैं.

बेखौफ अंदाज में खेलते हुए बटलर ने 32 गेंदों पर अपना 24वां टी-20 इंटरनेशनल अर्धशतक पूरा किया और फिर उस पारी को आगे बढ़ाते हुए 45 गेंदों पर 83 रन तक ले गए. उनके बल्ले से कुल 9 चौके और 6 छक्के निकले.

वो छक्का जिसके लिए स्टेडियम पड़ गया छोटा!

जॉस बटलर ने मैच में अपना पहला छक्का छठे ओवर की चौथी गेंद पर जड़ा था. लेकिन जो 9वें ओवर की तीसरी गेंद पर अपनी इनिंग का दूसरा छक्का जो उन्होंने जड़ा, उस पर तो कमाल ही हो गया. वो छक्का इतना ऊंचा, इतना लंबा गया कि उसके लिए स्टेडियम भी मानों छोटा पड़ गया. बटलर ने ये छक्का वेस्टइंडीज के स्पिनर मोती के खिलाफ लगाया था.

बटलर ने लगाया कितना मीटर लंबा छक्का?

बटलर के बल्ले से टकराकर निकलने के बाद वो छक्का हवा में लहराते हुए सीधे स्टेडियम की छत्त पर जाकर लैंड हुआ.

और, फिर उसने वहां से स्टेडियम के बाहर का मोड़ ले लिया. वीडियो देखकर अगर आप इस छक्के की दूरी का अंदाजा नहीं लगा पा रहे तो चलिए हम बता देते हैं. बटलर का ये सिक्स 115 मीटर लंबा रहा. इसके बाद बटलर ने 4 छक्के और लगाए,

न्यूजीलैंड -श्रीलंका टी-20

लॉकी की हैट्रिक और ग्लेन फिलिप्स के 3 विकेट से जीता न्यूजीलैंड

सीरीज 1-1 से बराबर

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच खेले गए 2 मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और इस मैच में कीवी टीम ने लॉकी फर्ग्यूसन की हैट्रिक और ग्लेन फिलिप्स के 3 विकेट की मदद से मैच को 5 रन से जीत लिया। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद न्यूजीलैंड ने 2 मैचों की टी20 सीरीज को 1-1 से बराबरी पर खत्म किया। इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीता था और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंका ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए पहली पारी में न्यूजीलैंड की टीम को 19.3 ओवर में 108 रन पर आउट कर दिया। इस टीम को जीत के लिए 109 रन का आसान टारगेट मिला था, लेकिन श्रीलंका की टीम 19.5 ओवर में 103 रन पर आउट हो गई और उसे 5 रन से हार मिली। इस हार के साथ ये सीरीज भी ड्रॉ हो गया।

पहली पारी में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका की गेंदबाजी काफी अच्छी रही और वानिंदु हसरंगा ने 4 विकेट झटके जबकि मथिशा पथिराना ने 3 तो वहीं नुवान तुषारा ने 2 जबकि महीश तीक्षणा ने एक विकेट लिया। कीवी टीम की तरफ से विल यंग ने सर्वाधिक 30 रन की पारी खेली तो वहीं कप्तान मिचेल सैंटनर ने 19 रन जबकि जोस कार्लसन ने 24 रन बनाए।

लॉकी फर्ग्यूसन की हैट्रिक

लॉकी ने इस मैच में गजब की गेंदबाजी की और हैट्रिक विकेट भी हासिल किया। उन्होंने इस मैच में छठे ओवर की आखिरी गेंद पर (ये उनके पहले ओवर की आखिरी गेंद थी) कुसल परेरा को 3 रन पर कैच आउट करवा दिया। इसके बाद जब वो पारी का 8वां ओवर फेंकने आए (जो उनका दूसरा ओवर था) और इसकी पहली ही गेंद पर उन्होंने किमांदु मेंडिस को एक रन पर पगबाधा आउट कर दिया और फिर ओवर की दूसरी ही गेंद पर चरित असलंका को डक पर आउट करके अपना हैट्रिक पूरा किया। लॉकी ने 2 ओवर में 7 रन देकर 3 विकेट लिए जबकि ग्लेन फिलिप्स अपने हैट्रिक से चूक गए, लेकिन उन्होंने एक ही ओवर में 3 विकेट लेकर मैच ही पलट दिया और उन्होंने1.5 ओवर में 6 रन देकर 3 विकेट लिए। श्रीलंका की तरफ से दूसरी पारी में पथुम निसांका ने 51 गेंदों पर 52 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। लॉकी प्लेयर ऑफ द मैच बने जबकि वानिंदु हसरंगा प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए।

करण जौहर ने फिर अनन्या पांडे पर खेला दांव, नई फिल्म का किया एलान

करण जौहर ने अपनी एक और फिल्म का एलान किया है। इसमें अनन्या पांडे नजर आएंगी। उनके साथ लक्ष्य की जोड़ी जमेगी। निर्माता ने फिल्म की पहली झलक साझा की है। फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्यार में पागल होना पड़ता है

करण जौहर की नई फिल्म का नाम है– चांद मेरा दिल। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा फिल्म की झलक दिखाई है। करण ने चार पोस्टर साझा किए हैं। करण की नई फिल्म में अनन्या पांडे और लक्ष्य लीड भूमिका में नजर आएंगे। पोस्ट के साथ करण ने कैप्शन लिखा है, हम एक बेहद प्यारी और भावुक प्रेम कहानी लाने की तैयारी में हैं। ऐसी प्रेम कहानी होगी, जैसी पहले कभी नहीं रही। प्यार में थोड़ा पागल होना ही पड़ता है?

कौन करेगा निर्देशन?

करण ने आगे लिखा है, हमारे पास दो चांद हैं। चांद मेरा दिल फिल्म में अनन्या पांडे और लक्ष्य हैं। फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी करेंगे। यह फिल्म साल 2025 में सिनेमाघरों तक पहुंचेगी। अनन्या पांडे के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी पिछली फिल्म कंट्रोल ओटीटी पर रिलीज हुई। बात करें लक्ष्य की तो वे अपनी फिल्म किल को लेकर खूब लोकप्रिय हुए। एक्शन से भरपूर यह फिल्म दर्शकों को पसंद आई।

यूजर्स ने की सवालों की बौछार

करण जौहर ने जैसे ही फिल्म का एलान किया, कमेंट बॉक्स में सवालों की बौछार शुरू हो गई है। यूजर्स कमेंट कर रहे हैं कि हर बार एक जैसी स्टारकास्ट क्यों लेते हो? एक यूजर ने लिखा, हर बार एक जैसी स्टारकास्ट। हर बार अनन्या पांडे। सबकुछ बहुत बोरिंग है। मेकर्स को थोड़ा अलग सोचने की जरूरत है। एक अन्य यूजर ने लिखा, अनन्या पांडे कुछ नपो किड्स के मुकाबले अच्छी हो सकती हैं। लेकिन, वह अच्छी कलाकार नहीं हैं।

अब यूट्यूब चैनल के जरिए अपनी निजी जिंदगी से रूबरू कराएंगी परिणीति चोपड़ा

फिल्मों में अभिनय का जलवा दिखाने के बाद अब परिणीति चोपड़ा लोगों से सीधे तौर पर जुड़ने के लिए तैयार हैं। दरअसल, हाल ही में अभिनेत्री ने जानकारी दी है कि वह अपना यूट्यूब चैनल शुरू करने जा रही हैं। उनके इस एलान से फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है।

परिणीति ने शुरू किया यूट्यूब चैनल

परिणीति ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से एक वीडियो शेयर किया। इस क्लिप में वह अपने नए यूट्यूब चैनल के बारे में जानकारी देती हुई नजर आ रही हैं। फैंस से कही यह बात

फैंस को खुशखबरी सुनाते हुए उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, इतने वर्षों में मैंने जानबूझकर अपने जीवन का लगभग केवल एक प्रतिशत हिस्सा ही सोशल मीडिया पर साझा किया है। मैं बहुत कुछ करती हूं, लेकिन हमेशा यह सब निजी रखना ही पसंद करती हूं।

सोशल मीडिया टीम के कहने पर उठाया कदम

उन्होंने आगे लिखा, कुछ भी न साझा करने के मेरे फैसले ने मेरी सोशल मीडिया टीम को गंभीर रूप से निराश किया है। अब उनके बहुत समझाने के बाद मुझे लगता है कि अब थोड़ा और खुलने का समय आ गया है। अभिनेत्री ने आगे लिखा, मैं गर्व से घोषणा करती हूं कि अब आप मेरे आधिकारिक यूट्यूब चैनल परिणीति चोपड़ा को सब्सक्राइब कर सकते हैं, जहां मैं आपके साथ अपने जीवन से जुड़ी चीजें साझा करूंगी।

इस फिल्म में दिखी थीं परिणीति

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में परिणीति चोपड़ा को फिल्म अमर सिंह चमकीला में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ दिलजीत दोसांझ भी थे। इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी यह फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आई थी। साथ ही, परिणीति के किरदार को भी काफी ज्यादा सराहा गया था।

मैंने अतीत में गलतियां की हैं, नागा-शोभिता की शादी की खबरों के बीच सामंथा ने कहा

प्राइम वीडियो की सिटाडेल हनी बनी को लेकर लोगों में काफी ज्यादा उत्साह देखने को मिल रहा है। सीरीज के ओटीटी पर दस्तक देने से पहले हाल ही में मुंबई में इस वेब सीरीज का एक शानदार प्रीमियर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सामंथा ने अपनी जिंदगी और करियर को लेकर कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में अभिनेत्री से पूछा गया, क्या आप हमें बता सकते हैं कि आपने सिटाडेल के लिए कितनी मेहनत की है और आपका किरदार कैसा होगा? सामंथा ने कहा, मैंने खुद से वादा किया था कि मैं हर भूमिका में खुद को चुनौती दूंगी, हर चुनौती पिछली चुनौती से ज्यादा कठिन होगी। मैं मानती हूं कि मैंने अतीत में कुछ गलतियां की हैं और चीजें काम नहीं आईं, और मैं असफलता को स्वीकार करती हूं।

सोशल मीडिया पर उठे सवाल

वही, सोशल मीडिया पर अभिनेत्री के गलती वाले बयान को लोग उनकी निजी जिंदगी से भी जोड़कर देख रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, सामंथा ने क्या तलाक लेकर गलती की है। दूसरे यूजर ने लिखा, सामंथा किस गलती की बात कर रही हैं। वही, एक और यूजर ने लिखा, सामंथा फिल्म की गलती की बात कर रही हैं या किसी और की?

फिल्म पर सामंथा को है गर्व

इससे पहले फिल्म के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा था, सिटाडेल एक ऐसी चीज है जिस पर मुझे काफी गर्व है, इसके रिलीज से पहले ही, सिर्फ इस बात को लेकर कि मैं इस परियोजना को पूरा करने में सक्षम थी। इसलिए मुझे पहले से ही इस पर गर्व है। मैं यह भी मानती हूं कि यह मेरे करियर में निभाई गई सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण भूमिका है। लेकिन मैं आपको इसका जज बनने की अनुमति दूंगी।

निभाएंगी मुख्य किरदार

काम की बात करें तो सामंथा सबसे पहले सिटाडेल हनी बनी में नजर आएंगी। सिटाडेल- हनी बनी राज और डीके द्वारा निर्देशित एक हिंदी जासूसी एक्शन थ्रिलर वेब सीरीज है। इस सीरीज में वरुण धवन और सामंथा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इन दिनों के अलावा सीरीज में के के मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार और काशवी मजूमदार और कई अन्य कलाकार नजर आएंगे।

चुन चुन कर निशाने ढूंढ रहे अर्जुन, डेंजर लंका से लेकर परमा तक का खुद ही कर रहे प्रचार

अर्जुन कपूर कपूर इन दिनों रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में नजर आए हैं। ढेर सारे सितारों वाली इस फिल्म में अर्जुन कपूर ने डेंजर लंका का रोल निभाया है। वे खलनायक की भूमिका में हैं। करीब 350 रुपये बजट में बनी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन कर रही है। इस बीच अर्जुन कपूर अपने किरदार की भरपूर चर्चा कर रहे हैं। अपने लिए प्रचार की सारी जिम्मेदारी उन्होंने उठा ली है और हर पैंतरा आजमा रहे हैं। उनका हालिया पोस्ट इसका सूबत दे रहा है।

खुद करने बैठ गए अपनी तारीफ

अर्जुन कपूर ने आज बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। इसमें वे अपने मुंह मिया मिट्ठू बनते दिखे हैं। अभिनेता ने सिंघम अगेन के अपने किरदार डेंजर लंका का पोस्ट साझा किया है। इसके साथ ही अपनी डेब्यू फिल्म इश्कजादे (2012) के किरदार ठग परमा के किरदार की झलक भी दिखाई है। अर्जुन कपूर ने इस सिलसिले में कई तस्वीरें साझा की हैं और सभी तस्वीरें मीम पेज से उठाई हुई हैं।

मीम्स पेज से उठाई तारीफों वाली पोस्ट

पहली तस्वीर में अर्जुन डेंजर लंका वाले गेटअप में हैं, इस पर लिखा है, ये बंदा अब तक कहां था? वहीं, दूसरी तस्वीर में उनके परमा और डेंजर लंका दोनों किरदारों की झलक है। इस पर लिखा है, परमा से डेंजर लंका तक अर्जुन कपूर ने एक लंबा रास्ता तय किया है। परमा वाली तस्वीर पर लिखा है, अर्जुन कपूर और डेंजर लंका वाली पर लिखा है, अर्जुन कपूर 2.0। इसके अलावा और भी कई तस्वीरें हैं, जिनमें अर्जुन कपूर की तारीफ की जा रही है।

अर्जुन ने जताया आभार

इस पोस्ट के साथ अर्जुन कपूर ने एक लंबा कैप्शन लिखा है। अर्जुन कपूर ने लिखा है, यकीन ने करने वालों को यकीन करने तक बदलना है! हर सवाल और संदेह ने मुझे और ज्यादा मेहनत करने को प्रेरित किया है। पहले से ज्यादा मजबूत होकर वापसी करने के लिए बढ़ावा दिया है। वे लोग जिन्होंने मेरा हौसला तब भी बढ़ाया और आज भी यकीन करते हैं उन सभी का शुक्रिया। आप सभी का प्यार और सहयोग ही मेरी ताकत है। जिन लोगों ने मुझ पर शक किया, उनका भी शुक्रिया मुझे प्रेरित करने के लिए। अब तक की यात्रा कैसी रही है? ऐसा लगता है जैसे मेरा एक बार फिर डेब्यू हुआ है और मुझे अभी लंबा रास्ता तय करना है। हर कदम, हर सबक, प्यार हर चीज के लिए आपका आभारी हूं।

भूल भुलैया 3 की मजबूत पकड़ बरकरार कार्तिक की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म बनी

कार्तिक आर्यन के अभिनय का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म भूल भुलैया 3 टिकट खिड़की पर धांसू कारोबार कर रही है। फिल्म को देखने को लिए लोग लगातार सिनेमाघरों को रुख कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि इस फिल्म ने अब तक कितना कारोबार कर लिया है।

फिल्म कर रही शानदार कमाई

भूल भुलैया 3 एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें कार्तिक के अलावा विद्या बालन और माधुरी दीक्षित जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों ने काम किया है। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी, संजय मिश्रा, विजय राज और राजपाल यादव जैसे कलाकार भी हैं। इसका निर्देशन अनीस बज्मी ने किया है। इससे पहले वह भूल भुलैया 2 का निर्देशन कर चुके हैं, जो कि बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। उनकी पिछली फिल्म की तरह ही यह फिल्म भी लगातार शानदार कमाई कर रही है।

पहले सप्ताहांत पर जबर्दस्त कलेक्शन

पहले सप्ताहांत के जबर्दस्त कलेक्शन के बाद वीकडेज में भी फिल्म की मजबूत पकड़ बरकरार है। फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो पहले दिन भूल भुलैया 3 ने 35.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, दूसरे दिन इसने 37 करोड़ और तीसरे दिन 33.5 करोड़ रुपये बटोरे थे। पहले सप्ताहांत में 106 करोड़ का कारोबार कर यह फिल्म कार्तिक के करियर की सबसे तेज 100 करोड़ कमाने वाली फिल्म बन गई थी।

वीकडेज में भी अच्छी कमाई

वहीं, कामकाज वाले दिनों में भी फिल्म का प्रदर्शन शानदार रहा है। बीते दिन सोमवार की परीक्षा इस फिल्म ने आसानी से पार कर ली। चौथे दिन इस फिल्म ने अपने बजट के 10 फीसदी से ज्यादा कारोबार किया। किसी भी फिल्म के लिए ऐसा कलेक्शन शुभ संकेत माना जाता है। सोमवार को फिल्म ने 18 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

कार्तिक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

शुरुआती आंकड़ों की मानें तो फिल्म ने पांचवें दिन 11.63 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 135.63 करोड़ रुपये हो गई है। इन आंकड़ों के साथ यह कार्तिक आर्यन की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है। वहीं, पहले पायदान पर अब भी भूल भुलैया 2 बनी हुई है। माना जा रहा है कि इस फिल्म के कलेक्शन को जल्द ही भूल भुलैया 3 पीछे छोड़ देगी।

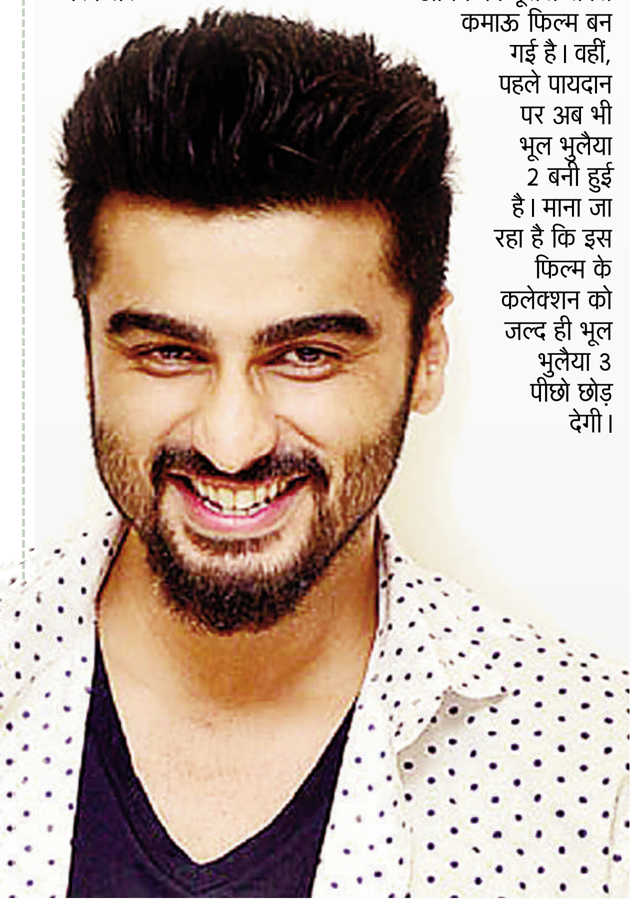

इन पांच फिल्मों से बॉक्स ऑफिस हिलाएंगे प्रभास, 400 करोड़ की बजट वाली फिल्म भी है शामिल

दक्षिण भारतीय अभिनेता प्रभास की कई फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार हैं। आखिरी बार प्रभास को 'कल्कि 2898 एडी' में देखा गया था। बॉक्स ऑफिस पर इसने शानदार प्रदर्शन किया। इस फिल्म के बाद से उनके प्रशंसक बेसब्री के साथ आगामी फिल्मों का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में प्रभास ने अपनी फीस में भी जबर्दस्त इजाफा किया है। फिल्मों में उनकी बढ़ती मांग और लोकप्रियता के चलते यह इजाफा हुआ है। आइए जान लेते हैं कि प्रभास की कौन-कौन सी फिल्म आने वाली हैं?

सालार 2

प्रभास की फिल्म 'सालार' ने दिसंबर 2023 में सिनेमाघरों में दस्तक दिया। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसकी कहानी ऐसे मोड़ पर खत्म हुई कि दर्शकों के मन में कई सवाल छोड़ गई, जिसका जवाब वह इसके दूसरे भाग में जानने के लिए उत्सुक हैं और बेसब्री के साथ इसका इंतजार कर रहे हैं।

राजा साब

फिल्म 'राजा साब' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। इस फिल्म को मारुति निर्देशित कर रहे हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। फिल्म के टीजर और पोस्टर ने प्रशंसकों की उत्सुकता को दोगुना कर दिया है।

स्पिरिट

प्रभास की फिल्म स्पिरिट को लेकर प्रशंसकों में अभी से उत्साह है। हालांकि फिल्म की शूटिंग अभी शुरू नहीं हुई है। इसका निर्देशन संदीप वांगा रेड्डी करेंगे।

कन्नपा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साउथ एक्टर मोहनलाल की फिल्म 'कन्नप्पा' में प्रभास कैमियो करते हुए नजर आ सकते हैं। कहा जा रहा है कि उनका ये कैमियो जबरदस्त होने वाला है।

फौजी

प्रभास ने हाल ही में हनु राघवपुडी द्वारा निर्देशित 'फौजी' की शूटिंग शुरू की है। इस फिल्म में प्रभास एक सैनिक की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म आजादी के पहले के युग पर आधारित हैं। फिल्म काफी बड़े बजट में बनाई जा रही है। कहा जा रहा है कि इसका बजट 400 करोड़ रुपये है।

पर्दे से दूर फिर भी लग्जरी लाइफ जी रही हैं क्रिस्टल डिसूजा

क्रिएस्टल डिसूजा अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री इन दिनों पर्दे से दूर हैं, फिर भी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। हालांकि, क्रिस्टल अपने कमबैक की तैयारी कर रही हैं। क्रिस्टल की सोशल मीडिया पर काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग भी है। क्रिस्टल को एक हजारों में मेरी बहना है से फैंस के बीच लोकप्रियता हासिल हुई थी अब प्रशंसक एक बार फिर अभिनेत्री को बड़े स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं।